

संक्षिप्त

अज्ञात युवक का शव बरामद, गले पर धारदार हथियार के निशान, हत्या की आशंका

रांची। रांची जिले के राहे थाना क्षेत्र के पारमडीह टुंगरीटोला गांव के समीप मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जारागोड़ा क्षेत्र की एक चट्टान पर मिले शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक के गले पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका के आधार पर मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि ग्रामीणों ने चट्टान पर युवक का शव पड़ा देखा, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही राहे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी है। साथ ही मृतक की पहचान के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक के दाहिने हाथ पर 'केएम' लिखा हुआ है, जिसे पहचान का महत्वपूर्ण सुगम माना जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों का सत्याग्रह 11वें दिन भी जारी, भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता की तबीयत बिगड़ी

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के विरोध में रांची में अभ्यर्थियों का सत्याग्रह आंदोलन मंगलवार को 11वें दिन भी जारी रहा। वहीं, अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल तीसरे दिन में प्रवेश कर गई। इस दौरान भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेन्द्रनाथ महतो की तबीयत बिगड़ गई। आंदोलनकारियों के अनुसार, लगातार उपवास के कारण देवेन्द्रनाथ महतो का ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर गिर गया। उन्हें कमजोरी, डिहाइड्रेशन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने पर चिकित्सकों की सलाह पर स्लाइन चढ़ाई गई। उनकी तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी, अभिभावक और समर्थक पहुंच गए और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग के समर्थन में आंदोलन में शामिल हुए। देवेन्द्रनाथ महतो ने कहा कि यह आंदोलन झारखंड के युवाओं के अधिकार, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और न्याय की मांग को लेकर चलाया जा रहा है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्ष और जनहित की भावना से प्रेरणा लेकर युवाओं के अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह किसी राजनीतिक दल का आंदोलन नहीं, बल्कि राज्य के बेरोजगार युवाओं के भविष्य और उनके अधिकारों से जुड़ा मुद्दा है। आंदोलनकारियों ने राज्य सरकार से भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने तथा अभ्यर्थियों की मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और अन्य समर्थकों की मौजूदगी रही।

मानसून

मौसम विभाग का येलो अलर्ट जारी, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं की भी चेतावनी

झारखंड में आठ अगस्त तक भारी बारिश के आसार

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में इस सप्ताह अच्छी बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 8 अगस्त तक राज्य के कई जिलों में भारी बारिश, आकाशीय बिजली और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान से किसानों में उत्साह है, क्योंकि पर्याप्त वर्षा से धान की रोपाईं में तेजी आने की उम्मीद है। जुलाई में हुई अच्छी बारिश के कारण अधिकांश किसानों ने धान के बिचड़े तैयार कर लिए हैं। अब पर्याप्त वर्षा होने पर रोपाईं का कार्य तेजी से शुरू होने की संभावना है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो अगस्त

के अंत तक राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में धान की रोपाईं पूरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 8 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में कई स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। इस दौरान गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सर्वाधिक 175.2 मिलीमीटर वर्षा

गोड्डा में दर्ज की गई। वहीं, सबसे अधिक तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस बहरागोड़ा में और सबसे कम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से काले बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं होने से लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। रांची में पिछले 24 घंटे के दौरान 95 प्रतिशत सापेक्ष आद्रता दर्ज की गई, जिससे मौसम काफी असहज बना रहा। राज्य के प्रमुख शहरों में मंगलवार

को दर्ज अधिकतम और न्यूनतम तापमान की बात करें, तो रांची में 29.2 और 23.4 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर में 35.3 और 26.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 32.6 और 26.3 डिग्री, बोकारो में 33.2 और 26.5 डिग्री तथा चाईबासा में 35 और 24.8 डिग्री सेल्सियस। मौसम विभाग ने लोगों, विशेषकर किसानों से मौसम के ताजा पूर्वानुमान पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है। साथ ही आकाशीय बिजली, तेज हवाओं और बारिश के दौरान खुले स्थानों, खेतों तथा पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की अपील की है। विभाग का मानना है कि यदि पूर्वानुमान के अनुरूप वर्षा होती है तो इसका सबसे अधिक लाभ खरीफ फसलों, विशेषकर धान की खेती को मिलेगा और राज्य की कृषि गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं होने से लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। रांची में पिछले 24 घंटे के दौरान 95 प्रतिशत सापेक्ष आद्रता दर्ज की गई, जिससे मौसम काफी असहज बना रहा। राज्य के प्रमुख शहरों में मंगलवार

को दर्ज अधिकतम और न्यूनतम तापमान की बात करें, तो रांची में 29.2 और 23.4 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर में 35.3 और 26.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 32.6 और 26.3 डिग्री, बोकारो में 33.2 और 26.5 डिग्री तथा चाईबासा में 35 और 24.8 डिग्री सेल्सियस। मौसम विभाग ने मौसम के ताजा पूर्वानुमान पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है। साथ ही आकाशीय बिजली, तेज हवाओं और बारिश के दौरान खुले स्थानों, खेतों तथा पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की अपील की है। विभाग का मानना है कि यदि पूर्वानुमान के अनुरूप वर्षा होती है तो इसका सबसे अधिक लाभ खरीफ फसलों, विशेषकर धान की खेती को मिलेगा और राज्य की कृषि गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

एक नजर

असामाजिक तत्वों ने मचाया उत्पात, कई गाड़ियों के शीशे तोड़े



रांची। राजधानी रांची के हिंदीपीढ़ी थाना क्षेत्र स्थित निजाम नगर में सोमवार देर रात असामाजिक तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया। यहां मोती मस्जिद रोड और मक्का मस्जिद रोड पर सड़क किनारे खड़ी 6 से अधिक गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने देर रात कई वाहनों को निशाना बनाया। क्षतिग्रस्त वाहनों में हूंडई वरना, टाटा नेक्सॉन, स्कोर्पियो और सुमो सहित अन्य गाड़ियां शामिल हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। तोड़फोड़ की इस घटना में एक डीएसपी स्तर के अधिकारी का वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। मंगलवार सुबह जब वाहन मालिकों ने अपनी गाड़ियों के शीशे टूटे हुए देखे तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि तोड़फोड़ करने वाले आरोपितों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

नीट-यूजी 2026 : ओएमआर शीट पेश होने के बाद लक्ष्य सिंह ने वापस ली याचिका, हाई कोर्ट ने किया खारिज

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा में अंक संबंधी विसंगति को लेकर दाखल लक्ष्य सिंह की याचिका का निस्कारण कर दिया। न्यायालय के निर्देश पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने संबंधित अभ्यर्थी की मूल ओएमआर शीट सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष प्रस्तुत की। इसके बाद याचिकाकर्ता की ओर से याचिका वापस लेने का आग्रह किए जाने पर अदालत ने इसे खारिज कर दिया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में हुई। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने एनटीए से पूछा था कि यदि अभ्यर्थी लक्ष्य सिंह की वेबसाइट पर अपलोड की गई ओएमआर शीट के आधार पर 660 अंक बन रहे हैं, तो घोषित परिणाम में उसे केवल 116 अंक कैसे मिले। इसके बाद अदालत ने एनटीए को संबंधित अभ्यर्थी की मूल ओएमआर शीट सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। साथ ही टेस्ट बुकलेट (सीरियल नंबर-265208914) और रोल नंबर-2603107066 से संबंधित मूल रिकॉर्ड भी पेश करने को कहा था। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया था कि एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध ओएमआर शीट का स्कैन करने पर अभ्यर्थी के 720 में से 660 अंक बन रहे थे, जबकि जारी परिणाम में उसे केवल 116 अंक दिए गए। इसी आधार पर मूल ओएमआर शीट प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। उल्लेखनीय है कि लक्ष्य सिंह ने नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा में कम अंक दिए जाने को चुनौती देते हुए झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दाखल की थी। हालांकि, एनटीए द्वारा मूल ओएमआर शीट प्रस्तुत किए जाने के बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस लेने का आग्रह किया, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए याचिका खारिज कर दी।

ज्ञानशाला बच्चों में संस्कार और नैतिक मूल्यों का सशक्त माध्यम : बछराज बेताला



रांची। तेरापंथ सभा रांची, तेरापंथ युवक परिषद और तेरापंथ महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को ज्ञानशाला जागरूकता एवं प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक जाप के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं ज्ञानशाला उद्गीसा-झारखंड क्षेत्र के आंचलिक प्रभारी बछराज बेताला ने कहा कि ज्ञानशाला जैन धर्म के संस्कारों का दीप प्रज्वलित कर रही है। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, चरित्र विकास और नैतिक शिक्षा के लिए ज्ञानशाला एक सशक्त माध्यम है। प्रत्येक परिवार को अपने बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़ना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी संस्कारवान, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बन सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए तेरापंथ सभा, रांची के अध्यक्ष अमरचंद बेगानी ने ज्ञानशाला के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के सभी लोगों से इस अभियान को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन कमलेश संचेती और रिद्धि बाँटिया ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सभा के मंत्री विनोद बेगवान, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष पंकज बोहरा, मंत्री ललित सेठिया, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सरिता दस्सानी, मंत्री पूजा नाहटा सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

प्रेमचंद जयंती पर मेकोंन में हिंदी संगोष्ठी, विजेताओं को किया सम्मानित



रांची। मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर मेकोंन, रांची में मंगलवार को हिंदी संगोष्ठी सह प्रतिभागिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रेमचंद के साहित्य की सामाजिक प्रासंगिकता, मानवीय संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मेकोंन के कार्यपालक निदेशक (वाणिज्यिक) विनय कुमार झा ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य केवल कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज और जीवन का सशक्त दस्तावेज है। उनकी रचनाओं में किसान, श्रमिक, महिलाओं और वंचित वर्गों के संघर्ष, स्वाभिमान, सामाजिक न्याय तथा राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का जीवंत चित्रण मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उनके समय में थीं और वर्तमान समाज को नई दिशा देने में सक्षम हैं। संगोष्ठी के दौरान प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानियों 'पंच परमेश्वर', 'ईदगाह', 'कफन', 'पुस की रात', 'दो बैलों की कथा', 'बुढ़ी काकी', 'नमक का दरोगा' और 'अलखोबा' पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने इन रचनाओं में निहित सामाजिक चेतना, मानवीय संवेदना और नैतिक मूल्यों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (लौह निर्माण) एवं प्रभारी राजभाषा विश्वजीत कुमार सहित मेकोंन, नराकास (उपक्रम) रांची के सदस्य कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



और पहचान के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि उनकी जयंती के अवसर पर प्रस्तावित प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष और योगदान से प्रेरणा ले सकें। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दिशोम झारखंड के स्वाभिमान, अस्मिता

की लड़ाई झारखंड की पहचान का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि उनके विचार और संघर्ष नई पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय

लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों के बीच साड़ी और लूंगी का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में अंतु तिकी, महावीर विश्वकर्मा, कलाम आजाद, कुदूस अंसारी, मंटू लाला, आदिल इमाम, विलियम रिचर्ड लकड़ा,

तालकेश्वर महतो, ककि प्रखंड अध्यक्ष नवीन तिकी, ओरमांझी प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर महतो, नरेश यादव, बुंडू प्रखंड अध्यक्ष कोलेश्वर मुंडा, नामकुम प्रखंड अध्यक्ष चामू बेक सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

गुरुजी के अधूरे सपनों को पूरा करने का लिया संकल्प

रांची। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संपूर्ण जीवन झारखंड की पहचान, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों तथा गरीब, किसान, मजदूर और वंचित वर्ग के सम्मान की लड़ाई को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष केवल अलग झारखंड राज्य के निर्माण तक सीमित



नहीं था, बल्कि वे ऐसे राज्य का सपना देखते थे, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, न्याय और विकास के समान अवसर उपलब्ध हों। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महागठबंधन सरकार दिशोम गुरु के विचारों और जनकल्याणकारी सोच को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा

और महागठबंधन के सभी घटक दल सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की रक्षा के साझा संकल्प के साथ राज्य के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु के आदर्श सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में जब संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक सौहार्द को चुनौती देने के प्रयास किए जा रहे हैं, तब दिशोम गुरु का संघर्ष और उनके विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। कांग्रेस पार्टी उनके संघर्ष, त्याग और जनसेवा को विरासत को

आगे बढ़ाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगी। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित अन्य नेताओं ने भी दिशोम गुरु के जीवन, संघर्ष और झारखंड निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का योगदान राज्य के इतिहास में सदैव अमिट रहेगा और आने वाली पीढ़ियां उनके त्याग, संघर्ष तथा जननायक के रूप में निभाई गई भूमिका से प्रेरणा लेती रहेंगी। कार्यक्रम में रविन्द्र सिंह, सतीश पॉल मुंजनी, प्रदीप तुलस्यान, बिनय सिन्हा दीपू, कुमार गौरव, रोकेश सिन्हा, किशोर शाहदेव, राजीव रंजन प्रसाद, तोसिफ, सुरेंद्र सिंह, सोनल शांति सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गुरु रविदास जयंती पर भाजपा ने शुरू किया समरसता संकल्प अभियान



कोशिशों के विरुद्ध सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा उन सभी महापुरुषों का सम्मान करती है, जिन्होंने धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और राष्ट्रीय जीवन में योगदान देकर देश की संस्कृति और संस्कारों को समृद्ध किया। इसी सोच के तहत भगवान बिरसा मुंडा, अहिल्याबाई होल्कर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और गुरु गोविंद सिंह सहित अनेक महान विभूतियों की जयंती को व्यापक स्तर पर मनाया जाता है, ताकि नई पीढ़ी उनके योगदान से परिचित हो सके। गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संत गुरु रविदास के समता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के संदेश को

जन-जन तक पहुंचाने का यह अभियान प्रेरणादायी है। इसका उद्देश्य गांव-गांव तक सामाजिक समानता, समरसता और जनजागरण का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ बिना किसी भेदभाव के 81 करोड़ लोगों को हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता का अभियान है। संत रविदास के विचारों पर वक्तव्य की समरसतापूर्ण, शक्तिशाली और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें नई पीढ़ी को

दिग्भ्रमित कर समाज और देश को बांटने का प्रयास कर रही हैं, जबकि संत रविदास की वाणी समाज को जोड़ने का संदेश देती है। दुष्यंत कुमार गौतम ने संत रविदास के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति के साथ सामाजिक एकता का संदेश दिया। उनका मानना था कि व्यक्ति की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से होती है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी संत रविदास अपने सिद्धांतों और आस्था पर अडिग रहे। गौतम ने कहा कि संविधान में जिस सामाजिक समरसता की भावना को समाज मिला है, उसका संदेश संत रविदास सदियों पहले ही समाज को दे चुके थे। संसद सत्र में व्यस्त रहने के कारण भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आश्विन साहू कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उनका लिखित संदेश कार्यक्रम में पढ़ा गया, जिसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं से गुरु रविदास की जन्मभूमि से लाई गई पवित्र मिट्टी वाले कलश को पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ राज्य के सभी जिलों, मंडलों, शक्ति केंद्रों और गांवों तक पहुंचाकर समरसता का संदेश जन-जन तक ले जाने का आह्वान

किया। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि समरसता संकल्प अभियान को जन-जन का अभियान बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को बांटने वाली ताकतों के बीच सभी को सामाजिक एकता को मजबूत करने का दायित्व निभाना होगा। वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्व भवतु सुखिनः भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र हैं, जिनमें किसी प्रकार के भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि वर्तमान समय पुनर्जागरण का कात है। भारत की संत परंपरा ने सदियों से समरसता, आध्यात्मिकता और सामाजिक एकता का संदेश दिया है। गुरु रविदास भी ऐसे ही महान संत थे, जिन्होंने समानता, मानवता और सामाजिक सद्भाव का मार्ग दिखाया। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समाज में व्याप्त वैचारिक विकृतियों को दूर कर मानव मूल्यों के आधार पर समाज को एकसूत्र में बांधने का संदेश दिया। कलश वंदन अभियान के माध्यम से उनके विचारों को सुदूर गांवों तक पहुंचाकर सामाजिक समरसता को और मजबूत किया जाएगा।

संक्षिप्त

हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मी के तबादला आदेश पर लगाई अंतरिम रोक

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मी रमन कुमार के 31 जुलाई, 2026 को जारी तबादला आदेश पर मंगलवार को अंतरिम रोक लगा दी। यह आदेश स्वास्थ्य सेवाएं के निदेशक प्रमुख की और से जारी किया गया था, जिसके तहत रमन कुमार का तबादला अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (एसीएमओ) कार्यालय, हजारीबाग से सिविल सर्जन कार्यालय, जमशेड़ा किया गया था। रमन कुमार वर्तमान में प्रधान लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत में हुई। प्राणी की ओर से अधिवक्ता अमरेंद्र प्रधान ने न्यायालय को बताया कि रमन कुमार के चार जुलाई, 2026 के पूर्ववर्ती तबादला आदेश को भी उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है और वह मामला अभी विचारधीन है। अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि चार जुलाई, 2026 को रमन कुमार का तबादला सिविल सर्जन कार्यालय, हजारीबाग से एसीएमओ कार्यालय, हजारीबाग किया गया था, जहां उन्होंने योगदान भी दे दिया था। पूर्ववर्ती तबादला आदेश से संबंधित मामला लंबित रहने के दौरान 31 जुलाई को पुनः उनका तबादला जमताड़ा कर दिया गया, जिसे याचिका में चुनौती दी गई है। प्रारंभिक सुनवाई के बाद न्यायालय ने 31 जुलाई, 2026 के तबादला आदेश के प्रभाव पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की सुनवाई जारी रखने का निर्णय लिया।

करमकोचा जंगल में मिला लापता युवक का शव, 11 दिन से था गायब

मांडर। 24 जुलाई से लापता बांसजाड़ी गांव निवासी एक युवक का शव मंगलवार को मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र के दुल्ही स्थित करमकोचा जंगल से बरामद किया गया। शव सड़-गल चुका था। कपड़े और जूते के आधार पर परिजनों ने उसकी पहचान राम कच्छ लोहरा के रूप में की। मृतक की पहचान बांसजाड़ी गांव निवासी 25 वर्षीय राम कच्छ लोहरा (पिता- सुमेश लोहरा) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, वह 24 जुलाई की दोपहर खलारी के हटाप स्थित अपने एक रिश्तेदार के घर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन इसके बाद घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चलने पर परिजनों ने मांडर थाना में उसकी गुमशुदगी की सनहा दर्ज कराई थी। मंगलवार को मैकलुस्कीगंज पुलिस ने करमकोचा जंगल से एक सड़ा-गला शव बरामद किया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव के पास मिले कपड़े एवं जूते से उसकी पहचान राम कच्छ लोहरा के रूप में की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच में जुट गई है।

हथियार से कटा हुआ युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

राहे : थाना क्षेत्र के नावाडीह पंचायत अंतर्गत टुटारीटोला और सारनाबेड़ा के बीच जारामोडा सतीया के सामने मंगलवार सुबह एक 25 से 30 वर्षीय युवक का शव राहें पुलिस ने बरामद किया गया है। ग्रामीणों के सूचना पर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया पुलिस ने शव की पहचान कराने के लिए आसपास के गांवों में पूछताछ शुरू किया। आसपास के थानों को भी सूचित कर दिया गया। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सभावित क्षेत्र में छनबीन की गई। दोपहर तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी काफी पूछताछ के बाद दोपहर बाद युवक की पहचान सिल्ली थाना क्षेत्र के गोहरा मुहूढ़ गांव के कंजन महतो के रूप में हुआ। युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टि में युवक की हत्या धारदार हथियार से काटकर किया गया है। इधर बुद्ध डीएसपी ओम प्रकाश घटनास्थल पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम और डॉंग स्ववायड को घटनास्थल पर बुलाया गया।

पुण्यतिथि

गुरुजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि

पिस्का नगड़ी। प्रखंड क्षेत्र के गुडवा स्थित विनोद तिकी के आवारा पर मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद तिकी ने की। कार्यक्रम का शुरुआत दो मिनेट का मौन रखकर की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पमाला एवं पुष्प अर्पित कर तथा अंगरबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर विनोद तिकी ने शिबू सोरेन के संघर्षमय जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे केवल एक लोकप्रिय नेता ही नहीं, बल्कि झारखंड के विकास और यहाँ के आदिवासी, मूलवासी तथा वंचित समाज के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले जननेता थे। उन्होंने बताया कि किशोरावस्था में ही उनके पिता सोवरन सोरेन की महानजों द्वारा हत्या कर दी गई थी,

कांके डैम में डूबने से दो मासूमों की मौत

खेलते-खेलते नहाने गए थे दोनों नाबालिग मछुआरों पर लापरवाही का आरोप, शव मिलने में दो घंटे लगे परिजनों ने पोस्टमार्टम से किया इंकार

रातू। थाना क्षेत्र के कांके डैम में मंगलवार दोपहर नहाने के दौरान डूब जाने से दो नाबालिगों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है। मृतकों की पहचान रेवांशा नायक, उम्र 6 वर्ष, पिता रोहित नायक और अंकुश कुमार, उम्र 7 वर्ष, पिता विनाद कुमार के रूप में हुई है। दोनों कांके डैम के समीप ही नवासोसे के रहने

विधायक अमित कुमार ने केन्द्रीय रेल मंत्री से मुलाकात की



सिल्ली । मिली जानकारी के मुताबिक सिल्ली विधायक अमित कुमार ने केन्द्रीय रेल मंत्री , भारत सरकार (माननीय अश्विनी वैष्णव जी) से मुलाकात की और रेलवे की जमीनों पर सड़कों का निर्माण करा देने का अप्रह्न किया ।

विधायक की बातों पर उन्होंने गंभीरता दिखाई। विषयों को रखने में राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा जी ने भी सहयोग किया। इसको लेकर विधायक अमित कुमार ने मंत्री जी एवं सांसद महोदय को धन्यवाद दिया ।

धान की सीधी बुवाई (डी यस आर) तकनीक से खेत हुए खरपतवार मुक्त, किसान उत्साहित

मांडर : दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), मोराबादी, रांची एवं आई सी ए आर झकेंद्रीय धान अनुसंधान संस्थान सी आर आर आई कटक के संयुक्त तत्वाधान में मांडर प्रखंड के मुर्जूली एवं गुड़ गुड़ जाड़ी गांवों में धान की सीधी बुवाई (डी यस आर) तकनीक का सफल प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 48 किसानों के लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में सी आर धान 807 किस्म की बुवाई हल के पीछे, साईफल हो के पीछे तथा लाइन से कतारबद्ध तरीके से की गई। बुवाई के 4-6 दिन बाद किसानों द्वारा अनुशसित मात्रा में प्रेटिलाक्लोर + पाइराजोससल्फ्यूरॉन एथाइल का छिड़काव किया गया, जिसके परिणामस्वरूप खेतों में खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण हुआ और खेत लगभग पूर्णतः खरपतवार मुक्त हो गए। वर्तमान में फसल 20-22 दिन की अवस्था में है, जिसमें इमेजेथोपायर 10 प्रतिशत एस एल का 500 मिली/एकड़ की दर से द्वितीय छिड़काव किया व एकोलाईम 400 केजी प्रति एकड़ दिया गया , मिथेनोट्रेप 1केजी प्रति एकड़ दिया गया था। इसके चलते धान

की फसल पूरी तरह स्वस्थ, हरी-भरी एवं समान रूप से विकसित हो रही है तथा खेतों में कहीं भी खरपतवार दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस अवसर पर आयोजित किसान प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के बीच पक्षेत्र निदेशक डॉ. एस. कर्मकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि डी एस आर तकनीक झारखंड के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इससे समय पर बुवाई संभव होती है, रोपाई की आवश्यकता समाप्त होती है, श्रम एवं उत्पादन लागत में उल्लेखनीय कमी आती है तथा खरपतवार नियंत्रण अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भविष्य में सी आर धान 807 के साथ अरहर की अंतरवर्ती खेती अपनाने से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है, क्योंकि इस तकनीक में प्रयुक्त खरपतवारनाशी का अवशिष्ट प्रभाव दोनों फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालता। आई सी ए आर-केन्द्रीय धान अनुसंधान संस्थान, कटक के वैज्ञानिक डॉ. मृदुल चक्रवर्ती, रूपम जैन

एवं डॉ. गौरव कुमार ने किसानों को डी एस आर तकनीक की वैज्ञानिक बारीकियों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। उन्होंने खेतों का निरीक्षण कर फसल की स्थिति का मूल्यांकन किया तथा किसानों द्वारा दिए गए सुझावों को भी गंभीरता से संकलित किया। वैज्ञानिकों ने कहा कि झारखंड की कृषि परिस्थितियों में इस तकनीक अत्यंत उपयोगी है, क्योंकि इसमें कम लागत, कम श्रम, समय पर बुवाई तथा प्रभावी खरपतवार प्रबंधन के साथ बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र,रांची के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार सिंह ने सभी सहयोगी संस्थानों व वैज्ञानिकों एवं किसानों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से यह प्रदर्शन आय प्राप्त हो सकती है, क्योंकि इस तकनीक में प्रयुक्त खरपतवारनाशी का अवशिष्ट प्रभाव दोनों फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालता। आई सी ए आर-केन्द्रीय धान अनुसंधान संस्थान, कटक के वैज्ञानिक डॉ. मृदुल चक्रवर्ती, रूपम जैन

अनगड़ा। सपा के प्रदेश मुख्य महासचिव मुस्तफा अंसारी ने नेहासे में मंगलवार को तुरुप टोल प्लाजा के समक्ष दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि मनाई गई। मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। वहीं किन्नरों की अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर मुस्तफा अंसारी ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के निर्माण एवं आदिवासियों और मूलवासियों के अधिकारों की रक्षा करने में शिबू

सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-डालटनगंज मुख्य मार्ग एनएच-39 पर मंगलवार सुबह करीब छह बजे कंदरी पेट्रोल पंप के समीप एक भीषण सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र निवासी 28 वर्षीय ललित कुजूर एवं 26 वर्षीय अमृत कुजूर के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल मांडर स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिसर् रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ललित कुजूर की कमर किसी कारणवश टूट गई थी। उसका इलाज कराने के लिए अमृत कुजूर महिंद्रा बोलरो वाहन से उसे रिसर् लै जा रहा था। इसी दौरान कंदरी पेट्रोल पंप के समीप वाहन का संतुलन अचानक बिगड़ गया। अनियंत्रित बोलरो डिवाइडर पार कर सड़क की दूसरी ओर जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में पहले से घायल ललित की स्थिति और गंभीर हो गई, वहीं वाहन चला रहे अमृत कुजूर को भी गंभीर चोट आई है।

जसपुरिया बीएड कॉलेज में कम लागत में दैनिक उपयोग वस्तुओं का प्रशिक्षण

अनगड़ा। जसपुरिया बीएड कॉलेज बीसा के परिसर में कम लागत में दैनिक उपयोग की वस्तुओं का प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में सहकार भारती के राष्ट्रीय कार्यालय प्रमुख सह भारत आर्थिक स्वावलंबन प्रमुख लक्ष्मण पात्र,सहकार भारती झारखंड के प्रदेश महामंत्री धनंजय सिंह, मंत्री राकेश चौधरी ने प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर फिनाइल, हैंडवॉश, ग्लास क्लीनर , कार वॉश सहित कुल 10 दैनिक उपयोग की वस्तुओं को अत्यंत कम लागत में तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कॉलेज के चेयरमैन जैलेन्द्र कुमार ने बताया कि यह प्रशिक्षण ग्रामीणों को आत्मनिर्भर व स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने तथा आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बताया कि लोगों को मोबाइल के घातक ऐडिप्शन से बचाने के लिए गोबर से चिप तैयार करने का प्रशिक्षण भी दिया गया जो मामूली खर्च पर बनाया जाता है। मौके पर बिगेश्वर महतो,जयनंदन सिंह, कमलाकत मुंडा, बरतू बेदिया, बालेश्वर बेदिया, संजीव कुमार, विभा कुमारी, काजल गोस्वामी, पवन लोहरा, बबलू,शिशु उरांव, मोहन भोमता आदि उपस्थित थे ।

गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर रातू में पवित्र मिट्टी का कलश स्थापित



काठीटांड के चिंताहरण गणेश शिव मंदिर में हुआ भव्य कार्यक्रम भाजपा कार्यकर्ताओं की रही बड़ी उपस्थिति

रातू। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर मंगलवार को प्रखंड के रातू पश्चिम मंडल, काठीटांड स्थित चिंताहरण गणेश शिव मंदिर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत गुरु रविदास महाराज की

जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी को सम्मानपूर्वक लाए गए पवित्र कलश को गुप्प वर्षा करते हुए मंदिर प्रांगण में स्थापित किया गया। भक्तों ने जयकारों और भजनों के साथ कलश का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष सुबोध साहू ने कहा कि गुरु रविदास ने समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को दिशा दे रही हैं। कार्यक्रम में रांची जिला ग्रामीण पश्चिम के पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग

लिया। कार्यक्रम में रांची जिला पश्चिम अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, सुधाकर चौबे, कमलेश राम, मनोज राम, राजेंद्र पांडे, राजेश सिंह, विंध्याचल महतो, राकेश केसरी, संजीव तिवारी, चंदन बैठा, विक्की लोहरा, सुष्मा तिकी, मोरा देवी, ममता चौहान, मंडल अध्यक्ष सुबोध साहू, केशव साहू, सतीश दुबे, मनमोहन सिंह, राजेश राम, विजय उरांव, गणेश महतो, वसंत गोप, राजपाल साहू, जय कृष्ण महतो, मुकेश महतो, प्रवीण राम, राजेंद्र राय, चंदन प्रसाद गुप्ता, मुकेश साहू सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तुरुप टोल प्लाजा का नामकरण गुरुजी के नाम पर करने की मांग



सोरेन का अमूल्य योगदान रहा है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जल जलजंजी की लड़ाई एवं झारखंड की अस्मिता के सम्मान के लिए समर्पित कर दिया था। इस अवसर पर तुरुप टोल प्लाजा का नामकरण शिबू सोरेन के नाम पर करने की मांग रखी गई। मौके पर सपा के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, जिलाध्यक्ष रामप्रसाद गोप, इमिन्याज ओहदार, सुरेन कालिंदी, इब्राहिम अंसारी, मुस्लिम फैजी, प्रकाश महतो, धनीराम करमाली, संतोष पाठक मौजूद थे।

एक नजर

शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, 28 यूनिट रक्त संग्रह



रांची। रांची समाहरणालय में पद्म भूषण एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 28 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित शिविर में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजुनाथ भजन्नी, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, उपविकास आयुक्त संजय भगत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर उपायुक्त मंजुनाथ भजन्नी ने कहा कि स्वीच्छक रक्तदान जरुरतमद मरीजों के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। उन्होंने स्वस्थ नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि इससे अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और जरुरतमद मरीजों को समय पर रक्त मिल सकेगा। कार्यक्रम के दौरान सिकल सेल रोग से पीडित मरीजों एवं उनके परिजनों ने उपायुक्त को गुलाब का फूल भेंट कर रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि ऐसे शिविरों से सिकल सेल सहित अन्य गंभीर बीमारियों से जुझ रहे मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। शिविर से पूर्व उपायुक्त, एएसएसपी तथा अन्य अधिकारियों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में अपर जिला दंडाधिकारी (नक्सल) सुरेशन मुर्मू, जिला उपनिर्वाहन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज सहित कई अधिकारियों ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा : हाई कोर्ट ने जेएसएससी की नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया पर उठाए सवाल, मांगा जवाब

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा (विज्ञापन संख्या-13/2023) में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से अपनाई गई नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए आयोग से विस्तृत जवाब तलब किया है। मंगलवार को न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत में गिरिधर प्रसाद एवं अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि समान परिस्थितियों में परीक्षा देने वाले तथा समान रॉ अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के नॉर्मलाइज्ड अंक अलग-अलग कैसे हो सकते हैं। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि अलग-अलग रॉ अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों का अंतिम नॉर्मलाइज्ड स्कोर समान किस आधार पर निर्धारित किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि आयोग द्वारा अपनाई गई नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया पारदर्शिता के मानकों पर खरी नहीं उतरती। उदाहरण देते हुए बताया गया कि एक ही शिफ्ट में परीक्षा देने वाले दो अभ्यर्थियों के रॉ अंक 69-69 होने के बावजूद एक अभ्यर्थी का नॉर्मलाइज्ड स्कोर 17 और दूसरे का 34 दर्शाया गया। इस पर अदालत ने आयोग से पूछा कि समान परिस्थितियों और समान रॉ अंक होने के बावजूद दोनों अभ्यर्थियों के परिणामों में इतना अंतर किस आधार पर किया गया। न्यायालय ने यह भी पूछा कि यदि विभिन्न अभ्यर्थियों के रॉ अंक अलग-अलग हैं, तो क्या नॉर्मलाइजेशन के बाद उनका अंतिम स्कोर समान हो सकता है। इन दोनों बिंदुओं पर अदालत ने जेएसएससी को शपथ-पत्र के माध्यम से विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार, अधिवक्ता अमृतांशु वत्स, अधिवक्ता शुभम मिश्रा, अधिवक्ता प्रेम पुजारी राय सहित अन्य ने पक्ष रखा। वहीं, जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपवाल ने पक्ष प्रस्तुत किया।

मेराथन दौड़ एवं फुटबॉल टूर्नामेंट कमेटी के अध्यक्ष बने अमर सिंह मुंडा

अनगड़ा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आगामी को टाटी पंचायत में आयोजित होने वाली मेराथन दौड़ एवं 15 अगस्त को होने वाले फुटबॉल टूर्नामेंट कमेटी का गठन किया गया। अमर सिंह मुंडा को कमेटी का अध्यक्ष चुना गया है। कमेटी में श्याम सुन्दर बेदिया, सीताराम बेदिया, दीनदयाल बेदिया, भोलानाथ बेदिया, वीरेंद्र सिंह मुंडा, हीरालाल बेदिया, विक्रम हजाम, छोटलाल बेदिया, विक्कीजी मुंडा, सीताराम रजवार, संजय मुंडा, संजय बेदिया, डब्लू बेदिया, धर्मदेव रजवार, लकी बेदिया, दिगंबर बेदिया, सुकदेव बेदिया, पंकज बेदिया, बुधराम बेदिया को रखा गया है। वहीं संरक्षक मंडली में सुरसु मुखिया सुमित्रा देवी, पंचायत समिति सदस्य सुधु बेदिया, दिलीप बेदिया, गुडिडीह मुखिया विजय उरांव, बरवादाग मुखिया सारथी देवी पूर्व सैनिक अशोक एक्का तथा घांसनी देवी को रखा गया है। वहीं कमेटी में उपाध्यक्ष धर्मेश्वर बेदिया, विकास बेदिया, लखिन्द्र मुंडा, रतन मुंडा, विशुन बेदिया, प्रधान भीम मुंडा, अशोक बेदिया, नन्दलाल बेदिया, रमेश बेदिया, राघु राम बेदिया, सुधीर बेदिया, विकास हजाम, संजय रजवार, मोहन बेदिया, मनोज महतो, विनेश बेदिया, संजय महतो,बालेश्वर बेदिया एवं बिपिन सिंह मुंडा को चुना गया है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रांची
सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम- विरमकुमी देवी, उम्र-27 वर्ष, पेशा-5 फिट, रंग-बोया, प्यारवा-सफेद रंग का नईटी पहनी हुई है।
अपनेका अपना पहिला विवरण देनी, उम्र-27 वर्ष, पेशा-राकेश सिंह, उम्र-27वर्षी, फीट-5वर्षी, नाच-नाचनेकी क्षमता-ठीकी, लीकी, जो दिनांक-27.08.2025 अपने घर से वीर वाराण की बली पदों को कायमक करने पर कामर नहीं आई है। विवरण संकेत में नएवली कपडा सफा फीट-28 / 2025 दिनांक-22.08.2025 को इनकी कोलडोशन की जा रही है।। जयश्रीका सुचना को सर्वजनिक किया जाना आवश्यक है।
अपे करी जनसमस्या से जुडवही है कि वीर वाराण वाराण पहिला की मिथली / विवरण है दो कलसे पलमे में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में दो फिन्टलिक कोन कपडा पर सफाई कर इसकी सुचना है।
EmailID:-dcib-dcb@police.gov.in)
पुलिस कार्यालय, रांची, रांची।
नाच-पेशी नएवली, लीकी।
अपनेका राकेश सिंह।
फोन 388663 (Police)24-2700

शहर/नगर/सरकार	कर्मचिताक अभियानता का कार्यालय	पेयज्वा एवं स्वचालित प्रमज्वा, रांची पूर्व, रांची
जति अडवायटिन मिनिट नुपज्वा -22.08.2025-27		
1) कितना का नुप	1) कितना का नुप	1) कितना का नुप
2) कितना का नुप	2) कितना का नुप	2) कितना का नुप
3) कितना का नुप	3) कितना का नुप	3) कितना का नुप
4) कितना का नुप	4) कितना का नुप	4) कितना का नुप
5) कितना का नुप	5) कितना का नुप	5) कितना का नुप
6) कितना का नुप	6) कितना का नुप	6) कितना का नुप
7) कितना का नुप	7) कितना का नुप	7) कितना का नुप
8) कितना का नुप	8) कितना का नुप	8) कितना का नुप
9) कितना का नुप	9) कितना का नुप	9) कितना का नुप
10) कितना का नुप	10) कितना का नुप	10) कितना का नुप
11) कितना का नुप	11) कितना का नुप	11) कितना का नुप
12) कितना का नुप	12) कितना का नुप	12) कितना का नुप
13) कितना का नुप	13) कितना का नुप	13) कितना का नुप
14) कितना का नुप	14) कितना का नुप	14) कितना का नुप
15) कितना का नुप	15) कितना का नुप	15) कितना का नुप
16) कितना का नुप	16) कितना का नुप	16) कितना का नुप
17) कितना का नुप	17) कितना का नुप	17) कितना का नुप
18) कितना का नुप	18) कितना का नुप	18) कितना का नुप
19) कितना का नुप	19) कितना का नुप	19) कितना का नुप
20) कितना का नुप	20) कितना का नुप	20) कितना का नुप
21) कितना का नुप	21) कितना का नुप	21) कितना का नुप
22) कितना का नुप	22) कितना का नुप	22) कितना का नुप
23) कितना का नुप	23) कितना का नुप	23) कितना का नुप
24) कितना का नुप	24) कितना का नुप	24) कितना का नुप
25) कितना का नुप	25) कितना का नुप	25) कितना का नुप
26) कितना का नुप	26) कितना का नुप	26) कितना का नुप
27) कितना का नुप	27) कितना का नुप	27) कितना का नुप
28) कितना का नुप	28) कितना का नुप	28) कितना का नुप
29) कितना का नुप	29) कितना का नुप	29) कितना का नुप
30) कितना का नुप	30) कितना का नुप	30) कितना का नुप
31) कितना का नुप	31) कितना का नुप	31) कितना का नुप
32) कितना का नुप	32) कितना का नुप	32) कितना का नुप
33) कितना का नुप	33) कितना का नुप	33) कितना का नुप
34) कितना का नुप	34) कितना का नुप	34) कितना का नुप
35) कितना का नुप	35) कितना का नुप	35) कितना का नुप
36) कितना का नुप	36) कितना का नुप	36) कितना का नुप
37) कितना का नुप	37) कितना का नुप	37) कितना का नुप
38) कितना का नुप	38) कितना का नुप	38) कितना का नुप
39) कितना का नुप	39) कितना का नुप	39) कितना का नुप
40) कितना का नुप	40) कितना का नुप	40) कितना का नुप
41) कितना का नुप	41) कितना का नुप	41) कितना का नुप
42) कितना का नुप	42) कितना का नुप	42) कितना का नुप
43) कितना का नुप	43) कितना का नुप	43) कितना का नुप
44) कितना का नुप	44) कितना का नुप	44) कितना का नुप
45) कितना का नुप	45) कितना का नुप	45) कितना का नुप
46) कितना का नुप	46) कितना का नुप	46) कितना का नुप
47) कितना का नुप	47) कितना का नुप	47) कितना का नुप
48) कितना का नुप	48) कितना का नुप	48) कितना का नुप
49) कितना का नुप	49) कितना का नुप	49) कितना का नुप
50) कितना का नुप	50) कितना का नुप	50) कितना का नुप
51) कितना का नुप	51) कितना का नुप	51) कितना का नुप
52) कितना का नुप	52) कितना का नुप	52) कितना का नुप
53) कितना का नुप	53) कितना का नुप	53) कितना का नुप
54) कितना का नुप	54) कितना का नुप	54) कितना का नुप
55) कितना का नुप	55) कितना का नुप	55) कितना का नुप
56) कितना का नुप	56) कितना का नुप	56) कितना का नुप
57) कितना का नुप	57) कितना का नुप	57) कितना का नुप
58) कितना का नुप	58) कितना का नुप	58) कितना का नुप
59) कितना का नुप	59) कितना का नुप	59) कितना का नुप
60) कितना का नुप	60) कितना का नुप	60) कितना का नुप</

दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के आदिवासी मूल वाशियो के लिए लंबी लड़ाई लड़कर झारखंड का निर्माण कराया : भूषण

‘दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे’
‘जब तक सूरज चांद रहेगा वीर शिबू सोरेन तेरा नाम रहेगा’
‘पद्म भूषण से सम्मानित वीर दिशुम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे’
‘झारखंड के निमार्ता शिबू सोरेन अमर रहेरहेमंत सोरेन जिंदाबाद’
‘कल्पना सोरेन जिंदाबाद’
‘झारखंड मुक्ति मोर्चा जिंदाबाद’



बीचो-बीच टावर चौक तक पहुंची जिसकी अगुवाई माननीय विधायक शाह जिला अध्यक्ष श्री भूषण तिकी ने की इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के हजारों कार्यकर्ताओं ने गगनचुंबी नारे से पूरी फिजा गूंज उठी इस बीच शहर के टावर चौक में पहुंचने के बाद माननीय विधायक गुमला श्री भूषण तिकी ने दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन जी के नाम से नवनिर्मित प्रतिमा स्थल पर स्थापित चित्र में माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया तत्पश्चात पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को श्रद्धा सुमन एवं भावभीनी



श्रद्धांजलि अर्पित की इस दौरान विधायक श्री भूषण तिकी ने गुरु जी के नेतृत्व में झारखंड में चल रहे झारखंड अलग राज्य की लंबी लड़ाई की संघर्ष की गाथा को याद करते हुए कहा कि हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ कि एक ऐसी सदी के महानायक जो गरीब आदिवासी मूलवासी दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक मजदूर किसान के लिए सदा संघर्ष करते रहे जीवन के हर मोड़ पर चाहे कोई भी स्थिति क्यों ना हो हमेशा उन लोगों के लिए संघर्ष करते रहें और सड़क से सदन तक आवाज को बुलंद करते रहें ऐसे हस्ती के छत्रछाया में आंदोलन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन रामगढ़ जिला के

गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड अलग राज्य का अलख जगाने का काम किया और दिशोम गुरु का सपना था कि झारखंड अलग राज्य बनना चाहिए क्योंकि यहां के राज्य के रहने वाले आदिवासी मूलवासी के चेहरे में मुस्कान लाया जा सके और इस झारखंड राज्य का निर्माण हो और अमन चैन बहाल हो सके और राज्य के लोगों में कैसे उनके चेहरे पर मुस्कान आए और जल जंगल जमीन की रक्षा कैसे हो और यहां के लोगों को कैसे सम्मान मिले इसके लिए जीवन भर अथक प्रयास किया और अलग राज्य का अलख जगाया आज हमारे बीच पद्म भूषण सम्मानित दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके ही खून का साँचा गया उनका बेटा राज्य का मुख्यमंत्री दिसंबर गुरु शिबू सोरेन जी के सपनों को साकार कर रहे हैं वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को जितना बड़ा सम्मान देश के महामहिम राष्ट्रपति ने दिया है गुरु

जी को इससे भी अधिक सम्मान मिलना चाहिए था। गुरुजी अपने संघर्ष और अदम्य साहस के बल पर देश के क्षितिज पर छा गए आज हम जितनी भी बात गुरु जी के लिए कहें वह कम है । श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से पार्टी के जिला सचिव मोहम्मद आरिफ अंसारी केंद्रीय सदस्य सह संगठन सचिव रणजीत सिंह केंद्रीय सदस्य सह अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष कलीम अख्तर नगर अध्यक्ष मोहम्मद लड्डू खान केंद्रीय सदस्य नरुल हुदा शशि साहू कलिस्ता बरवा, संजय सिंह, मोंडिया प्रभारी मोहम्मद साजिद खान संजय सिंह मनोज तिकी शिकुंदा लकड़ा जोहनी मिंज नगर सचिव हरिओम साहू शीतल उरांव प्रदीप सिंह कृष्णा लोहरा गुमला प्रखंड अध्यक्ष सतीश मीन मोहम्मद शकील खान, चैनपुर प्रखंड अध्यक्ष पोलिकार्प खलखो ,मोहम्मद साजिद मंजर समेत सभी प्रखंड के पदाधिकारी मौजूद थे।

पेटरवार में भाजपा ने किया 'रज कलश रथ यात्रा' का भव्य स्वागत

नवप्रदेश/पेटरवार। पेटरवार के छत्रु राम महतो चौक पर मंगलवार को शाम 5:30 बजे भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज जी 650 वीं पावन जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत उनकी जन्मस्थली सीर गोवंदनपुर वाराणसी से लाई गई पवित्र मिट्टी (रज) से सुशोभित 'रज कलश रथ यात्रा' का भव्य स्वागत किया गया।इस अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास जी के समानता, सामाजिक न्याय, भाईचारे और समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। वाराणसी से प्रारंभ हुई यह पवित्र रज कलश यात्रा रांची से बोकरो जाने के क्रम में पेटरवार पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और समरसता के साथ रथ का स्वागत किया।भाजपा कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद रथ यात्रा को आगे के लिए रवाना किया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे गगन भेदी नारों के बीच प्रथम पुण्यतिथि कार्यक्रम संपन्न

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की विरासत को बचाने का दायित्व झारखंड आंदोलनकारियों का: पुष्कर

नवप्रदेश/गुमला/बसिया ।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल के तत्वावधान में आज बसिया प्रखंड अंतर्गत इंडोर स्टेडियम परिसर के एक सभागार में दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे, दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर गगन भेदी नारों के बीच उनकी प्रथम पुण्यतिथि कार्यक्रम एवं समेलन का आयोजन किया गया है. इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी मंजू सारोजनी मिंज सहित ज्ञात- अज्ञात आंदोलनकारियों एवं आजाद सिपाही के सस्थापक संपादक स्व.हरि नारायण सिंह को भी श्रद्धासुमन अर्पित की गई। सरकार से मांग की गई कि न्याय के साथ सम्मान और झारखंड आंदोलनकारियों को समाज में स्वाभिमान से जीने का अधिकार ,दिशोम गुरु शिबू सोरेन को गजट नोटिफिकेशन कर झारखंड आंदोलनकारी का सर्वोच्च सम्मान, जीते जी झारखंड आंदोलनकारियों के पुत्र-पुत्री एवं



आश्रितों की सीधी नौकरी ,झारखंड आंदोलनकारियों सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु. देने, सरकारी संकल्पों का पालन तथा सरकार आशवासन पर अमल हो ,झारखंड आंदोलनकारियों/ झारखंडियों को 26 परसेंट खनिज रॉयल्टी का अधिकार ,ऑन लाइन लगन रसीद के साथ ऑफ लाइन रसीद देने,स्थानीय- नियोजन नीति भाषा संस्कृति के आधार पर तय करें। इस मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने गुरु जी को नमन करते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की विरासत को आज बचाने का दायित्व झारखंड

आंदोलनकारियों का है. सरकार दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झारखंड आंदोलनकारी का सर्वोच्च सम्मान गजट नोटिफिकेशन कर सच्ची श्रद्धांजलि देने का कार्य शीर्ष प्राथमिकता के साथ करें. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा कंपनी लोगों के समर्थन अपने बाल बच्चों के अधिकारों की रक्षा को लेकर 10 अगस्त को विधनसभा के विधायक क्लब में बैठक,30 सितम्बर को झारखंड बंद और स्थापना दिवस 15 नवम्बर 2026 को बिरसा चौक के पास अनिश्चितकालीन अनशन कार्यक्रम करके अपने कुशल नेतृत्व का परिचय देंगे।

नव प्रदेश

दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के आदिवासी मूल वाशियो के लिए लंबी लड़ाई लड़कर झारखंड का निर्माण कराया : भूषण

‘दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे’
‘जब तक सूरज चांद रहेगा वीर शिबू सोरेन तेरा नाम रहेगा’
‘पद्म भूषण से सम्मानित वीर दिशुम गुरु शिबू सोरेन अमर रहे’
‘झारखंड के निमार्ता शिबू सोरेन अमर रहेरहेमंत सोरेन जिंदाबाद’
‘कल्पना सोरेन जिंदाबाद’
‘झारखंड मुक्ति मोर्चा जिंदाबाद’



नवप्रदेश/गुमला। स्थानीय नदी टोली सिसई रोड स्थित माननीय विधायक शाह जिला अध्यक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा गुमला भूषण तिकी के आवासीय कार्यालय में देश के पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का शुभारंभ किया गया जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा के हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया यह कार्यक्रम आवासीय जिला कार्यालय से श्रद्धांजलि पदयात्रा शुरू होकर नेशनल हाईवे सिसई रोड से होते हुए गुमला शहर के

उपायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित हुआ साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस

नवप्रदेश/गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महतो की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मामलों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार जांच कर समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जन शिकायत निवारण दिवस के दौरान बसिया प्रखंड के ग्राम बनई किजरा निवासी वरुण साहू ने अपने दिवंगत पिता, जो गुरु रक्षा वाहिनी में कार्यरत थे, के संबंध में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण पर मानवीय आधार पर विचार किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को मामले की नियमसंगत जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गुमला नगर के मो. इमरान खान ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची से नाम विलोपित होने तथा मतदाता पहचान पत्र से संबंधित समस्या को लेकर आवेदन दिया। बसिया प्रखंड के ग्राम इरों फ्टकरपुर निवासी दीपक उरांव ने दिव्यांगजन होने के कारण सरकारी योजना के तहत हस्तचालित ट्राईसाइकिल/रिक्शा उपलब्ध कराने का आवेदन दिया.गुमला नगर के शास्त्री नगर निवासी लक्ष्मण टोपां ने घरेलू विद्युत उपभोक्ता होने के बावजूद स्मार्ट मीटर में तकनीकी त्रुटि के कारण अत्यधिक विद्युत बिल प्रदर्शित होने की शिकायत दर्ज कराते हुए बिल की जांच एवं संशोधन की मांग की।पालकोट प्रखंड से संबंधित एक आवेदन में सिलवानुस तोपनो के स्थानांतरण के उपरांत अंतिम वेतन प्रमाण-पत्र लंबित रहने के कारण वेतन भुगतान प्रभावित होने की शिकायत की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभाग को प्रकरण की जांच कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता रथ को किया रवाना

नवप्रदेश/गुमला। खरीफ मौसम-2026 के दौरान किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों से होने वाले फसल नुकसान के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार के लिए उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर किसानों को योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, बीमा की अंतिम तिथि तथा योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना से जुड़कर अपनी फसलों का बीमा करा सकें।

चंदाली स्थित ईवीएम वेयरहाउस हाउस का उपायुक्त दिलेश्वर महतो द्वारा किया गुया निरीक्षण

नवप्रदेश/गुमला। चंदाली स्थित ईवीएम वेयरहाउस हाउस का मासिक निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महतो ने किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त के द्वारा ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पदतुल्यों, सीसीटीवी व अन्य उपकरणों की स्थिति और रख रखाव आदि की जांच की गई। उन्होंने संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर जायजा लिया तथा विद्युत व्यवस्था, वोल्ट युनिट हॉल, अग्निशमन व्यवस्था, कमरों के सीलिंग, डबल लोक की स्थिति एवं निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य मानदंडों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी गुमला, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन कार्यालय के कर्मिीगण मौजूद थे।

जेपीएससी एवं के जेएसएससी में कथित धांधली के विरोध में के जेएलकेएम का महाधरना

नवप्रदेश/बोकारो। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के आह्वान पर मंगलवार को बोकारो जिला मुख्यालय में झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित विधिवन प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली, अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के विरोध में एक दिवसीय जिला स्तरीय महाधरना आयोजित किया गया। महाधरना में बोकारो जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से हजारों की संख्या में अभ्यर्थी, युवा एवं आम नागरिक शामिल हुए। प्रतिभागियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता,



निष्पक्षता तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। महाधरना की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार महतो ने की। इस अवसर पर जेएलकेएम के केंद्रीय नेता टाइगर

जयराम कुमार महतो उपायुक्त कार्यालय के समक्ष आयोजित धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अर्थार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि सरकार छात्रों की मांगों को नहीं मानती है, तो आंदोलन को रांची तक ले जाया

जाएगा। उन्होंने युवाओं से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। धरना के दौरान प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जेपीएससी एवं जेएसएससी द्वारा आयोजित सभी विवादित प्रतियोगी परीक्षाओं को तत्काल रद्द किया जाए। साथ ही कथित अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच सीबीआई अथवा ईडी से कराई जाए। आयोगों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्यों तथा दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त पद से हटाकर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने की भी मांग उठाई गई। इसके अलावा सभी प्रतियोगी

परीक्षाओं की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने, लंबित भर्ती प्रक्रियाओं के लिए शीघ्र विज्ञापन जारी करने तथा स्पष्ट परीक्षा केंलेंडर घोषित करने की मांग की गई, ताकि युवाओं को समयबद्ध रोजगार के अवसर मिल सकें। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय और भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार से दणियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा योग्य अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने की मांग की। कार्यक्रम में अर्जुन रजवार, विजय सिंह,

कृष्णा महतो, डॉ. जयदेव कुमार महतो, वणी मिश्रा, बलराम झा, उत्तल मंडल, पिंदू कुमार महतो, शमसुद्दीन अंसारी, शहदेव महतो, अजय महतो, आरिज हुसैन, अफसर अंसारी, सुनीता कुमारी, सोमनाथ शेखर, बौरु महतो, भानु महतो, विजय वर्मा, प्रशांत महतो, रेखा देवी, खगेन्द्र नाथ महतो, देव नारायण महतो, राधू लहरी, अनीता कुमारी, अरविंद महतो, दीपक कुमार महतो, दशरथ महतो, अशोक कुमार महतो सहित पार्टी के केंद्रीय, जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे।

एक नजर

आजसू युवा मोर्चा की विधानसभा स्तरीय बैठक, महाधिवेशन की तैयारियों पर मंथन

नवप्रदेश/बोकारो। चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के कुरा मोड़ स्थित महतो मोटल में मंगलवार को आजसू पार्टी युवा मोर्चा की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 7 एवं 8 अगस्त को जमशेदपुर में होने वाले आजसू युवा मोर्चा के महाधिवेशन की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक डॉ. लम्बोदर महतो उपस्थित रहे। उनके साथ आजसू पार्टी के बोकारो जिला अध्यक्ष सचिन महतो सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. लम्बोदर महतो ने कहा कि युवा मोर्चा का महाधिवेशन संगठन को नई ऊर्जा देगा तथा युवाओं की भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाएगा। वहीं जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में जमशेदपुर पहुंचकर महाधिवेशन को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। बैठक में संगठनात्मक रणनीति, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा महाधिवेशन को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान पर भी चर्चा हुई। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महाधिवेशन की सफलता के लिए पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सुशेन रजवार ने की, जबकि मंच संचालन विकास बाउरी ने किया। युवा मोर्चा के जिला प्रभारी रितिक रजक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर अशोक महतो, रतन कुमार महतो, नवीन कुमार सिंह, विशाल महतो, ज्योतिपाल महतो, युधिष्ठिर हाजरा, सुखदेव महतो, संजीत कुमार महतो, कपिल महतो, विकास महतो, शिशिर कुमार रजक, दिनेश कुमार महतो, शंकर महतो, अशोक कुमार महतो, नीतीश कुमार महतो, सीमंत कुमार रजक, नित्यानंद महतो, किरीट महतो, बाबूलाल महतो, केशव चंद महतो, भृगुराम महतो एवं लखींदर महतो सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर झामुमो ने दी श्रद्धांजलि

नवप्रदेश/बोकारो। पद्म भूषण एवं 'दिशोम गुरु' स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) बोकारो जिला एवं बोकारो महानगर इकाई की ओर से जिले के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभा एवं सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद बच्चों के बीच कोंपी, पेन एवं अन्य शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया, वहीं गरीबों के बीच फल भी बांटे गए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि झारखंड राज्य के निमार्ता और दिशोम गुरु शिबू सोरेन भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संघर्ष, त्याग और विचार हमेशा झारखंडवासियों के दिलों में जीवित रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंदू यादव ने कहा कि दिशोम गुरु केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा थे। उन्होंने कहा कि उनके सपनों का झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में साकार करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुरुजी का सपना हरा-भरा, समृद्ध झारखंड, हर हाथ को काम और हर बेरोजगार को रोजगार उपलब्ध कराना था तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय सदस्य संतोष रजवार, वीके चौधरी, जय नारायण महतो, हीरालाल मांझी, अशोक मूर्मु, इबबाल अहमद, विजय रजवार, जिला सचिव मुकेश महतो, कोसेस जिला अध्यक्ष जवाहरलाल महथा सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

एक रुपये में हजारों शिवभक्तों को कराएंगे बाबा गौरीनाथ के दर्शन : देव शर्मा

नवप्रदेश/बोकारो। युवा लायंस फ़ोरस केंद्रीय कमेटी की बैठक मंगलवार को बोदरो स्थित आवासीय कार्यालय में केंद्रीय अध्यक्ष सह कांग्रेस नेता देव शर्मा की मौजूदगी में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता रोहित रजक ने तथा संचालन रंजित शर्मा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए देव शर्मा ने कहा कि संगठन पिछले 14 वर्षों से सावन माह में शिवभक्तों की सेवा करता आ रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी 9 अगस्त (रविवार) को मात्र एक रुपये के सहयोग से हजारों श्रद्धालुओं को बाबा गौरीनाथ धाम के दर्शन कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को कांवर यात्रा के लिए पोशाक, गमछा, कंवर, वाहन सुविधा, चिकित्सा, फल, मिठाई सहित अन्य भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, ग्रामीण एवं दूर-दराज के उन श्रद्धालुओं को बाबा भोलेनाथ के दर्शन कराना है, जो आर्थिक अभाव के कारण यात्रा नहीं कर पाते। देव शर्मा ने बताया कि इस वर्ष यह कार्यक्रम बंगला सावन की अंतिम सोमवारी को प्रस्तावित था, लेकिन चास के समाजसेवी एवं डाक बम सेवा समिति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले शिवभक्त अजय राय के अस्वास्थ्य निधन के कारण इसकी तिथि बदलकर 9 अगस्त कर दी गई है। उन्होंने कहा कि श्रद्धांजलि स्वल्प इस बार केवल शोभायात्रा को स्थगित किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी शिवभक्तों को यात्रा से एक दिन पूर्व संगठन की ओर से उनके घरों तक पोशाक, कांवर एवं अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई जाएगी। साथ ही पहली बार कांझू के समीप विशाल सेवा शिविर लगाया जाएगा, जहां बोकारो सहित पूरे झारखंड के प्रसिद्ध भक्ति गायक सुदेश सिंह अपनी प्रस्तुति देंगे और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देंगे। उन्होंने कहा कि सेवा शिविर के साथ-साथ वाहन सेवा दलों में भी श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

नवप्रदेश/गुमला। पद्म भूषण से सम्मानित एवं झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, आदरणीय दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को समाहरणालय सभागार, गुमला में श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त श्री दिलेश्वर महतो , पुलिस अधीक्षक गुमला श्री हारिस बिन जमा सहित जिले के वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों, जिला स्तरीय अधिकारियों तथा कर्मियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपायुक्त श्री दिलेश्वर महतो, पुलिस अधीक्षक श्री हारिस बिन जमा, उप विकास आयुक्त श्री अनिमेष रंजन, अपर समाहर्ता श्री राजीव नीरज, परियोजना निदेशक आईटीडीए, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता श्री ललन कुमार रजक सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपायुक्त श्री दिलेश्वर महतो ने कहा कि पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन का झारखंड राज्य के निर्माण, सामाजिक न्याय एवं जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा में योगदान सर्वे स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने संघर्ष, समर्पण और जनसेवा के माध्यम से समाज के वंचित, गरीब, आदिवासी, दलित एवं अल्पसंख्यक वर्गों के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किए।उपायुक्त ने कहा कि दिशोम गुरु के आदर्श, सेवा भावना और जनकल्याण के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए जनहित एवं लोकसेवा के कार्यों को पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ संपादित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत नेता को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर सरायकेला में श्रद्धांजलि सभा, भव्य प्रतिमा स्थापना के लिए हुआ भूमि पूजन

नवप्रदेश/सरायकेला। पद्म भूषण एवं झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को सरायकेला स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम परिसर में उनकी भव्य प्रतिमा स्थापना के लिए विधिवत भूमि पूजन किया गया। इसके बाद टाउन हॉल, सरायकेला में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कार्यक्रम झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष शुभेंद्र महतो के नेतृत्व में आयोजित हुआ। श्रद्धांजलि सभा में झामुमो के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया तथा दो मिनट



का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्षपूर्ण जीवन, झारखंड राज्य के निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान तथा सामाजिक न्याय और आदिवासी-अस्मिता की रक्षा के लिए किए गए उनके संघर्ष को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन

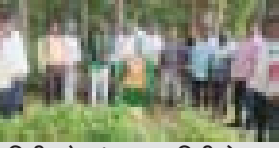
का पूरा जीवन जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई को समर्पित रहा। उनके विचार और आदर्श आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर ईचागढ़ विधायक सविता महतो, खरसावां विधायक दशरथ गार्गारी, झामुमो के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य

गणेश चौधरी, केंद्रीय सदस्य गणेश महाली, कृष्णा बास्के, काबुल महतो, शिक्षाविद कालीपद सोरेन, जिला सचिव बुद्धेश्वर दुड्ड, राम महतो सहित झामुमो के बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा स्टेडियम परिसर में स्थापित होने वाली दिशोम गुरु

दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि मनाई गई

नवप्रदेश/चाडिल। नीमडीह थाना अंतर्गत डाक बंगला परिसर में मंगलवार को दिशोम गुरु, स्वर्गीय शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर झामुमो प्रखंड कमिटी और पंचायत कमिटी ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किए। कार्यकर्ताओं उनके विचारों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जल, जंगल, जमीन, आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों और झारखंड की अस्मिता की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष, त्याग और नेतृत्व के आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप, सचिव शंकर सिंह, सुजीत महतो, विशाल गोप, हरिचरण महतो, मंगल मांझी, पदोलीचन सिंह, बनमाली कुमार, गुरुपद सिंह, मदन मांझी, लम्बोकर महतो, आनंद मांझी, शिकार हंसदा, जमशेद दुडू, बावरी मांझी, नीलकमल महतो, मिटुंजय तंतुवाय आदि उपस्थित थे।

शिबू सोरेन की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को उनके संघर्ष, विचारों और झारखंड के विकास के प्रति उनके समर्पण की प्रेरणा देती



रहेगी। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु का योगदान झारखंड के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

तिरुलडीह में बालू लदे वाहन बीच सड़क पर खराब, घंटों सड़क जाम

नवप्रदेश/ईचागढ़। कुकुड़ प्रखंड के तिरुलडीह मिलन चौक सड़क पर तिरुलडीह रेलवे फाटक पार कर साहू मोहल्ला के तीखा मोड़ पर एक बालू लदे हाइवा अचानक खराब हो जाने से सड़क जाम हो गया। सड़क जाम में बसें व कार पड़ गयीं। आवागमन बाधित रहा। सुचना मिलते ही तिरुलडीह पुलिस पहुंची और सड़क को जाम मुक्त कराया। लोगों का कहना है कि आदरडीह मिलन चौक भाया तिरुलडी सड़क पर रेलवे स्टेशन के पास सड़क किनारे मकानों को भू अर्जन विभाग से मुआवजा का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे सड़क चौड़ीकरण कार्य बाधित हो गया है। गांव में तीखा मोड़ होने से सड़क संकीर्ण हो गया है। आज दिन सड़क जाम का सामना करना पड़ता है। लोगों का मांग है कि उक्त सड़क पर पड़ने वाले मकान मालिकों का मुआवजा सीधे भुगतान कर चौड़ीकरण कार्य कराया जाय। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि दिन रात ओवर लोड बालू लदे हाइवा का परिचालन होने से तीखा मोड़ पर कभी भी बगल के मकानों पर रहने वालों के साथ बड़ा अनहोनी हो सकता है। सड़क संकीर्ण होने से बालू लदे हाइवा का भीड़-भाड़ से स्कूली बच्चों व राहगीरों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इस सड़क पर बालू लदे ओवर लोड वाहनों का परिचालन बंद करने का मांग किया है। ग्रामीणों ने कहा कि तिरुलडीह कुकुड़ क्षेत्र में बेघड़क बालू लदे हाइवा परिचालन के दौरान न ही नियमित चालान का जांच किया जाता है न वैध कागजातों का, जिससे एक चालान पर दो से तीन बार बालू परिवहन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन नहीं चेतने से दिन को ओवर लोड बालू के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

गैस सिलेंडर चोरी मामले का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, 64 सिलेंडर, पिकअप व बाइक बरामद

नवप्रदेश/ईचागढ़। तिरुलडीह थाना क्षेत्र में गैस सिलेंडर चोरी के मामले का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा मंगलवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय, चाडिल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीएसपी शिव प्रकाश कुमार ने किया। डीएसपी ने बताया कि 27 जुलाई 2026 को तिरुलडीह थाना कंड संख्या 11/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(1), 334(1) एवं 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता संस्था देवी (सारथी ईडेन ग्रामीण वितरक) ने सपाड़ा स्थित गैस गोदाम से 56 गैस सिलेंडर चोरी होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों-सदाब आलम उर्फ बटर, बाबू गोराई तथा मनीष कुमार श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी के 64 गैस सिलेंडर बरामद किए गए। साथ ही घटना में प्रयुक्त एक पिकअप वाहन (JH05DW-4807) और एक पल्सर मोटरसाइकिल (JH05BN-7028) भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रेस कॉन्फ्रेंस

नवप्रदेश/गिरिडीह। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गिरिडीह के द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया अभावपि का स्पष्ट मांग है कि झारखंड, राज्य में खबरउ एवं खररउ की भर्ती परीक्षाओं, परिणामों में सामने आए कथित घोटालों, नियुक्तियों में अनियमितताओं तथा मेधावी युवाओं के साथ हुए कथित अन्याय पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। मीडिया रिपोर्टों एवं जांच एजेंसियों द्वारा सामने आए तथ्यों ने भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं, जिससे युवाओं का सरकारी भर्ती प्रणाली पर विश्वास लगातार कमजोर हो रहा है। अभावपि प्रदेश सह मंत्री मंदू सुर्मू ने कहा कि खबरउ भर्ती परीक्षाओं में परिणाम, डटफशीट एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में कथित हेरफेर, अधिकारियों की गिरफ्तारी, निजी एजेंसियों तथा आयोग के पदाधिकारियों की संदिग्ध भूमिका और कई परीक्षाओं का स्थगन इस पूरे प्रकरण की गंभीरता को दर्शाता है। वहीं खररउ की विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर भी अस्थायी लगातार पारदर्शी एवं निष्पक्ष जांच की मांग करते रहे हैं।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, सरायकेला में मुख स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर हुआ आयोजित

नवप्रदेश/सरायकेला। राष्ट्रीय गैर संचारी रोग कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित जन-जागरूकता अभियान के तहत सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, सरायकेला में एक दिवसीय मुख एवं दंत स्वास्थ्य जांच शिविर, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 120 छात्राओं के मुख एवं दंत स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर के दौरान छात्राओं को दांतों एवं मुख की स्वच्छता बनाए रखने, सही तरीके से ब्रश करने, संतुलित आहार अपनाने तथा दंत रोगों से बचाव के उपायों की



जानकारी दी गई। साथ ही मुख संबंधी बीमारियों की प्रारंभिक पहचान एवं समय पर उपचार के

महत्व से भी अवगत कराया गया। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को तंबाकू एवं

तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए बताया गया कि गुटखा, खैनी,

पान मसाला, बीड़ी एवं सिगरेट जैसे तंबाकू उत्पाद मुख कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग सहित कई गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों का प्रमुख कारक हैं। छात्राओं से स्वयं तंबाकू से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मानसिक स्वास्थ्य पर भी जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक रोगों के सामान्य लक्षण, समय पर पहचान तथा बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। शिविर के समापन पर

विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सदर अस्पताल, सरायकेला की दंत चिकित्सक, दंत स्वास्थ्य विज्ञानी, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के परामर्शी, समाजसेवी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य विद्यालय कर्मी उपस्थित रहे। यदि चाहें तो मैं इसे आईपीआरडी (झारखंड सरकार) की मानक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति शैली में और अधिक संक्षिप्त एवं प्रकाशन-योग्य रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

एक नजर

मिलन चौक में पूर्व सीएम शिबू सोरेन के प्रथम पुण्य तिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नवप्रदेश/ईचागढ़। प्रखंड क्षेत्र के मिलन चौक में मंगलवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड निर्माता पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु शिबू सोरेन के प्रथम पुण्य तिथि मनाया गया। इस दौरान



उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किए। उपस्थित लोगों ने गुरुजी के जीवन संघर्ष, जनसेवा और उनका बलिदान को याद किया और उनके द्वारा बताया गया मार्गदर्शन में चलने का आह्वान किया। मौके पर झारखंड आंदोलनकारी सह भाजपा नेता अनिल सिन्हा, आंदोलनकारी राम प्रसाद महतो, भीष्मदेव महतो, भोला दास, गुलाब लोहरा, बनू महतो, कपिल देव दास, निरंजन महतो, विपत तारण पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

झामुमो प्रखंड कमिटी ने मनाया दिशोम गुरु शिबू सोरेन का प्रथम पुण्यतिथि

नवप्रदेश/ईचागढ़। प्रखण्ड क्षेत्र के डुमटांड मोड़ पर मंगलवार को झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री सह पद्म भूषण, दिशोम गुरु शिबू सोरेन का प्रथम पुण्यतिथि ईचागढ़ झामुमो प्रखण्ड कमेटी के द्वारा उनके तस्वीर पर



पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किए। इस अवसर पर झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष निताई उरांव, सचिव अमित सिन्हा, उपाध्यक्ष अशोर महतो, युवा अध्यक्ष स्वपन आदित्यदेव, अभय यादव, हरेन्द्र नाथ महतो, पंचानन पातर, पशुपति बागची, विजय कृष्ण महतो, मधु गोप, गणपति केवर्त, दीपक राय, विकास चन्द प्रामाणिक, गंगा महतो आदि काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता, आंदोलनकारी उपस्थित थे। जब मंच पर छलक पड़े मंत्री सुदित्य कुमार के आंसू, गिरिडीह बस स्टैंड बना 'पद्म भूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक', पहली पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसत्ताब नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह बस स्टैंड में मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से 'पद्म भूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक' का नामकरण किया गया। साथ ही दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर भव्य श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदित्य कुमार रहे। वहीं उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार, उप विकास आयुक्त अस्मिता कुमारी, नगर आयुक्त विजय सिंह बिरवा सहित कई प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

समारोह में झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह, महासचिव महालाल सोरेन, महापौर प्रमिला मेहरा, उपमहापौर सुमित कुमार, पूर्व विधायक केदार हाजरा, पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी, प्रणव वर्मा, शाहनवाज अंसारी, कृष्ण मुरारी शर्मा समेत बड़ी संख्या में झामुमो नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्षपूर्ण जीवन, झारखंड आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान और आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों के लिए किए गए उनके संघर्ष को याद किया। सभी ने उनके बलिदान मार्ग पर चलने और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सबसे भावुक पल तब आया जब नगर विकास मंत्री सुदित्य कुमार श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'ह आज दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि है, लेकिन ऐसा लगता ही नहीं कि वे हमारे बीच नहीं हैं। उनके विचार, संघर्ष और आशीर्वाद आज भी हम सभी के साथ हैं।' इ इतना कहते-कहते मंत्री भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मंच पर मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी खड़े होकर दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरा बस स्टैंड परिसर 'दिशोम गुरु अमर रहे' और 'शिबू सोरेन अमर रहे' के नारों से गूंज उठा। श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से उपस्थित लोगों ने दिशोम गुरु के अपूरें सपनों को पूरा करने और झारखंड के विकास के लिए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया।

शिबू सोरेन की पुण्यतिथि के पर झारखंड छात्र मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की

नवप्रदेश/गिरिडीह। दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की पुण्यतिथि के अवसर पर झारखंड छात्र मोर्चा के



कार्यकर्ताओं ने सदर अस्पताल तथा स्थानीय वृद्धाश्रम में फल वितरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में संगठन के कई वरिष्ठ और युवा नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झामुमो केंद्र समिति सदस्य दिलीप मंडल, युवा जिलाध्यक्ष कालेश्वर सोरेन, युवा उपाध्यक्ष आदिल रशीद, मुखिया मेहताब मिर्जा, छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष अभय कुमार, सचिव विशाल झा, उपाध्यक्ष रोहित मंडल के साथ रौनक मिश्रा, रंजन वर्मा, जेब नाज, खुशबू साहू, करण यादव, कुंदन सिंह, आर्यन वर्मा, अंकित राज, बिबू, राज पांडे, विक्रम, दयानंद, सुरज एवं अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। झारखंड छात्र मोर्चा के जिलाध्यक्ष अभय कुमार ने कहा कि आज दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पुण्यतिथि है और उनके आदर्शों तथा जनसेवा की भावना से प्रेरणा लेकर संगठन ने यह सामाजिक कार्य किया। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में भर्ती मरीजों तथा उनके परिजनों को फल व मिठाइयां वितरित की गईं और वृद्धाश्रम में भी वृद्धजनों को फल देकर उनका सम्मान किया गया। अभय कुमार ने आगे कहा कि समाज सेवा ही गुरुजी को सच्ची श्रद्धांजलि है और छात्र मोर्चा भविष्य में भी जनहित के लिए इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित लोगों ने संगठन की पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की पहलों से सामाजिक संवेदना को बढ़ावा मिलता है।

आक्रोशित किसानों ने आंदोलन का रणनीति तय करने को लेकर बैठक आयोजित



नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह जिला के सभी मौजा के जमीन के जमाबंदी से संबंधित रजिस्टर दू का सत्यापित प्रति उपलब्ध कराने संबंधी माननीय झारखंड उच्च न्यायालय के रिट याचिका संख्या 5925 / 2022 में पारित आदेश का अनुपालन झारखंड सरकार द्वारा नहीं किए जाने पर माननीय न्यायालय ने सिविल कंटैम्पट केस नंबर 58/ 2026 में 18 जुलाई 2026 को आदेश पारित करते हुए अपर समाहर्ता गिरिडीह को तीन सप्ताह के अंदर उक्त रिट याचिका में पारित आदेश का अनुपालन करने को कहा साथ ही आदेश में यह भी कहा कि आदेश का अनुपालन करने में विफल रहने पर अपर समाहर्ता गिरिडीह के खिलाफ अवमानना चार्ज फ्रेम करेंगे। न्यायालय के इतना कड़ा आदेश के बावजूद भी अपर समाहर्ता गिरिडीह द्वारा रजिस्टर दू उपलब्ध कराने हेतू अब तक कोई पहल नहीं किए जाने से आक्रोशित किसानों ने आंदोलन का रणनीति तय करने को लेकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर सर्वस मंडान गिरिडीह में बैठक किया। बैठक को संबोधित करते हुए किसान जनता पार्टी के केंद्रीय कमिटी अध्यक्ष सह अतिथित अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि जनहित याचिका संख्या 2660/ 2021 में माननीय झारखंड उच्च न्यायालय ने सरकार को यथाशीघ्र झारखंड में जमीन सर्वे का काम पूरा करने को कहा है इसलिए भ्रष्ट अंचल अधिकारी रजिस्टर दू देने में ढाल मटोल कर रहे हैं, ताकि सर्वे के समय रजिस्टर दू में हेरा फेरी कर रैयतों को लूटा जा सके। हालांकि कुछ अंचल के अंचल अधिकारी रजिस्टर दू का सत्यापित प्रति दे रहे हैं पर तीसरी, गिरिडीह सदर , बेंगाबाद जैसे अंचल के भ्रष्ट अंचल अधिकारियों के भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए किसानों को आंदोलन की कमान होगा। बैठक में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बताये रास्ते पर चलते हुए आन्दोलन करके सम्पूर्ण मौजा का एक साथ रजिस्टर दू का सत्यापित प्रति लेने हेतू 18 अगस्त 2026 से अपर समाहर्ता गिरिडीह के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना किसान जनता पार्टी के बैनर तले देने का निर्णय लिया गया।

संपादकीय

बांकीपुर का संदेश व भाजपा

बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम सामान्य उपचुनावों से कहीं अधिक राजनीतिक महत्व रखता है। जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता प्रशांत किशोर की जीत ने न केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लंबे समय से सुरक्षित माने जाने वाले गढ़ को ध्वस्त किया है, बल्कि राज्य की राजनीति में उभरते नए समीकरणों की ओर भी संकेत किया है। वर्ष 1995 से भाजपा के प्रभाव वाली इस सीट पर मिली हार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बदलती राजनीतिसांख्यिकीय संरचना, युवाओं की आकांक्षाएं और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियां अब चुनावी परिणामों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर रही हैं। इस उपचुनाव का एक महत्वपूर्ण पक्ष युवा मतदाताओं, विशेषकर जेन-जेड की भूमिका रही। हाल के दिनों में शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर देशभर में युवाओं की सक्रियता बढ़ी है। विरोध-प्रदर्शनों और उनसे जुड़े राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह संदेश दिया है कि नई पीढ़ी केवल दर्शक बनकर नहीं रहना चाहती, बल्कि नीति निर्माण और शासन से जुड़े प्रश्नों पर अपनी स्पष्ट राय रखती है। बांकीपुर जैसे शहरी क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवा मतदाता हैं और उनकी सोच ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया। भाजपा के सामने चुनौती केवल एक सीट हारने की नहीं है, बल्कि संगठन और नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की भी है। बिहार की राजनीति सामाजिक समीकरणों पर आधारित रही है। वर्षों तक जनता दल (यू) के साथ गठबंधन ने भाजपा को व्यापक सामाजिक आधार उपलब्ध कराया। नेतृत्व परिवर्तन और संगठनात्मक निर्णयों को लेकर कार्यकर्ताओं के भीतर असंतोष की चर्चाएं भी सामने आईं। यदि इन संकेतों को समय रहते नहीं समझा गया तो भविष्य में इसका व्यापक राजनीतिक प्रभाव पड़ सकता है। उम्मीदवार चयन भी इस चुनाव में चर्चा का विषय बना। चुनावी रणनीति में अंतिम समय पर किए गए बदलाव और स्थानीय स्तर पर समन्वय की कमी विपक्ष के लिए अवसर बन गई। दूसरी ओर, प्रशांत किशोर ने स्वयं को पारंपरिक राजनीति से अलग एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। उनकी चुनावी रणनीति स्थानीय मुद्दों, जनसंपर्क और संगठन निर्माण पर केंद्रित रही, जिसका उन्हें लाभ मिला। हालांकि केवल एक उपचुनाव के आधार पर व्यापक राजनीतिक निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। उपचुनावों में स्थानीय परिस्थितियां, कम मतदान और उम्मीदवार की व्यक्तिगत स्वोकार्यता भी परिणामों को प्रभावित करती हैं। फिर भी लगभग 34 प्रतिशत मतदान के बीच भाजपा के परंपरागत मतदाताओं का अपेक्षित उत्साह नहीं दिखना और विपक्षी मतों का एकजुट होना भविष्य के लिए महत्वपूर्ण संकेत अवश्य है। बांकीपुर का जनादेश यह बताता है कि बिहार की राजनीति अब एए दौर में प्रवेश कर रही है। मतदाता केवल परंपरागत राजनीतिक पहचान के आधार पर निर्णय नहीं ले रहा, बल्कि रोजगार, शिक्षा, सुशासन और नेतृत्व की विश्वसनीयता जैसे मुद्दों को भी महत्व दे रहा है। यदि प्रशांत किशोर इस जनसमर्थन को व्यापक संगठनात्मक शक्ति में बदलने में सफल होते हैं, तो वे राज्य की राजनीति में तीसरे विकल्प के रूप में अपना मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। वहीं, भाजपा और अन्य दलों के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का अवसर है कि बदलते मतदाता, विशेषकर युवा वर्ग की अपेक्षाओं को समझे बिना भविष्य की चुनावी चुनौतियों का सामना करना आसान नहीं होगा।

मुद्दा

नया भारत में जेन-जी की निर्णायक भूमिका

गौरीशंकर पाण्डेय

भारत आज तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी नवाचार ने देश को वैश्विक मंच पर नई पहचान दी है। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा आधार वह युवा पीढ़ी है, जिसे जेन-जी कहा जाता है। वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मी यह पीढ़ी डिजिटल वातावरण में पली-बढ़ी है और भविष्य के भारत की दिशा तय करने की क्षमता रखती है। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह केवल परिवर्तन की साक्षी ही नहीं, बल्कि उसकी सक्रिय वाहक भी बने। लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करना, प्रश्न पूछना और शांतिपूर्ण विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। किंतु किसी भी आंदोलन या विरोध में भाषा और व्यवहार की मर्यादा बनाए रखना उतना ही आवश्यक है। सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर असंयमित अभिव्यक्ति ने केवल व्यक्तिगत संस्कारों को प्रभावित करती है, बल्कि लोकातांत्रिक विपरीत की गरिमा भी कम करती है। युवाओं की ऊर्जा यदि सकारात्मक दिशा में प्रयुक्त हो, तो वही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है। आज का युवा केवल पारंपरिक रोजगार तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह नवाचार, उद्यमिता और तकनीक आधारित समाधान विकसित करने में विश्वास रखता है। एप्लीक, एडटेक, फिनटेक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में जेन-जी की भागीदारी भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति दे सकती है। स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा में तकनीकी का प्रभावी उपयोग करने तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए युवाओं को टिकाऊ जीवनशैली अपनानी होगी। सिंगल-यूज प्लास्टिक से दूरी, ई-कचरे का वैज्ञानिक निपटारा, अक्षय ऊर्जा का समर्थन और पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार भविष्य की सुरक्षा के लिए अनिवार्य कदम हैं। डिजिटल युग में सूचना शक्ति है, लेकिन उसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। फेक न्यूज, घृणा फैलाने वाली सामग्री और अफवाहों से बचना तथा तथ्य-आधारित संवाद को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। सोशल मीडिया का उपयोग सकारात्मक विचार, सामाजिक समरसता और रचनात्मक संवाद के लिए किया जाना चाहिए। राष्ट्र का विकास केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से होता है। इसलिए जेन-जी को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना होगा। मतदान में सक्रिय भागीदारी, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में उनकी भागीदारी विकसित भारत की मजबूत नींव रखेगी। यदि यह पीढ़ी उपभोक्ता बनने के बजाय समाधान प्रस्तुत करने वाली पीढ़ी बने, तो भारत आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।



उदय कुमार सिंह

शिव के लिए किसी व्यक्ति का कुल, जाति, धन, पद या प्रतिष्ठा नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा, तप और समर्पण ही सर्वोपरि है। शिव संभवतः ऐसे एकमात्र देव हैं जिन्हें प्रसन्न करने के लिए स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य वस्त्र अथवा भव्य पूजन सामग्री की आवश्यकता नहीं होती। एक लोटा जल, कुछ बेलपत्र, धतूरा, आक के पुष्प और मिट्टी से निर्मित पार्थिव शिवलिंग पर अर्पित निष्कपट श्रद्धा ही उन्हें प्रसन्न करने के लिए पर्याप्त मानी जाती है। यही सहजता उन्हें लोकजीवन का सबसे निकट और सर्वसुलभ देव बनाती है।



डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बांकीपुर का परिणाम बिहार में मतदाताओं की नई सोच का भी संकेत हो सकता है। शहरी क्षेत्रों में शिक्षित मतदाताओं का एक वर्ग अब पारंपरिक दलों के साथ-साथ नए विकल्पों को भी अवसर देने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है तो बिहार की राजनीति में बहुकोणीय मुकाबले और अधिक रोचक हो सकते हैं।

सावन का महीना आते ही संपूर्ण वातावरण शिवमय हो उठता है। मंदिरों में घंटों की ध्वनि, हर-हर महादेव के जयघोष, शिवभक्तों की लंबी कतारें, कांडियों की पदयात्रा और जलाभिषेक का उत्साह केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति की उस गहरी वेतना का उत्सव है, जिसमें भगवान शिव जन-जन के आराध्य बनकर विराजमान हैं। गांवों से लेकर महानगरों तक, हिमालय की चोटियों से लेकर समुद्र तटों तक, हर शिवालय में श्रद्धा का सागर उमड़ पड़ता है। भगवान शिव भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्वितीय देव हैं, जिनके व्यक्तित्व में जितना रहस्य है, उतनी ही सरलता भी है ; जितनी विराटा है, उतनी ही आसानीयता भी। वे एक ओर कैलाश के योगी हैं तो दूसरी ओर लोकजीवन के भोलेनाथ। वे संन्यासी भी हैं और आदर्श गृहस्थ भी। वे संहारक भी हैं और सृष्टि के महान रक्षक भी। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में शिव केवल पूजनीय देवता नहीं बल्कि एक संपूर्ण जीवन-दर्शन, सामाजिक सेवाता, आध्यात्मिक ऊर्जा और मानवीय मूल्यों के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं।

भगवान शिव का बाहरी स्वरूप जितना विचित्र प्रतीत होता है, उसके पीछे छिपा संदेश उतना ही गहन और व्यावहारिक है। उनके मस्तक पर अर्धचंद्र, जटाओं में प्रवाहित गंगा, तीसरा नेत्र, नीलकण्ठ, गले में सर्प, शरीर पर भस्म, हाथ में त्रिशूल और डमरू- इनमें से कोई भी प्रतीक केवल अलंकरण नहीं है। प्रत्येक मानव जीवन के किसी न किसी सत्य, मूल्य और आदर्श की व्याख्या करता है। शिव का पूरा व्यक्तित्व हमें यह सिखाता है कि बाहरी सौंदर्य से अधिक महत्वपूर्ण आंतरिक चरित्र होता है। वास्तविक महानता वैभव, संपत्ति और शक्ति से नहीं, बल्कि त्याग, करुणा, संतुलन और लोकमौल की भावना से मापी जाती है। वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप जितना अद्भुत, अलौकिक और रहस्यमय दिखाई देता है, उतना ही गूढ़, दार्शनिक और जीवनोपयोगी भी है। उनके शरीर पर धारण किया गया प्रत्येक प्रतीक, प्रत्येक आभूषण और प्रत्येक आयुध दिव्यता के परिचायक के साथ मानव जीवन के लिए गहन संदेश भी समेटे हुए है। शिव जीवन-दर्शन के ऐसे महान आवार्य हैं, जिनका संपूर्ण व्यक्तित्व करुणा, समता, त्याग, संतुलन, निर्भयता और लोककल्याण की सर्वोच्च व्याख्या करता है। भगवान शिव केवल देवताओं के देव महादेव और समग्र उन सभी उपेक्षित, तिरस्कृत और भय का कारण माने जाने वाले तत्वों को भी अपने स्नेह और संरक्षण में स्थान देने वाले देवता हैं, जिन्हें सामान्य मनुष्य अपने जीवन से दूर रखना चाहता है। जिस साप और बिच्छू को देखकर अधिकांश लोग भयभीत हो जाते हैं और उसे मार देना चाहते हैं, उसी सर्प को भगवान शिव अपने गले का आभूषण बना लेते हैं। समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट (हलाकल) विष को, जिसे देवता और दानव दोनों स्वीकार करने का साहस नहीं जुटा सके, भगवान शिव बिना किसी संकोच के अपने कंठ में धारण कर संपूर्ण सृष्टि की रक्षा करते हैं। उनका नीलकंठ स्वरूप यह संदेश देता है कि सच्चा नेतृत्व वही है,



जो लोककल्याण के लिए स्वयं कष्ट सहने को तैयार हो। भगवान शिव का यह स्वरूप पौराणिक आख्यान के साथ सामाजिक समस्याओं और मानवीय संवेदना का भी अद्भुत दर्शन है। समाज के गाय से दूध प्राप्त करता है और युवा बैल से खेती-किसानी का कार्य करवाता है, किंतु जब वही बैल वृद्ध हो जाता है तो उसकी उपेक्षा करने लगता है। भगवान शिव उसी उपेक्षित वृषभ को अपना वाहन बनाकर यह संदेश देते हैं कि किसी भी प्राणी का सम्मान उसकी उपयोगिता से नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व से होना चाहिए। नंदी केवल शिव के वाहन के साथ धर्म, निष्ठा, धैर्य और समर्पण के जीवत प्रतीक हैं। जिस रमशान में जाने से सामान्य मनुष्य भयभीत रहता है, भगवान शिव उसी रमशान की भस्म को अपने शरीर का श्रृंगार बनाते हैं। वे बताते हैं कि मृत्यु जीवन का अंतिम सत्य है और जो इस सत्य को स्वीकार कर लेता है, वह भय, मोह और अहंकार से मुक्त हो जाता है। उनके लिए कोई स्थान अपवित्र नहीं, कोई जीव तिरस्कृत नहीं और कोई परिस्थिति अशुभ नहीं। यही कारण है कि शिव को सम्भाव और समष्टि का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव की बारात भी उनके व्यक्तित्व की व्यापकता को दर्शाती है। जहां सामान्य व्यक्ति विवाह जैसे मंगल अवसर पर सज्जे-धजे, प्रतिष्ठित और सम्मानित लोगों को साथ लेकर चलना चाहता है, वही शिव की बारात में भूत, प्रेत, पिशाच, गण, योगी, ओहड़ और समाज के उपेक्षित पात्र सम्मिलित होते हैं। यह दृश्य केवल पौराणिक कल्पना नहीं बल्कि इस सत्य का उद्घोष है कि भगवान शिव के द्वारा पर किसी के रूप, देश, कुल, जाति, धन या सामाजिक प्रतिष्ठा का कोई महत्व नहीं है। उनके लिए प्रत्येक जीव समान है। वे भेदभाव नहीं बल्कि समावेश के देवता हैं। भगवान शिव को 'अशुतोष' कहा जाता है, अर्थात् वे जो अत्यंत शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। वे बिना किसी भेदभाव के अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। वास्तव में वही सबसे बड़ा दानी हो सकता है, जिसे स्वयं किसी वस्तु की इच्छा न हो। भगवान शिव इसी त्याग, वैराग्य और उदारता के प्रतीक हैं। यही

कारण है कि उन्हें देवाधिदेव, औषड़दानी और भोलेनाथ जैसे सम्मानसूचक नामों से पुकारा जाता है। उनकी करुणा का विस्तार इतना व्यापक है कि वे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जैसे आदर्श पुरुषों के साथ रागण जैसे महान विद्वान किंतु अहंकारी भक्त के तप से भी प्रसन्न होकर उसे वरदान प्रदान करते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिव के लिए किसी व्यक्ति का कुल, जाति, धन, पद या प्रतिष्ठा नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा, तप और समर्पण ही सर्वोपरि है। शिव परमेश्वर : ऐसे एकमात्र देव हैं जिन्हें प्रसन्न करने के लिए स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य वस्त्र अथवा भव्य पूजन सामग्री की आवश्यकता नहीं होती। एक लोटा जल, कुछ बेलपत्र, धतूरा, आक के पुष्प और मिट्टी से निर्मित पार्थिव शिवलिंग पर अर्पित निष्कपट श्रद्धा ही उन्हें प्रसन्न करने के लिए पर्याप्त मानी जाती है। यही सहजता उन्हें लोकजीवन का सबसे निकट और सर्वसुलभ देव बनाती है। समाज में अनेक लोग अपने दुर्यस्सों को भगवान शिव से जोड़कर उचित ठहराने का प्रयास करते हैं, जबकि शिव-दर्शन का वास्तविक संदेश इससे बिल्कुल भिन्न है। भगवान शिव का विषयान लोककल्याण के लिए था, आत्मविनाश के लिए नहीं। वे तप, संयम, आत्मनिर्यंत्रण और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन यह सिखाता है कि संसार का विष स्वयं सहकर भी दूसरों को अमृत बांटना वास्तविक शिवत्व है। भगवान शिव उन सभी वचित, शोषित और उपेक्षित लोगों के प्रतिनिधि प्रतीत होते हैं, जिन्हें समाज ने कुल, गोत्र, जाति, धन अथवा बाहरी पहचान के आधार पर कभी कमतर आका। शिव के दरबार में इन सबका महत्व नहीं रह जाता। वहां केवल भक्ति, समर्पण और निष्कपट भाव का मूल्य है। इसीलिए शिव लोकदेवता भी हैं और महादेव भी। अंधनारीधर के रूप में भगवान शिव स्त्री-पुरुष की समानता, परस्पर सम्मान और सहधर्मिता के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे यह संदेश देते हैं कि शक्ति के बिना शिव भी 'शव' के समान है। स्त्री और पुरुष प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान और उसकी

अनिवार्य भूमिका का इससे श्रेष्ठ दार्शनिक प्रतिपादन दुर्लभ है। दंश प्रजापति के यज्ञ में माता सती के अपमान और आत्मदाह के बाद भगवान शिव का तांबड़ उनके क्रोध के साथ अन्याय, अहंकार और अघर्म के विरुद्ध प्रतिरोध का उद्घोष था। शिव यज्ञ उस संवेदनशील पति के रूप में सामने आते हैं, जो अपनी अधांगिनी के सम्मान के लिए समस्त व्यवस्था को चुनौती देने का साहस रखता है। उनका यह स्वरूप सिखाता है कि करुणा जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक अन्याय के विरुद्ध अडिग होकर खड़ा होना भी है। यदि देवताओं के वैभव की तुलना की जाए तो भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषशय्या पर विराजमान, रत्नाभूषणों से विभूषित और समस्त ऐश्वर्य से संपन्न दिखाई देते हैं। दूसरी ओर भगवान शिव दिगंबर हैं, शरीर पर भस्म धारण किए हुए हैं, गले में सर्प हैं, हाथ में त्रिशूल और डमरू हैं तथा उनका निवास कैलाश और रमशान दोनों हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में असंख्य महिलाएं सोमवार का व्रत रखकर शिव जैसा जीवनसाथी पाने की कामना करती हैं। इसका कारण उनका बाहरी वैभव नहीं बल्कि उनका व्यक्तित्व है। वे अपनी अधांगिनी को चरणों में नहीं बल्कि अपने आधे शरीर में स्थान देते हैं। वे संवाद करते हैं, सम्मान देते हैं, समानता का भाव रखते हैं और आवश्यकता पड़ने पर उसके सम्मान की रक्षा के लिए संपूर्ण संसार से संघर्ष करने का साहस भी रखते हैं। भगवान शिव लोक और शास्त्र, दोनों के समान प्रिय देवता हैं। वेदों के रुद्र से लेकर लोकजीवन के भोलेनाथ तक उनकी यात्रा भारतीय संस्कृति की सबसे अद्भुत आध्यात्मिक यात्राओं में से एक है। उन पर वेद, उपनिषद, पुराण, महाकाव्य, आगम, तंत्र, स्तोत्र और असंख्य लोककथाएं उपलब्ध हैं। उनका व्यक्तित्व जितना विराट है, उतना ही सहज और सरल भी है। इसी कारण भारतीय पंचांग का संपूर्ण सावन मास शिवभक्ति का महापर्व बन जाता है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों से लेकर गांव-गांव के छोट-छोटे शिवालयों तक श्रद्धा का सागर उमड़ पड़ता है। घर-घर में पार्थिव शिवलिंग की स्थापना होती है, जलाभिषेक किया जाता है और हट्ट-हट्ट महादेवभक्त का उद्घोष वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है। भगवान शिव केवल मंदिरों में प्रतिष्ठित देवता नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। वे योग हैं, भोग से वैराग्य हैं। वे संसार हैं, किंतु उसी संसार के माध्यम से नवसृजन भी हैं। वे करुणा हैं, न्याय हैं, समता हैं, साहस हैं और अनंत वेतना के प्रतीक हैं। सावन का वास्तविक महत्व केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं बल्कि शिव के इन दिव्य गुणों को अपने जीवन में उतारने में है। जब मनुष्य अपने भीतर करुणा, समभाव, त्याग, सत्य, संप्रेम, साहस, प्रकृति-प्रेम और लोककल्याण की भावना को जागृत कर लेता है, तभी उसकी शिवभक्ति पूर्ण होती है। यही भगवान भोलेनाथ के विराट व्यक्तित्व का शाश्वत संदेश है और यही सावन का वास्तविक आध्यात्मिक संसार है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

बांकीपुर उपचुनाव परिणाम भाजपा के लिए नई चुनौती की शुरुआत



विभिन्न राज्यों में अनेक राजनीतिक दलों के लिए सफल चुनावी रणनीतियां बनाई थीं लेकिन जब उन्होंने जनसुराज पार्टी बनाई और बिहार विधानसभा चुनाव लड़ा, तब पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। उस समय आलोचकों ने कहा था कि रणनीति बनाना और चुनाव जीतना दो अलग-अलग बातें हैं। बांकीपुर की जीत ने इस धारणा को आंशिक रूप से चुनौती दी है और यह संकेत दिया है कि प्रशांत किशोर अब स्वयं की जनाधार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, किसी एक सीट की जीत के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल गई है। बिहार की राजनीति सामाजिक समीकरणों, जातीय आधार, क्षेत्रीय प्रभाव और मजबूत संगठनात्मक ढांचे पर टिकी रही है। जनसुराज को अभी राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में अपना संगठन मजबूत करना होगा। एक सीट की सफलता को पूरे राज्य में दोहराना आसान नहीं होगा। इसलिए यह जीत एक अवसर

अवश्य है, लेकिन भविष्य की सफलता की गारंटी नहीं। दूसरी ओर, भाजपा के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का अवसर है। बांकीपुर जैसे पारंपरिक गढ़ में हार यह संकेत देती है कि केवल पुराने राजनीतिक प्रभाव के भरोसे चुनाव नहीं जीते जा सकते। यदि स्थानीय कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं, मतदाताओं की बदलती प्रार्थमिकताओं और संघटन की सक्रियता पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में भी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। हालांकि भाजपा अभी भी बिहार की प्रमुख राजनीतिक शक्तियों में से एक है और उसके पास व्यापक संगठनात्मक नेटवर्क तथा मजबूत नेतृत्व मौजूद है। इसलिए केवल एक उपचुनाव के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि भाजपा के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। नितिन नवीन की राजनीतिक छवि पर भी इस हार का प्रभाव पड़ सकता है। उनके निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा की हार विपक्ष को राजनीतिक हमला करने का अवसर अवश्य देगी। हालांकि किसी नेता का ऐसा प्रदर्शन ही नहीं होना चाहिए।

ऐसे उदाहरण हैं, जहां बड़े नेता चुनाव हारे लेकिन बाद में और अधिक करजबूत होकर लौटे। इसलिए नितिन नवीन के राजनीतिक भविष्य का आकलन भी आने वाले चुनावों और उनके संगठनात्मक प्रदर्शन के आधार पर ही किया जाना चाहिए। प्रशांत किशोर के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी इस जीत को राज्यव्यापी जनसमर्थन में बदलने की होगी।

उन्हें यह साबित करना होगा कि जनसुराज केवल एक व्यक्ति की पार्टी नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीतिक शक्ति बन सकती है। इसके लिए गांव-गांव तक संगठन का विस्तार, स्थानीय नेतृत्व का विकास, जनसरोकार के मुद्दों पर निरंतर सक्रियता और मजबूत चुनावी संरचना तैयार करनी होगी। यदि वे इसमें सफल होते हैं, तो आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका और अधिक प्रभावशाली हो सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बांकीपुर का परिणाम बिहार में मतदाताओं की नई सोच का भी संकेत हो सकता है। शहरी क्षेत्रों में शिक्षित मतदाताओं का एक वर्ग अब पारंपरिक दलों के साथ-साथ नए विकल्पों को भी अवसर देने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है तो बिहार की राजनीति में बहुकोणीय मुकाबले और अधिक रोचक हो सकते हैं। अंततः यह कहा जा सकता है कि बांकीपुर की जीत प्रशांत किशोर और जनसुराज के लिए निश्चित रूप से मोनोबल बढ़ाने वाली उपलब्धि है। इससे उन्हें राजनीतिक विश्वसनीयता मिली है और संगठन को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। वहीं, भाजपा के लिए यह परिणाम चेतावनी का संकेत है कि उसे अपने पारंपरिक क्षेत्रों में भी लगातार सक्रिय रहना होगा। बांकीपुर का परिणाम बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देता है, जिसकी दिशा आने वाले वर्षों में स्पष्ट होगी। (लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

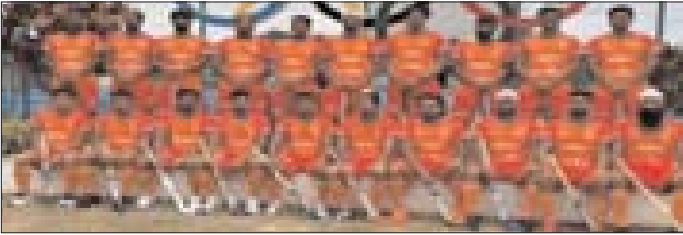


योगेश कुमार गोयल

यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है। आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित दृढाभगवाकरणल्ल के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटक रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिकी के अनुसार, आज अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सेकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है।

पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया। यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में हॉकी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमों प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले साल 2014 विश्वकप में पीली तथा 2018 में फुटबॉल रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसलमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ऑल ब्लैक्स और ऑस्ट्रेलिया की हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास,



विश्वकप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धरानाज पिल्लै, परमट सिंह और वीरन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे। पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीकी नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती।

दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक

स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे हाथेलों का भगवाकरणल्ल करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफ़ी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी भी को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के

प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुका है। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों के राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है। आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।

इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सुखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है। बेहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहा है? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर लातेहार में ऐतिहासिक पहल

कीनामाड़ चौक बना 'शिबू सोरेन चौक', स्मृति स्थल का हुआ अनावरण

- झामुमो नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, जल्द स्थापित होगी आदमकद प्रतिमा
- जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने गुरुजी के संघर्षों को बताया झारखंड की पहचान, भाजपा पर भी साधा निशाना

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड आंदोलन के महानायक एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को लातेहार जिला मुख्यालय स्थित कीनामाड़ ग्राम में उनके स्मृति स्थल का अनावरण किया गया। इस अवसर पर कीनामाड़ चौक का नामकरण 'स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक' के रूप में किया गया। फिलहाल चौक पर शिबू सोरेन की तस्वीर स्थापित कर उसका अनावरण किया गया, जबकि



शोष्र ही यहां उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। **श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किए गुरुजी के संघर्ष** कार्यक्रम की अध्यक्षता झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान झामुमो के कई नेता एवं

कार्यकर्ता उपस्थित रहे और गुरुजी के संघर्षमय जीवन को नमन किया। **सिर्फ चौक नहीं, संघर्ष की पहचान बननेा स्मारक'** अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने कहा कि शिबू सोरेन की स्मृतियां और उनके आदर्श सदैव जीवित रहें, इसी उद्देश्य से कीनामाड़ चौक पर भव्य स्मारक और आदमकद

प्रतिमा स्थापित की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह स्मारक केवल एक चौक नहीं होगा, बल्कि झारखंड आंदोलन, जल-जंगल-जमीन की रक्षा और शोषित-वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई के प्रतीक के रूप में आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु केवल जननेता नहीं थे, बल्कि झारखंड की अस्मिता के

सबसे बड़े प्रहरी थे। उनका संपूर्ण जीवन आदिवासियों, मूलवासियों और झारखंड के हितों के लिए समर्पित रहा। उनके नाम पर चौक की स्थापना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है और उनका योगदान सदियों तक याद किया जाएगा।

भाजपा पर बोला हमला, बिहार चुनाव का किया जिक्र कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव ने भाजपा पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार के चुनाव में जनता ने भाजपा को स्पष्ट सदिश दे दिया है। भ्रष्टाचार, बच्चों पर लाठीचार्ज, पेपर लीक और जनविरोधी नीतियों के कारण भाजपा को जनता ने सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि 35 वर्षों का मजबूत गढ़ भी जनता ने छीनकर दिखा दिया। यह तो केवल शुरूआत है, आने वाले

समय में पूरे देश से भाजपा का सफाया होगा। इस अवसर पर झामुमो के कार्यक्रम में जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष, केंद्रीय समिति सदस्य अरुण कुमार दुबे, बासुदेव यादव, जिला सचिव बुद्धेश्वर उराव, ज़िप सदस्य विनोद उरांव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, शमसुल होदा आर्सेन तिकी, रिकू कच्छप, सौरभ श्रीवास्तव मनोज, जीरा, रीना, मनोज चौधरी नौशाद आलम अंकित तिवारी पवन कुमार अंकित साव रितेश अग्रवाल जॉनी मनीष कुमार चांदो अहद खान तौकीर आलम अंकित पांडेय, विशाल कुमार आदि मौजूद थे। कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का आह्वान किया।

रामचन्द्र सिंह ने किया परसही में कृषक पाठशाला सह सनेकित बिरसा ग्राम योजना का शिलान्यास

किसानों को मिलेगा पशुपालन का प्रशिक्षण

नवप्रदेश/लातेहार। सदर प्रखंड के परसही पंचायत अंतर्गत परसही गांव में मंगलवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तत्वावधान में कृषक पाठशाला योजना सह समेकित बिरसा ग्राम योजना का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनिका विधायक रामचन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर विधायक रामचन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में कृषक पाठशाला की शुरूआत एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से किसानों को कृषि एवं पशुपालन से संबंधित आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और आवश्यक जानकारी स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी। इससे किसान खेती और पशुपालन को बेहतर तरीके से कर अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक प्रखंड में इस तरह की कृषक पाठशाला शुरू करने की दिशा में



कार्य कर रही है, ताकि किसानों को अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा कि परसही में प्रशिक्षण केंद्र शुरू होने से स्थानीय किसानों को प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इससे उनका समय और आने-जाने में होने वाला खर्च दोनों बचेंगे। परसही पंचायत की मुखिया अनीता देवी ने कहा कि विधायक रामचन्द्र सिंह की पहल से पंचायतवासियों को यह महत्वपूर्ण सौगात मिली है। उन्होंने पंचायत के किसानों की ओर से मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन, कृषि मंत्री और विधायक के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब किसानों को कृषि एवं पशुपालन का प्रशिक्षण स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा। विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव ने कहा कि यह पंचायत और प्रखंड के लिए गर्व की बात है। अब किसान यहां प्रशिक्षण लेकर आधुनिक तकनीक और नई पद्धतियों के माध्यम से खेती एवं पशुपालन कर सकेंगे। प्रमुख परशुम लोहरा ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। इस तरह की कृषक पाठशालाएं जिले की

प्रत्येक पंचायत में खोली जानी चाहिए, ताकि किसानों को नई तकनीक और आधुनिक पद्धतियों से खेती करने का अवसर मिल सके। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित यादव ने कहा कि आज भी बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है। ऐसे में किसानों को नई तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी देना जरूरी है, ताकि खेती और पशुपालन केवल परंपरागत तरीके तक सीमित न रहे, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने का बेहतर माध्यम बने। पंचायत समिति सदस्य रीता देवी ने सभी किसानों से कृषक पाठशाला में निर्यामित रूप से प्रशिक्षण लेने की अपील की।

वहीं पूर्व जिला परिषद सदस्य रामदेव सिंह ने कहा कि परसही में इस प्रशिक्षण केंद्र की शुरूआत से क्षेत्र के किसानों को काफी लाभ मिलेगा और उन्हें प्रशिक्षण के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

जर्जर कच्चा मकान गिरने के बाद सद्दाम अंसारी ने लगाई आवास योजना की गुहार, डीडीसी व बीडीओ को सौंपा आवेदन

नवप्रदेश/बरवाडीह(लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड की बेतला पंचायत अंतर्गत ग्राम पोखरी खुर्द निवासी सद्दाम अंसारी (पिताइा मोहरंम मियां) ने जर्जर कच्चा मकान गिर जाने के बाद प्रशासन से आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। उन्होंने लातेहार के उप विकास आयुक्त (डीडीसी), प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचल अधिकारी को लिखित आवेदन देकर शीघ्र सहायता की गुहार लगाई है।आवेदन के अनुसार, 3 अगस्त की शाम लगभग 5:30 बजे उनका मिट्टी एवं खपड़ैल से बना कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में घर के अंदर रखा गैस चूल्हा, पलंग, कंबल, कपड़े, राशन, चावल, आटा, दाल सहित अन्य घरेलू सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। सद्दाम अंसारी ने बताया कि उन्हें आज तक किसी भी सरकारी आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत में कई संपन्न लोगों को



आवास योजना का लाभ मिल चुका है, जबकि उनका परिवार अब तक इससे वंचित है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार अल्प गरीब है और घर में वे ही अकेले कमाने वाले सदस्य हैं। परिवार में पत्नी और दो बच्चों सहित कुल चार सदस्य हैं।उन्होंने बताया कि वर्तमान में रहने योग्य घर नहीं बचा है और परिवार लगाया कि पंचायत में कई संपन्न लोगों को

को मजबूर है। बरवाडीह प्रखंड कार्यालय में डीडीसी के आगमन के दौरान भी उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आवेदन सौंपकर प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा अन्य सरकारी आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। पोंडित परिवार ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कर आवास उपलब्ध कराने तथा आवश्यक राहत सहायता देने की अपील की है।

11 सूत्री मांगों को लेकर जेएलकेएम का धरना

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (खड्डट) के बैनर तले मंगलवार को लातेहार समाहरणालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने झारखंड लोक सेवा आयोग (खडरउ) एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खररउ) की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, ळ्छह एजेंसी की भूमिका तथा परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग उठाई। कार्यक्रम के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल के नाम 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। धरना को संबोधित करते हुए



खड्डट के जिला अध्यक्ष निशांत यादव ने कहा कि राज्य के प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता

पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ

खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने दोषियों के

विरुद्ध निष्पक्ष जांच एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में ळ्छह एजेंसी के चयन की उच्चस्तरीय जांच कराने, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही ळ्छह एजेंसी द्वारा आयोजित सभी विवादित परीक्षाओं को रद्द कर पुनः आयोजित करने तथा भविष्य में परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी सीधे आयोग को दिए जाने की मांग भी उठाई गई।

इसके अतिरिक्त 11वें से 13वीं संयुक्त मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा के ऑनलाइन मूल्यांकन की जांच, 14वीं खडरउ प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर दोबारा आयोजित करने, विवादित परीक्षाओं की सीबीआई

जांच कराने, आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की योग्यता आधारित नियुक्ति, उच्चस्तरीय चयन पैलल के गठन तथा आयोग की संरचना में सुधार कर संयुक्त लोक सेवा आयोग के गठन पर विचार करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। धरना के अंत में खड्डट नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो राज्यभर में व्यापक जन आंदोलन चलाया जाएगा। मौके पर मौजूद निशांत कुमार यादव, संजय दास, ऋषिकेश यादव, श्यामदेव सिंह, बलराम यादव, मुनेश सिंह, रविंदर सिंह सहित कई नेता कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रांची, बुधवार, 05 अगस्त, 2026

एक नजर

नीट परीक्षा में सफल श्रेया सुमन का भाजपा महिला मोर्चा ने किया सम्मान

नवप्रदेश/लातेहार। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से मंगलवार को नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने वाली छात्रा श्रेया सुमन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला मोर्चा की जिला महामंत्री श्रीमती अर्पणा सिंह की अध्यक्षता में हुआ।इस अवसर पर श्रेया सुमन, जो श्री नवीन कुमार सिंह की पुत्री हैं, को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान श्रेया ने अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया और उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री श्रीमती आशा देवी, कार्यसमिति सदस्य सुकन्या देवी, पूर्व नगर अध्यक्ष रितेश कुमार तथा बसंती देवी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने श्रेया सुमन को ळ्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनके बेहतर चिकित्सकीय करियर की कामना की।

छिपादोहर पुलिस की त्वरित कार्रवाई, हत्या का आरोपी जितेंद्र भुईयां गिरफ्तार

नवप्रदेश/लातेहार/छिपादोहर। छिपादोहर थाना पुलिस ने हत्या के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामचांद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, 4 अगस्त 2026 को दर्ज छिपादोहर थाना कांड संख्या 27/26, धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या के मामले में प्राथमिकी अभियुक्त जितेंद्र भुईयां, पीता मदन भुईयां, ग्राम कुचिला, थाना छिपादोहर को विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच आगे भी जारी है तथा आवश्यक साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

एसआईआर-2026 के प्रथम चरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

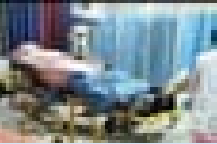
नवप्रदेश/गारू (लातेहार)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्क्म-2026 के प्रथम चरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गारू प्रखंड के तीन बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार ने सम्मानित किया। सम्मानित बीएलओ में बृथ संख्या-218 की अरुणा उरांव, बृथ संख्या-226 की मंजिता कुमारी तथा बृथ संख्या-233 की बसंती देवी शामिल हैं। बीडीओ अभय कुमार ने कहा कि स्क्म2026 के प्रथम चरण के दौरान सचि गेए कार्यों का इन बीएलओ ने समयबद्ध, पारदर्शी एवं जिम्मेदाीपूर्ण ढंग से सफलतापूर्वक निष्पादन किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से निर्वाचन संबंधी कार्यों को गति मिली है।उन्होंने सम्मानित बीएलओ को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी समर्पण, निष्ठा और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए निष्पक्ष एवं सफल निर्वाचन प्रक्रिया में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में प्रखंड कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सम्मानित बीएलओ को कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

लातेहार में प्रखंड स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का गठन, राजकुमार प्रसाद बने अध्यक्ष

नवप्रदेश/लातेहार। प्रखंड सभागार में मंगलवार को जिला प्रशासन एवं सिनी (उक्त) संस्था के संयुक्त सहयोग से प्रखंड स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का गठन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (पंचायती राज), प्रमुख, उा प्रमुख तथा सिनी के जिला समन्वयक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी ने समिति के गठन के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं सदस्यों की जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करना समिति की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। जिला कार्यक्रम प्रबंधक (पंचायती राज) ने कहा कि समिति के गठन के बाद सभी संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों को समन्वय बनाकर बच्चों एवं महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करना होगा। बैठक में सर्वसम्मति से राजकुमार प्रसाद को समिति का अध्यक्ष तथा मनोज कुमार तिवारी (प्रखंड विकास पदाधिकारी) को सचिव चुना गया। समिति के सदस्यों में रीता देवी, पुनीत भुईयां, कौशल कुमार रावि, पिकी देवी, उषा देवी एवं अनीता देवी को शामिल किया गया। सिनी के नीतीश पाण्डेय ने संस्था द्वारा दूसरी प्रशासन के सहयोग से जिला से लेकर गांव स्तर तक गठित समितियों की भूमिका एवं उनके सुदृढीकरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल्द ही पंचायत स्तरीय समितियों का गठन भी किया जाएगा। साथ ही उन्होंने गांवों को 'बाल मित्र ग्राम' बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा विद्यालय जाए, स्वस्थ रहे और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त करे। इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों, विद्यालय प्रबंधन समितियों एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में सभी पंचायतों के पंचायत समिति सदस्य, नाजिर दीपक कुमार, प्रखंड समन्वयक वकील उरांव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वज्रपात का कहर : खेत में काम कर रहे दो किसानों की मौत, धान रोपाई कर रही महिला गंभीर

नवप्रदेश/लातेहार। जिले में मंगलवार को हुई बारिश के दौरान वज्रपात ने जानलेवा रूप ले लिया। अलग-अलग स्थानों पर हुई घटनाओं में दो किसानों की मौत हो गई, जबकि धान रोपाई कर रही एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घायल महिला का इलाज लातेहार सदर अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। जानकरी के अनुसार, चंदवा प्रखंड के सुरली गांव निवासी उपेंद्र उरांव खेत में हल जोत रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ हुए वज्रपात की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया। दूसरी घटना जालिम पंचायत में हुई, जहां शिवनाथ उरांव कृषि कार्य के दौरान वज्रपात की चपेट में आ गए। परजिन उन्हें तत्काल लातेहार सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं सदर प्रखंड के होटवाग गांव में धान रोपाई कर रही 24 वर्षीय निर्मला देवी वज्रपात की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों और परिजनों ने उन्हें तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। लगातार हो रही बारिश और वज्रपात की घटनाओं से जिले के किसानों में भय का माहौल है। लोग खेतों में काम करने से पहले मौसम की स्थिति पर नजर रखने लगेंगे। प्रशासन ने भी बारिश और गरज-वमक के दौरान खुले खेतों, पेड़ों और ऊंचे स्थानों से दूर रहने की अपील की है।



दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब

नवप्रदेश संवाददाता

पलामू। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पलामू जिला समिति के द्वारा जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में पद्म भूषण सम्मानित दिशोम गुरु शि*दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब, श्रद्धांजलि सभा, भजन-कीर्तन एवं लंगर का हुआ आयोजन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पलामू जिला समिति के द्वारा जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में पद्म भूषण सम्मानित दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान एवं सादगी के साथ मनाई गई जिसका संचालन केन्द्रीय समिति सदस्य सह उपाध्यक्ष सन्तु सिद्धीकी एवं सचिव रंजन चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से किया।इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा, भजन-कीर्तन तथा लंगर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं आम लोगों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके द्वारा झारखंड आंदोलन, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और गरीबों के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। श्रद्धांजलि सभा की संबोधित करते हुए झामुमो पलामू जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं थे, बल्कि वे झारखंड की पहचान, स्वाभिमान और संघर्ष के प्रतीक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड की जनता के अधिकारों और



सम्मान के लिए समर्पित कर दिया। उनके संघर्षों और विचारों से आने वाली पीढ़ियां सदैव प्रेरणा लेती रहेंगी। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने झारखंड राज्य के गठन के लिए वर्षों तक आंदोलन किया और शोषित, वंचित तथा गरीब समुदायों की आवाज बनकर कार्य किया। उनका योगदान झारखंड के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।इस अवसर पर आयोजित सभा की आन्दोलनकरी , नेता और आम जनता को अंग वस्त्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया।सभी को बाबा के नाम पर पौधा लगाने को कहा गया।और भजन-कीर्तन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से गुरुजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो गया। कार्यक्रम स्थल परेशा निकाला उपस्थित लोगों ने गुरुजी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

लिया। कार्यक्रम के दौरान हजारों श्रद्धालुओं के लिए लंगर एवं प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई। लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया और सामाजिक एकता तथा भाईचारे का संदेश दिया। झामुमो कार्यकर्ताओं ने पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली और आगंतुकों का स्वागत किया।कार्यक्रम में जिले के केन्द्रीय समिति सदस्य चंदन सिन्हा,युगल किशोर , सुशील मिश्रा, सलोनी टोपनो जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिन्हा संतोष मिश्रा, बालकिशन उराँव, असफर रब्बानी संगठन सचिव देवानन्द भारद्वाज,अनुराग सिंह, अखिलेश सिंह,नवीन सिन्हा शाहबाज आलम, वरिष्ठ नेता अविनाश देव, सुनील तिवारी ,गोपाल सिंहा,र मनन्त चंद्रवंशी, बबलू शाहनवाज,कमाल खान,इकबाल अहमद, सनी शुक्ला गुवामोर्चा से सूरज कुमार, रजनीश सिंह, रिशु

अग्रवाल,अरविंद चौधरी, बबलू चौधरी,कौशल किशोर, महिला मोर्चा से संजू देवी,कांति चंद्रवंशी, मंजू चंद्रा, विलिंगना किंडो ,सोनी देवी, नगर मोर्चा से रंजीत जायसवाल, मोहम्मद इल्ताफ, मनन्त सिंह बग्गा, व्यवसाय मोर्चा से दीपू चौरसिया मनोज कुमार, अल्पसंख्यक मोर्चा से फजायल अहमद, क्रीड़ा मोर्चा से सुमित वर्मन,दीपक तिवारी, छात्र मोर्चा से सैयद फैजल,आर्यन कुमार, सहित विभिन्न प्रखंडों से आए पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संघर्ष, त्याग और समर्पण सदैव झारखंडवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।बू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान एवं सादगी के साथ मनाई गई।जिसका संचालन केन्द्रीय समिति सदस्य सह उपाध्यक्ष सन्तु सिद्धीकी एवं सचिव रंजन चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से किया।इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा, भजन-कीर्तन तथा लंगर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं आम लोगों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके द्वारा झारखंड आंदोलन, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और गरीबों के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को याद

किया।श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए झामुमो पलामू जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व नहीं थे, बल्कि वे झारखंड की पहचान, स्वाभिमान और संघर्ष के प्रतीक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड की जनता के अधिकारों और सम्मान के लिए समर्पित कर दिया। उनके संघर्षों और विचारों से आने वाली पीढ़ियां सदैव प्रेरणा लेती रहेंगी। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने झारखंड राज्य के गठन के लिए वर्षों तक आंदोलन किया और शोषित, वंचित तथा गरीब समुदायों की आवाज बनकर कार्य किया। उनका योगदान झारखंड के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।इस अवसर पर आयोजित सभी आन्दोलनकरी , नेता और आम जनता को अंग वस्त्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया।सभी को बाबा के नाम पर पौधा लगाने को कहा गया। और भजन-कीर्तन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से गुरुजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो गया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित लोगों ने गुरुजी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान हजारों श्रद्धालुओं के लिए लंगर एवं प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई। लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया और सामाजिक एकता तथा भाईचारे का संदेश दिया।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली और आगंतुकों का स्वागत किया।कार्यक्रम में जिले के केन्द्रीय समिति सदस्य संजीव तिवारी,हाजी शमीम, चंदन सिन्हा,युगल किशोर , सुशील मिश्रा, सलोनी टोपनो जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिन्हा संतोष मिश्रा, बालकिशन उराँव, असफर रब्बानी संगठन सचिव देवानन्द भारद्वाज,अनुराग सिंह, अखिलेश सिंह,नवीन सिन्हा शाहबाज आलम, वरिष्ठ नेता अविनाश देव, सुनील तिवारी, गोपाल सिंहा, रामनाथ चंद्रवंशी, बबलू शाहनवाज, कमाल खान, इकबाल अहमद, सनी शुक्ला गुवामोर्चा से सूरज कुमार, रजनीश सिंह, रिशु अग्रवाल,अरविंद चौधरी, बबलू चौधरी, कौशल किशोर, महिला मोर्चा से संजू देवी, कांति चंद्रवंशी, मंजू चंद्रा, विलिंगना किंडो ,सोनी देवी, नगर मोर्चा से रंजीत जायसवाल, मोहम्मद इल्ताफ, मनन्त सिंह बग्गा, व्यवसाय मोर्चा से दीपू चौरसिया मनोज कुमार, अल्पसंख्यक मोर्चा से फजायल अहमद, क्रीड़ा मोर्चा से सुमित वर्मन,दीपक तिवारी, छात्र मोर्चा से सैयद फैजल,आर्यन कुमार, सहित विभिन्न प्रखंडों से आए पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का संघर्ष, त्याग और समर्पण सदैव झारखंडवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।।

पलामू में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी बहाली को लेकर अभ्यर्थियों का भूख हड़ताल शुरू

पलामू। जिले में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों (फोर्थ ग्रेड) की बहाली लिखित परीक्षा के आधार पर कराने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। आंदोलन की अगुवाई कर रहे छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला ने बताया कि चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति मैट्रिक के अंकों के आधार पर न कराकर लिखित परीक्षा के आधार पर कराई जाए और परीक्षा का सिलेबस व तिथि जल्द घोषित की जाए। उन्होंने कहा कि छात्र हित में यह फैसला लेना बेहद जरूरी है। सत्यनारायण ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर वे पिछले 16 महीनों से प्रयासरत हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव और वित्त मंत्री सहित तमाम उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि रांची और दिल्ली का रुख करने के बजाय अब पलामू को ही जंतर-मंतर बनाकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की गई है। जब तक लिखित परीक्षा से बहाली की मांग पूरी नहीं होती, तब तक यह अनशन जारी रहेगा। इस मौके पर अनूप पासवान, सोनू सागर सहित कई अन्य अभ्यर्थी और सहयोगी उपस्थित थे।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष विमला कुमारी ने नावा बाजार में की शिष्टाचार मुलाकात, श्राद्ध कार्यक्रम में भी हुई शामिल

नवप्रदेश/नावा बाजार/पलामू। कांग्रेस की जिला अध्यक्ष विमला कुमारी ने मंगलवार को नावा बाजार प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस मंडल अध्यक्ष विपिन यादव से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान संगठन की मजबूती, पंचायत स्तर पर पार्टी की गतिविधियों तथा जनसरोकार से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर पंचायत सचिव



वीरेंद्र यादव भी उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा आम लोगों की

समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इसके बाद कांग्रेस जिला

अध्यक्ष विमला कुमारी एवं मंडल अध्यक्ष विपिन यादव ने पूर्व जिला परिषद सदस्य अनुज भुईयां की माताजी के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

पलामू सांसद ने बनिया कमलापुरी, जायसवाल, कसौधन एवं बरनवाल समाज को केन्द्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग लोकसभा में की

नवप्रदेश/पलामू : पलामू लोकसभा क्षेत्र के सांसद विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत बनिया कमलापुरी, जायसवाल, कसौधन एवं बरनवाल समाज को केन्द्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने से संबंधित अति महत्वपूर्ण मामले को उठाया. श्री राम ने कहा कि झारखंड , मध्य प्देश, छत्तीसगढ़ , उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में निवास करने वाले बनिया कमलापुरी, जायसवाल, कसौधन एवं बरनवाल समाज के अनेक परिवार सामाजिक , शैक्षणिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हैं। इन जातियों को कई राज्यों में अन्य



पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा प्राप्त है, किं तु के द्रीय ओबीसी सूची में शामिल न होने के कारण इनके लोगों को के द्र सरकार की नौकरियों, के द्रीय शिक्षण संस्थानों तथा विभिन्न के द्रीय कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। माननीय सांसद ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में के द्र सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका पयासा के संकल्प के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। इसी भावना के अनुरूप इन

समुदायों के हितों पर भी समुचित एवं न्यायोचित विचार किया जाना आवश्यक है।के द्र सरकार से अनुरोध किया कि संबंधित राज्य सरकारों एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से आवश्यक प्रतिवेदन प्राप्त कर इन समुदायों की सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति का वस्तुनिष्ठ परीक्षण कराया जाय। यदि ये समुदाय निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाते हैं, तो इन्हें के द्रीय ओबीसी सूची में सम्मिलित करने की प्रक्रिया पर सकारात्मक एवं सम्यबद्ध निर्णय लिया जाय, ताकि उन्हें भी के द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं अवसरों का समान रूप से लाभ मिल सके।

जर्जर कच्चा मकान गिरने के बाद सद्दाम अंसारी ने लगाई आवास योजना की गुहार, डीडीसी व बीडीओ को सौंपा आवेदन

नवप्रदेश/बरवाडीह(लातेहार): बरवाडीह प्रखंड की बेतला पंचायत अंतर्गत ग्राम पोखरी खुर्द निवासी सद्दाम अंसारी (पिता- मोहरम मिर्जा) ने जर्जर कच्चा मकान गिर जाने के बाद प्रशासन से आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। उन्होंने लातेहार के उप विकास आयुक्त (डीडीसी), प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचल अधिकारी को लिखित आवेदन देकर शीघ्र सहायता की गुहार लगाई है।आवेदन के

अनुसार, 3 अगस्त की शाम लगभग 5:30 बजे उनका मिट्टी एवं खपड़ैल से बना कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में घर के अंदर रखा गैस चूल्हा, पलंग, कंबल, कपड़े, राशन, चावल, आटा, दाल सहित अन्य घरेलू सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।सद्दाम अंसारी ने बताया कि उन्हें आज तक किसी भी सरकारी आवास

योजना का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत में कई संपन्न लोगों को आवास योजना का लाभ मिल चुका है, जबकि उनका परिवार अब तक इससे वंचित है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार अत्यंत गरीब है और घर में वे ही अकेले कमाने वाले सदस्य हैं। परिवार में पत्नी और दो बच्चों सहित कुल चार सदस्य हैं।उन्होंने बताया कि वर्तमान में रहने योग्य घर नहीं बचा है और परिवार तिरपाल के

सहारे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। बरवाडीह प्रखंड कार्यालय में डीडीसी के आगमन के दौरान भी उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आवेदन सौंपकर प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा अन्य सरकारी आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कर आवास उपलब्ध कराने तथा आवश्यक राहत सहायता देने की अपील की है।



एक नजर

पलामू के पांडु थाना अंतर्गत गांव रतनाग से पुलिस को दो देशी कट्टा और .315 बोर के 05 जिन्दा कारतूस बरामद



नवप्रदेश/पलामू पुलिस को अवैध आर्म्स होने की गुप्त सूचना के आधार पर पांडु थाना अंतर्गत ग्राम - रतनाग के अमित कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह पिता बालमुकुन्द सिंह के घर पुलिस के द्वारा छापेमारी की गई और घर की सघन तलाशी भी ली गई । पुलिस बल को दूर से ही देखकर अमित कुमार सिंह जो घर के ही बाहर खड़ा था,भागने लगा। सशस्त्र बल द्वारा उसका पिछा किया गया, परन्तु वह भागने में सफल रहा। जिसके बाद अमितकुमार सिंह के घर का अमित कुमार सिंह के पिता बालमुकुन्द सिंह के समक्ष ई- साक्ष्य में विडियो ग्राफी करते हुए अमित कुमार सिंह के कमरे की तलाशी ली गई जिसमें उक्त कमरे के दिवान पलंग के सिर तरफ बने बॉक्स में एक सफेद रंग के प्लास्टिक कैरी बैग (जिसमें लाल रंग से THANK YOU लिखा हुआ) के अन्दर (01) दो लोडेड देशी कट्टा (02) .315 बोर का 05 जिंदा कारतूस एवं 02 खोखा (03) दो काला गमछा (04) 8000 रु० (आठ हजार रुपया) पाया गया। उक्त सभी प्रदर्शों को विधिवत जपती सूची बनाया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है।

आज (5 अगस्त) होगा डिज्नीलैंड मेला का कई नए आइटम के साथ होगा उद्घाटन

विधायक अलोक चौरसिया, महापौर अरुणा शंकर व डिप्टी मेयर मनोज सिंह करेंगे मेला का उद्घाटन

नवप्रदेश/मेदिनीनगर : मेदिनीनगर शहर के ऐतिहासिक शिवाजी मैदान में लगने वाला श्रावणी डिज्नीलैंड मेला का उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा। मेला का उद्घाटन डाल्टनगंज चैनपुर भंडारिया के भाजपा विधायक अलोक कुमार चौरसिया, मेदिनीनगर नगर निगम के मेयर अरुणा शंकर, डिप्टी मेयर मनोज सिंह और वार्ड नंबर 5 के वार्ड पार्षद नीरा देवी संयुक्त रूप से करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए मेला के संचालक पवन गुप्ता, जितेंद्र अग्रवाल और कल्लू चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी डिज्नीलैंड मेला का शुभारंभ किया जा रहा है। मेले की तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि बुधवार को दोपहर 12:00 बजे मेला का उद्घाटन किया जाएगा।उन्होंने बताया की सावन के पावन अवसर पर श्रावणी डिज्नीलैंड मेला के आयोजन किया जाता है. पलामू प्रमंडल के लोग इसका आनंद उठाते है।उन्होंने कहा की सावन के मौके पर पलामू में लगने वाला श्रावणी मेला का खास महत्व रहा है. कोयल नदी के किनारे दशकों से मेला लगते आ रहा है. इसमें शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं, बच्चे , बुजुर्ग व युवा बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। **इस बार मेले में होगा कई आइटम आकर्षण का केंद्र** मालूम हो कि डाल्टनगंज के शिवाजी मैदान में दशकों से डिज्नीलैंड मेला का आयोजन किया जाता रहा है। इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष कई नए आकर्षक मन लुभावना अर्चभूत कर देने वाले आइटम प्रस्तुत किए जाते हैं। इस बार भी ऐसा ही कुछ डिज्नीलैंड मेला के प्रबंधक ने प्रस्तुत करने जा रहे हैं जो डिज्नीलैंड में मेला में आने वाले दर्शकों का मन मोह लेंगे.

पतंजलि परिवार ने 2500 औषधीय एवं फलदार पौधों का किया निःशुल्क वितरण



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के जन्मदिवस के अवसर पर पलामू पतंजलि परिवार द्वारा मंगलवार को जड़ी-बूटी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संत मरियम आवासीय विद्यालय के चेयरमैन श्री अविनाश देव के करकमलों द्वारा पौध वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान पतंजलि परिवार द्वारा संग्रहित लगभग 2500 औषधीय एवं फलदार पौधों का अवलोकन कराया गया। इनमें प्रमुख रूप से आंवला, अमरूद, कटहल, अनार, बेल, आम, शरीफा, महोगनी, शतावर, नागदैन, लेमनग्रास, चंदन, ईसुलिन प्लांट, चिरायता, गिलोय, एलोवेरा सहित अनेक उपयोगी एवं औषधीय पौधे शामिल थे। इसके बाद इन सभी पौधों का आम लोगों के बीच निःशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर अविनाश देव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और आयुर्वेद के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में पतंजलि परिवार का यह अभियान अत्यंत सहाहनीय है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण कर हम न केवल प्रकृति की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने इस अभियान के लिए पतंजलि परिवार को शुभकामनाएं देते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पतंजलि परिवार के कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। इनमें राजीव शरण, अतुल कुमार सिन्हा, विकास कुमार सोनी, जनार्दन प्रसाद, संतोष कुमार गुप्ता, सुदर्शन पासवान तथा महिला पतंजलि योग समिति की ममता, आशा, शीला, मीणा, मंजू, उषा और सुषमा सहित अनेक सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

पद्म भूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

रामगढ़। पद्मभूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि कार्यक्रम उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा गांव में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पूरे परिवार के साथ शामिल हुए। इस मौके पर गांव के सोना सोबरेन मेमोरियल हाई स्कूल के समीप बने गए दिशोम गुरु के आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अनावरण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी मां रूपी सोरेन को पर्दा हटाने का निवेदन किया। पूरे परिवार के साथ मुख्यमंत्री ने अपने पिता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने पूरे परिवार के साथ पहले प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, इसके बाद पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उनके साथ उनकी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, दीपिका पांडे सिंह, शिल्पी नेहा तिवर्की, संजय प्रसाद यादव, राज्यसभा सांसद डॉ महेंद्र आ मांझी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विधायक ममता देवी, उमाकांत रजक, जय मंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह, अमित महतो, पूर्व मंत्री बेबी देवी आदि मौजूद थे।

धनबाद में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर

बीएलओ को दिए गए प्रशिक्षण के निर्देश

नवप्रदेश/धनबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण - एसआईआर 2026 के तहत दावा एवं आपत्ति प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को न्यू टाउन हॉल में धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारी ने क्षेत्र के सभी बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण में श्री बारी ने कहा कि दावा एवं आपत्ति का चरण चुनावी प्रक्रिया की रीढ़ है इसे शत- प्रतिशत शुद्धता के साथ



पूरा करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बीएलओ को फॉर्म 6, 7 और 8 के आवेदनों का त्वरित निस्तराण करने का निर्देश

दिया। साथ ही प्राप्त सभी दावों और आपत्तियों का स्थल सत्यापन पूरी पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने को

कहा।बीएलओ सुपरवाइजरों को निर्देश दिया गया कि वे अपने क्षेत्र के बीएलओ के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करें और भौतिक

सत्यापन शत- प्रतिशत सुनिश्चित कराएं।

ये रहीं महत्वपूर्ण तिथियां.....

श्री बारी ने बताया कि 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। 5 अगस्त से 4 सितंबर तक मतदाता दावा एवं आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक नोटिस सत्यापन और दावों-आपत्तियों का निपटारा किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने मतदाताओं से

अपील की कि वे प्रारूप सूची में अपने नाम और विवरण की जांच अवश्य करें। यदि कोई त्रुटि हो या नाम जोड़ना- हटाना हो तो समय सीमा के भीतर संबंधित बीएलओ के पास साक्ष्य के साथ आवेदन जमा करें प्रशासन ने स्पष्ट किया कि एक भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए, इसके लिए बीएलओ और सुपरवाइजरों की भूमिका निर्णायक होगी। उल्लेखनीय है कि बाघमारा और झरिया विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के लिए भी आज संबंधित क्षेत्रों में इसी तरह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

एक नजर

धनबाद में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित



नवाप्रदेश/धनबाद। स्मृति शेष दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को समाहरणालय परिसर में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन उप विकास आयुक्त सनी राज एवं सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।उद्घाटन के पश्चात डीडीसी सनी राज ने कहा कि रक्तदान जैसे मानवीय कार्य के माध्यम से गुरु जी की स्मृतियों को नमन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उनका जीवन सेवा, संघर्ष और समाज कल्याण का प्रतीक रहा है। ऐसे अवसरों पर समाज हित में आगे आना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।शिविर में प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कर्मियों और आम नागरिकों ने स्वेच्छ से रक्तदान किया।रक्तदाताओं में एसी प्रदीप कुमार शुक्ला, एनडीसी दीपक कुमार दुबे, संजय कुमार झा, रूपेश कुमार मिश्रा, रामविलास राम, आनंद कुमार पटेल, कुमार कर्मवीर, श्याम सुंदर मंडल, जोगा रेड्डी, घनश्याम दुबे, अभय प्रताप, पीयूष रंजन, उत्तम कुमार लॉ, मिथिलेश मंडल, अंबुज कुमार मंडल, संदीप कुमार डोंग, संजय कुमार शर्मा, संजीव कुमार, तुषारकांत मंडल, नाविक कुमार, उर्फ़ेद कुमार सिंह, विजय कुमार, डॉ. दिलीप कुमार, अमरजीत सिंह, नीरज कुमार प्रसाद, लोकेश्वर प्रसाद महतो सहित अन्य लोग शामिल थे।इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी धनबाद के चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, सदर अस्पताल ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. रंजेश कुमार, एसएनएमएससीएफ के एचओडी ब्लड बैंक डॉ. बीके पांडेय, ब्लड डोनर प्रोग्राम पदाधिकारी बेनजीर परवीन, लैब टेक्नीशियन शमिष्ठा चटर्जी, संजीव तुरी, शत्रुघ्न पासवान, भाग देव बाउरी, गोपाल भट्टाचार्य, अभिजीत गोर्राई, विष्णु पद कुंभकार, राजू महतो, शंभू सहानी एवं मोहम्मद अलाउद्दीन उपस्थित थे।रेड क्रॉस और सदर अस्पताल ब्लड बैंक की टीम ने शिविर में आए रक्तदाताओं की जांच के बाद रक्त संग्रह किया। शिविर को सफल बनाने में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का सराहनीय सहयोग रहा।

लोयाबाद में श्रद्धा के साथ मनाई गई दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि



नवाप्रदेश/लोयाबाद। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद, केंद्रीय कोयला खान मंत्री एवं पद्मभूषण से सम्मानित दिशोम गुरु स्व० शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि मंगलवार को पूरे क्षेत्र में श्रद्धा के साथ मनाई गई।लोयाबाद के केन्दुआ पुल स्थित कार्यक्रम स्थल पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के बैनर तले श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता जेएमएम धनबाद महागूर के संगठन सचिव ने की। इस अवसर पर केन्दुआडीह थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय ने दिशोम गुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित कार्यक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को नमन किया।वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन त्याग, संघर्ष और समर्पण का परिचायक था। झारखंड राज्य की अलग पहचान दिलाने में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही।उन्होंने आदिवासी मूलवासी,किसान,मजदूर और शोषित-वंचित वर्गों के हक- अधिकार के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही झारखंड को आगे बढ़ाया जा सकता है।सभा के दौरान कार्यक्ताओं ने रदिशोम गुरु अमर रहें और रजब तक सूरज चोंद रहेगा, बाबा तेरा नाम रहेगार के नारे लगाकर माहौल को भावुक कर दिया।कार्यक्रम में महादेव हांसदा,संजय चौहान,चांद परवेज, राम प्रसाद,साधु अंसारी,इंद्रदेव यादव,सुरेंद्र चौरसिया,महेश कुमार, मोती लाल मरांडी,शमशाद अंसारी, वित्तय कुमार सिंह,अजमल अंसारी, खेरुद्दीन अंसारी, बंटी कुमार सहित जेएमएम के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुलिस ने वारंटी को भेजा जेल

नवाप्रदेश/बाघमारा। बरोरा पुलिस ने मंगलवार को फरार वारंटी सिन्दवराटांड निवासी कैलाश मांझी उर्फ जटु को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है-उत्तेक खिलाफ माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी एम/एस साकिन्हा क्रौसर द्वारा GR संख्या 501/2021 में निर्ण (NBW) गैर जमानती वारंट के आलेख में कार्यवाई की गई। वह कई दिनों से फरार चल रहा था।

नशा मुक्ति रथ पहुंचा जमुआटांड, एलईडी और ऑडियो-वीडियो से दी गई नशे के नुकसान की जानकारी

नवाप्रदेश/बाघमारा। राज्य सरकार के नशा मुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को जागरूकता रथ बाघमारा प्रखंड के जमुआटांड गांव पहुंचा। यहां एलईडी स्क्रीन और ऑडियो -वीडियो के जरिए लोगों को नशे और मादक पदार्थों से होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया। अभियान दल ने ग्रामीणों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जीने की अपील की। रथ के माध्यम से समझाया गया कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद करता है। इस दौरान लोगों को नशे की लत से ग्रसित लोगों को इलाज के लिए प्रेरित करने और उन्हें सरकारी उपचार केंद्रों से जोड़ने को भी कहा गया। साथ ही सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर और नशा मुक्ति केंद्रों की पूरी जानकारी प्रामीणों के बीच साझा की गई।

5 अगस्त से शुरू होगा मतदाता सूची का दावा-आपत्ति चरण बाघमारा में बीएलओ को दिए गए एसआईआर 2026 के निर्देश

नवाप्रदेश/बाघमारा। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में डीआरडीए निदेशक राजीव रंजन ने वृ्थ लेवल अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि झारखंड में 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्ति की अवधि रहेगी। इस एक महीने में छूटे हुए मतदाता अपना नाम जुड़वा सकते हैं।जिनका नाम प्रारूप सूची में नहीं है या जो नए पात्र हैं वे आवेदन कर सकेंगे।अधिकारी ने बताया कि मतदाता अपना नाम वोट हेल्पलाइन ऐ,युनाव आयोग की वेबसाइट या 5 अगस्त को जारी होने वाली प्रारूप सूची में देख सकते हैं।नाम नहीं मिलने पर फॉर्म -6 भरकर आवेदन देना होगा। वहीं पाता बदलने या सुधार के लिए फॉर्म-8 जमा करना होगा। दावा- आपत्ति की अवधि में विभिन्न स्थानों पर विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे।प्राप्त आवेदनों का भैदनी सत्यापन कर रिफाई निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को सौंपा जाएगा। सभी दावों और आपत्तियों का निपटारा 3 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद 7 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।बैठक में बाघमारा प्रखंड विकास पदाधिकारी लक्ष्मण यादव, अर्चलधिकारी गिरिजानंद किस्करू और प्रशिक्षक रूपेश कुमार पांडेय भी मौजूद थे।

महावीर स्नेक्स से दर्जनों महिलाओं को मिला रोजगार

नवप्रदेश/धनबाद। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करती धनबाद की उद्यमी सुनीता अग्रवाल ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता की नई इबारत लिखी है। बिना किसी परिवारिक कारोबारी पृष्ठभूमि के उन्होंने छोटे स्तर से शुरू कर आज एक प्रतिष्ठित स्नैक्स प्रतियोग खड़ा



किया है। जोड़ाफाटक स्थित टेलीफोन एक्सचेंज रोड में संचालित महावीर स्नैक्स की संस्थापिका सुनीता अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने स्वच्छ,

हाइजीनिक और स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स बनाने के उद्देश्य से इस उद्यम की शुरुआत की थी। गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के कारण ग्राहकों का विश्वास मिला और

धीरे-धीरे कारोबार का विस्तार होता गया।

उत्पादों की विविधता बनी पहचान.....

महावीर स्नैक्स में फिलहाल झाल मिक्सचर, खट्टा-मीठा मिक्सचर, महावीर स्पेशल मिक्सचर, पापड़ी, गटिया, रायता बूंदी, चाट भुजिया, प्लेन भुजिया, स्पेशल भेल, चना दाल, मेषल लड्डू, ब्हाइट चूड़ा मिक्सचर, आलू चिप्स, मिर्च का अचार, पापड़, सुहाली, निमकी,

मसाला पापड़ी और ठेकुआ जैसे उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इन उत्पादों की मांग बढ़ने के कारण प्रतिष्ठान में नियमित रूप से बड़ी संख्या में ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं।

महिलाओं को दे रही हैं स्वावलंबन...

सुनीता अग्रवाल के इस उद्यम से न केवल कारोबार बढ़ा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर कई महिलाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए हैं। इस कार्य में उनके पति संजय

अग्रवाल भी सहयोग कर रहे हैं। सुनीता अग्रवाल का मानना है कि यदि महिलाएं आत्मविश्वास के साथ घर से बाहर निकलकर अपनी क्षमता के अनुसार कार्य शुरू करें तो सफलता निश्चित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परिवार के साथ-साथ समाज भी सशक्त होता है। फिलहाल बढ़ते ऑर्डर के कारण महावीर स्नैक्स का विस्तार किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में और अधिक महिलाओं को रोजगार मिलने की संभावना है।

धनबाद में महिला उद्यमिता की मिसाल बनीं सुनीता अग्रवाल

योग कक्षा में मनाया गया आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन, बांटे गए औषधीय पौधे

नवप्रदेश/निरसा। पंजाबी मिलन की साप्ताहिक योग कक्षा मंगलवार को विशेष रूप से सजी। आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस को यहां औषधि वितरण दिवसर के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधक, प्रशिक्षक और संस्था के पदाधिकारी पहुंचे।

इस दौरान योग और आयुर्वेद को साथ लेकर चलने पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने बताया कि किचा तरह घर के आंगन में ही कई बीमारियों की दवा उगाई जा सकती है।जिला संयोजक मनजीत सिंह ने कहा कि नियमित योग के साथ



आयुर्वेद को दिनचर्या का हिस्सा बनाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उन्होंने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय गिलोय, तुलसी, आंवला और एलोवेरा का सेवन करने वालों के

काफी राहत मिली थी। जिला प्रभारी रविंद्र प्रधान ने आचार्य बालकृष्ण के कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को आम लोगों तक पहुंचाने में उनका योगदान अहम है।

बाघमारा में मेगा प्लांटेशन, 111 पौधे रोपे गए,लायंस क्लब ने चलाया पर्यावरण अभियान

नवप्रदेश/बाघमारा। पर्यावरण बचाने और क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ लायंस क्लब बाघमारा सेंटिनल ने मंगलवार को बड़ा वृक्षारोपण अभियान चलाया। क्लब ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम, खानुडीह के परिसर में 111 पौधे लगाए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ग्रीन बाघमारा, क्लीन बाघमारा को हम सबको अपना लक्ष्य बनाना होगा। पेड़ लगाना सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन को सुरक्षित करने का काम है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। विधायक ने स्टेडियम के समग्र विकास में हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन दीपक प्रसाद ने की। उन्होंने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन के समय में वृक्षारोपण ही सतत विकास का रास्ता है। इस मेगा प्लांटेशन से इलाके में हरियाली बढ़ेगी और लोगों में पर्यावरण के प्रति चेतना भी जागेगी। उन्होंने बताया कि अटल स्टेडियम को खेल के साथ-साथ पर्यावरण के लिहाज से भी मॉडल बनाया जाएगा। आगे भी यहां सफाई, पौधारोपण और अन्य सुविधाओं पर काम होता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जौन चेवरपर्सन संतोष कुमार ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कनक कान्ति विश्वकर्मा ने दिया। इस मौके पर जौन चेवरपर्सन ने कहा कि लायंस क्लब ने नो-क्या-नो-क्या वरीयता मिलती है और किन लाभों का फायदा उठा सकते हैं। इसके साथ ही विक्रेता पंजीकरण, ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया और जेम पोर्टल पर भागीदारी के तरीकों पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने जरूरी कागजात और आवेदनों की पूरी प्रक्रिया को स्टैप-बाय-स्टैप समझाया। सम्मेलन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में एमएसई विक्रेताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी परेशानियां और सुझाव भी अधिकारियों के सामने रखे। सामग्री प्रबंधन विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल द्विवेदी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छोटे उद्यमियों में जागरूकता बढ़ती है। इससे बीसीसीएल और विक्रेता समुदाय के बीच बेहतर तालमेल बनेगा और स्थानीय उद्यमियों को कारोबार के नए मौके मिलेंगे।

बीसीसीएल ने किया एमएसई विक्रेता सम्मेलन खरीद प्रक्रिया और सरकारी लाभों की दी गई जानकारी

नवप्रदेश/बाघमारा। बीसीसीएल बरोरा 1 क्षेत्र के क्षेत्रीय सभागार में मंगलवार को सामग्री प्रबंधन विभाग की ओर से एमएसई विक्रेताओं का एक सम्मेलन आयोजित किया गया।कार्यक्रम में अधिकारियों ने सीआईएल की खरीद नियमावली, एमएसई के लिए तय प्रावधान और आरक्षण नीति के बारे में विस्तार से बताया। विक्रेताओं को यह भी बताया गया कि उन्हें टेंडर में क्या-क्या वरीयता मिलती है और किन लाभों का फायदा उठा सकते हैं। इसके साथ ही विक्रेता पंजीकरण, ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया और जेम पोर्टल पर भागीदारी के तरीकों पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने जरूरी कागजात और आवेदनों की पूरी प्रक्रिया को स्टैप-बाय-स्टैप समझाया। सम्मेलन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में एमएसई विक्रेताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी परेशानियां और सुझाव भी अधिकारियों के सामने रखे। सामग्री प्रबंधन विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल द्विवेदी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छोटे उद्यमियों में जागरूकता बढ़ती है। इससे बीसीसीएल और विक्रेता समुदाय के बीच बेहतर तालमेल बनेगा और स्थानीय उद्यमियों को कारोबार के नए मौके मिलेंगे।

धनबाद में महिला उद्यमिता की मिसाल बनीं सुनीता अग्रवाल

महावीर स्नेक्स से दर्जनों महिलाओं को मिला रोजगार

नवप्रदेश/धनबाद। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करती धनबाद की उद्यमी सुनीता अग्रवाल ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता की नई इबारत लिखी है। बिना किसी परिवारिक कारोबारी पृष्ठभूमि के उन्होंने छोटे स्तर से शुरू कर आज एक प्रतिष्ठित स्नैक्स प्रतियोग खड़ा



किया है। जोड़ाफाटक स्थित टेलीफोन एक्सचेंज रोड में संचालित महावीर स्नैक्स की संस्थापिका सुनीता अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने स्वच्छ,

हाइजीनिक और स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स बनाने के उद्देश्य से इस उद्यम की शुरुआत की थी। गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के कारण ग्राहकों का विश्वास मिला और

धीरे-धीरे कारोबार का विस्तार होता गया।

उत्पादों की विविधता बनी पहचान.....

महावीर स्नैक्स में फिलहाल झाल मिक्सचर, खट्टा-मीठा मिक्सचर, महावीर स्पेशल मिक्सचर, पापड़ी, गटिया, रायता बूंदी, चाट भुजिया, प्लेन भुजिया, स्पेशल भेल, चना दाल, मेषल लड्डू, ब्हाइट चूड़ा मिक्सचर, आलू चिप्स, मिर्च का अचार, पापड़, सुहाली, निमकी,

मसाला पापड़ी और ठेकुआ जैसे उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इन उत्पादों की मांग बढ़ने के कारण प्रतिष्ठान में नियमित रूप से बड़ी संख्या में ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं।

महिलाओं को दे रही हैं स्वावलंबन...

सुनीता अग्रवाल के इस उद्यम से न केवल कारोबार बढ़ा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर कई महिलाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए हैं। इस कार्य में उनके पति संजय

अग्रवाल भी सहयोग कर रहे हैं। सुनीता अग्रवाल का मानना है कि यदि महिलाएं आत्मविश्वास के साथ घर से बाहर निकलकर अपनी क्षमता के अनुसार कार्य शुरू करें तो सफलता निश्चित है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परिवार के साथ-साथ समाज भी सशक्त होता है। फिलहाल बढ़ते ऑर्डर के कारण महावीर स्नैक्स का विस्तार किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में और अधिक महिलाओं को रोजगार मिलने की संभावना है।

5 अगस्त 2026 को जिला के सभी मतदान केंद्रों पर प्रारूप मतदाता सूची का होगा प्रकाशन : उपायुक्त

5 अगस्त से 4 सितंबर तक चलेगा दावा-आपत्ति का चरण, नए मतदाता भी जुड़ सकेंगे

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ बैठक किया गया। उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 5 अगस्त 2026 को 19. कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके साथ ही एसएडीडीएफ सूची का भी प्रकाशन किया जाएगा। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्र पर जाकर प्रारूप मतदाता सूची का अवलोकन कर सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची में केवल उन्हीं मतदाताओं के नाम शामिल होंगे, जिन्होंने अपना हस्ताक्षरित एन्यूमरेशन फॉर्म बीएलओ के पास जमा कराया है। वहीं जो मतदाता अनुपस्थित पाए

कार्यकर्ताओं से ही पार्टी है मजबूत - डॉ. नीरा यादव
नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के मंडल पदाधिकारियों एवं बुथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विभिन्न मामलों पर चर्चा की। इस दौरान विधानसभा के विभिन्न बुथों से जुड़े बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनसे ही पार्टी मजबूत है। संगठन को मजबूत करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पार्टी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सबके भाग लेने पर जोर दिया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने इलाके और समस्याओं की भी जानकारी दी। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी, रामनाथ सिंह, संजय पासवान, चन्द्रशेखर जोशी, सुनील यादव, राजकुमार यादव, पिंटू कुमार, पारिजात सिंह, शंकर मोदी, सनी कुमार लहरी, उत्तम कुमार, पवन कुमार सिंह, अजय द्विवेदी, अजय महतो, गौरव कुमार, विनय झा, बुधेश शर्मा, विकास कुमार, सतीराम शर्मा, मुकेश कुमार, रामलाल सिंह, राजेश कुमार सिंह, मनोज गुप्ता, केवलाल कुमार, श्यामलाल सिंह, नवीन कुमार, राजू पासवान, सुनील यादव, महेंद्र ठाकुर, अर्जुन यादव, पप्पू कुमार भदानी, लक्ष्मी बरनवाल, रामचन्द्र यादव, सुनील कुमार बड़गवे, रामावतार केसरी, साकेत कुमार सिंह, नवीन चौधरी, हरिलाल सिंह, रंजीत कुमार, बैजनाथ यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिंहास के पास भीषण सड़क हादसा: गलत दिशा से आई कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक गंभीर; चालक समेत दो हिरासत में

नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां (कोडरमा)। गया -देवचर मुख्य मार्ग पर सिंहास के समीप मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मरचौड़ निवासी 32 वर्षीय मोहित कुमार, पिता रामाशीष सिंह, के रूप में हुई है। बताया गया कि मोहित नवादा से अपने गांव लौट रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही कार (बीआर 45 सी 5600) ने कथित तौर पर गलत दिशा में आकर उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक करीब 10 फीट दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल कोडरमा रेफर किया गया। बाद में परिजन बेहतर इलाज के लिए नवादा के एक निजी क्लीनिक ले गए, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि कार चालक वाहन चलाते समय बीयर पी रहा था तथा कार में सवार अन्य लोग भी नशे की हालत में थे। पुलिस ने कार चालक नवीन कुमार यादव और नीरज कुमार, दोनों निवासी नवादा, को हिरासत में लेकर कार व बाइक जब्त कर ली है। मामले की जांच जारी है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चंदवारा में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस का हुआ वितरण

नव प्रदेश संवाददाता/चंदवारा (कोडरमा): जिला परिवहन पदाधिकारी, कोडरमा के आदेशानुसार चंदवारा प्रखंड में आयोजित प्रखंड स्तरीय लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस कैप के उपरांत निर्गत लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस का वितरण किया गया। इस दौरान लाभुकों को उनके लर्निंग लाइसेंस सॉपि गए तथा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रखंड स्तर पर लगाए गए इस कैप का उद्देश्य आम नागरिकों को ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना और परिवहन विभाग की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। लाइसेंस प्राप्त करने वाले लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रखंड मुख्यालय में ही सुविधा मिलने से समय और खर्च दोनों की बचत हुई। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे और लाभुकों को सुरक्षित वाहन संचालन, यातायात नियमों के पालन तथा जिम्मेदार चालक बनने के लिए जागरूक किया गया।

सोशल मीडिया पर जिहादी सामग्री साझा करने के आरोप में युवक. युवती गिरफ्तार, एटीएस इनपुट पर माधोपुर में कार्रवाई

छापेमारी में मोबाइल, टैब, कैमरा, ट्राइपॉड, पिस्टल सह्श हथियार व अन्य सामान जब्त; डिजिटल साक्ष्य फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए
नव प्रदेश संवाददता

सतगावां (कोडरमा)। थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव में सोशल मीडिया के माध्यम से कथित रूप से देश विरोधी और जिहाद समर्थक सामग्री साझा करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई



गए, अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके हैं, जिनका निधन हो चुका है, जिनका नाम एक से अधिक मतदान केंद्रों पर दर्ज है अथवा जो विदेश में स्थायी रूप से निवास कर रहे हैं, उनके नाम एसएडीडीएफ सूची में अंकित होंगे। उपायुक्त ने कहा कि एसआईआर के आगामी चरण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

5 अगस्त से 4 सितंबर

मरकच्चो में विशेष शिविर आयोजित, दर्जनों लाभुकों को वितरित किए गए लर्निंग लाइसेंस

तक चलेगा दावा. आपत्ति का चरण
उपायुक्त ने बताया कि 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान जिन मतदाताओं का नाम अनमैूख सूची में है अथवा जिनके नाम में किसी प्रकार की विसंगति है,उन्हें ईआरओ द्वारा नोटिस निर्गत किया जाएगा बीएलओ उनके घर जाकर निर्धारित दस्तावेज प्राप्त करेंगे।

मरकच्चो में विशेष शिविर आयोजित, दर्जनों लाभुकों को वितरित किए गए लर्निंग लाइसेंस

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को विशेष शिविर आयोजित कर दर्जनों लोगों के बीच लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस का वितरण किया गया। शिविर की अध्यक्षता अंतलाधिकारी परमेश्वर कुशाहा ने की। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो, एमवीआई जोसफ टोप्पो तथा आईटी असिस्टेंट अधिषेक मराडी ने लाभुकों को लर्निंग लाइसेंस सौंपे। लाइसेंस प्राप्त करने वालों में मनोरमा कुमारी, सुरेंद्र साव, असगर अली, राहुल कुमार, सोनू यादव, सूरज यादव, शमसुद्दीन अंसारी, बबलू कुमार समेत दर्जनों आवेदक शामिल रहे। अधिकारियों ने लाभुकों से यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित वाहन चलाने तथा नियमित रूप से वैध दस्तावेज साथ रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से लोगों को सरल और पारदर्शी तरीके से सरकारी सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

रोटरैक्ट क्लब ऑफ कोडरमा युवा को मिला नया नेतृत्व, वर्ष 2026. 27 की कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न

युवा नेतृत्व और सेवा को मिलेगी नई दिशा, शुभम कुमार बने रोटरैक्ट क्लब ऑफ कोडरमा युवा के अध्यक्ष

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। रोटरी क्लब कोडरमा के तत्वावधान में रोटरैक्ट क्लब ऑफ कोडरमा युवा की वर्ष 2026. 27 की नई कार्यकारिणी (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) का सर्वसम्मति से चुनाव रोटरी भवन में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया जून-09 के सहायक मंडलाध्यक्ष रोटेरियन अमित कुमार की निगरानी में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के नामों पर सर्वसम्मति से अपनी सहमति प्रदान की। चुनाव के बाद शुभम कुमार को क्लब का अध्यक्ष चुना गया। पूर्व अध्यक्ष (आईपीपी) के रूप में आशीष शर्मा, प्रेसिडेंट इलेक्ट (2027. 28) के रूप में श्रेष्ठ भदानी, सचिव के रूप में सौरभ शर्मा तथा कोषाध्यक्ष के रूप में सत्यम कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं प्रवीण जोशी को क्लब



प्रशासन निदेशक तथा आशीष शर्मा को सेवा परियोजना निदेशक बनाया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा के अध्यक्ष नवीन आर्य, सचिव मोहक सुल्तानिया, पूर्व अध्यक्ष सुरेश जैन, कैलाश चौधरी एवं कुमार पूजारा सहित कई वरिष्ठ रोटेरियन मौजूद रहे। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। रोटरी क्लब के अध्यक्ष नवीन आर्य ने कहा कि नई टीम युवा नेतृत्व को मजबूत करते हुए समाज सेवा, नेतृत्व

सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नोटिस एवं सत्यापन की अवधि 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तथा दावा-आपत्ति के निस्तारण की अवधि भी 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

नए मतदाता भी जुड़ सकेंगे

उपायुक्त ने कहा कि 5 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नए मतदाताओं को जोड़ने के उद्देश्य से विशेष हैशटैग न्यू वोटर अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिन भारतीय नागरिकों की आयु 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे फॉर्म. 6 एवं घोषणा-पत्र भरकर अपने बीएलओ के पास जमा कर मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं। ऐसे पात्र नागरिक, जो पूर्व में एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं कर सके थे, वे भी फॉर्म. 6 एवं घोषणा- पत्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त

शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर झामुमो ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

'गुरुजी एक व्यक्ति नहीं, विचारधारा हैं : बीरेंद्र पांडेय



उसे साकार करने का संकल्प सभी कार्यकर्ताओं ने दोहराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे ने तथा संचालन जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने किया। श्रद्धांजलि गंगा प्रसाद यादव, इस्लाम अंसारी, रामेश्वर मुर्मू, शालिनी

गुप्ता, मो. सद्दाम, रविंद्र शांडिल्य, रामचंद्र सिंह, वीरेंद्र मिश्रा, उमेश यादव, विश्वनाथ राय, दीपक नवीन, प्रदीप चौधरी, ओनाम प्रिया, गुड्डिया देवी, मनोज यादव समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी, महिला मोर्चा की सदस्याएं एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑपरेशन 'सतर्क' में आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, गझंडी स्टेशन से 126 कैन बीयर बरामद

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन सतर्क के तहत गझंडी रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लावारिस ट्रॉली बैग से 126 कैन बीयर बरामद की गई। निरीक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में गश्ती के दौरान दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस (13233) के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर पहुंचने पर ट्रेन की जांच की गई। इस दौरान बाथरूम के पास संदिग्ध अवस्था में पड़े दो ट्रॉली बैग मिले। यात्रियों से पूछताछ के बावजूद किसी ने उन पर दावा नहीं किया। तलाशी लेने पर एक बैग से 66 तथा दूसरे से 60 कैन किंगफिशर स्ट्रॉन प्रीमियम बीयर बरामद हुई। जब बीयर की कुल क्षमता 63 लीटर तथा अनुमानित कीमत 18,900 रुपये बताई गई। ट्रेन के बम ठहराव के कारण तस्कर का पता नहीं चल सका। आरपीएफ ने जब बीयर के अग्रिम कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग, कोडरमा को सौंप दिया है।

नव प्रदेश संवाददाता/हजारीबाग। जिला के बरही अनुमंडल अंतर्गत ऐतिहासिक बरही चौक पर झारखंड आंदोलन के प्रणेता, जल. जंगल. जमीन के रक्षक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्मभूषण से अलंकृत आदरणीय स्व. शिबू सोरेन जी की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम भावपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। आज दिशोम गुरु जी की प्रथम पुण्यतिथि भी है, और इस पावन अवसर पर बरही की धरती पर प्रतिमा का अनावरण होना पूरे हजारीबाग जिलावासियों के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी संदेश है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग झारखंड, पूर्व विधायक, बरकट्टा जानकी प्रसाद यादव, संजीव बेदिया जी (झामुमो जिलाध्यक्ष, हजारीबाग) शामिल हुए, दोनों नेताओं ने दिशोम गुरु जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें ससम्मान नमन किया और उनके संघर्षों को याद किया।अध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी का बरही से बेहद गहरा और ऐतिहासिक संबंध रहा है। झारखंड आंदोलन के संघर्षपूर्ण दिनों में वे समय. समय पर इसी बरही चौक पर आकर जनता में उलगुलान की अलख जगाते थे और लोगों से आंदोलन का हिस्सा बनने का आह्वान करते थे। देखा जाए तो गुरुजी मूल रूप से हजारीबाग जिले के ही निवासी रहे हैं. भले ही अब रामगढ़ जिला हजारीबाग से पृथक हो गया है। आज उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर यह प्रतिमा स्थापित होना एक ऐतिहासिक क्षण है। इस उपलक्ष्य में बरही चौक का नामकरण 'शिबू सोरेन चौक' करने की इस शानदार पहल के लिए जिला प्रशासन को बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएं एवं साधुवाद, मौके पर भारी संख्या में झामुमो नेता, कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित थे।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हरसंभव प्रयास होगा : प्रमुख

लाभुकों के बीच आवासीय, जाति, आव व ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र का वितरण

नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच। प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को प्रखंड प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव ने क्षेत्र के विभिन्न लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान ग्रामीणों ने भूमि, आवास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, प्रमाण-पत्र निर्गमन सहित अन्य जनहित से जुड़े मामलों से अवगत कराया। प्रखंड प्रमुख ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए लोगों को आश्वस्त किया कि प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान कराया जाएगा। प्रखंड प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव ने कहा कि, जनता की सेवा ही उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, आम लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले और उन्हें कार्यालयों का अनावश्यक चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं प्रखंड कार्यालय में आवासीय, जाति, आय एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) प्रमाण-पत्र के निर्गमन एवं वितरण के लिए विशेष कैप जो 7 अगस्त तक संचालित होगा, आयोजित शिविर में प्रखंड प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव ने कई लाभुकों के बीच आवासीय, जाति, आय एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र का वितरण किया। उन्होंने कहा कि विशेष कैप का उद्देश्य आम नागरिकों को एक ही स्थान पर त्वरित एवं पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराना है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि जिन लोगों को इन प्रमाण-पत्रों की आवश्यकता है, वे 7 अगस्त तक प्रखंड कार्यालय पहुंचकर शिविर का लाभ अवश्य उठाएं। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड कार्यालय में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। मौके पर डोमचांच सीओ रविंद पाण्डेय, सीआई सुरेश सिंह के साथ अन्य मौजूद थे।

रामपुर प्लस टू विद्यालय में स्टाफ शौचालय को लेकर विवाद, शिक्षिका ने डीईओ से की जांच की मांग

नवप्रदेश/वीपारण। प्रखंड के प्रोजेक्ट प्लस टू उच्च विद्यालय, रामपुर में स्टाफ शौचालय के उपयोग को लेकर विवाद सामने आया है। विद्यालय की महिला शिक्षिका रीना कुमारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी हजारीबाग को आवेदन देकर विद्यालय प्रबंधन पर शिक्षकों के उपयोग में आने वाले शौचालय में ताला लगाने का आदेश जारी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। डीईओ को दिए आवेदन में शिक्षिका ने कहा है कि विद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के उपयोग के लिए केवल एक ही चालू स्टाफ शौचालय है। आरोप है कि विद्यालय की आदेशीय पुस्तिका में 8 जुलाई 2026 को दर्ज आदेश के अनुसार तीन दिनों के बाद उक्त शौचालय में ताला लगाने का निर्देश दिया गया। इसके बाद शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को छात्र-छात्राओं के शौचालय का उपयोग करने के लिए कहा गया, जो कर्मचारियों के लिए असुविधाजनक होने के साथ-साथ विद्यालय की व्यवस्था और छात्र-छात्राओं की निजता के दृष्टिकोण से भी उचित नहीं है। आवेदन में कहा गया है कि शौचालय कर्मचारियों की मूलभूत सुविधा है और बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए उसे बंद करना कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सम्मान तथा कार्यस्थल की गरिमा के विपरीत है। वहीं, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार यादव ने आरोपों को भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। उन्होंने कहा कि जिस शौचालय को बंद करने की बात कही जा रही है, वह प्रधानाध्यापक कक्ष के अंदर स्थित है और उसका उपयोग पदस्थ प्रधानाध्यापक के लिए निर्धारित है। विद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए अलग स्टाफ शौचालय उपलब्ध है, जिसका नियमित उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी शौचालयों के बाहर उनके उपयोगकर्ताओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया है तथा प्रधानाध्यापक कक्ष स्थित शौचालय के संबंध में जारी आदेश विभागीय नियमों के अनुरूप है। इसकी लिखित सूचना पूर्व में ही जिला शिक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग को भी भेजी जा चुकी है। अब मामले में विभागीय जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पासी टोला में पेयजल संकट दूर, मुखिया के प्रयास से लगा नया चापाकल

नवप्रदेश/वीपारण। प्रखंड की दैहर पंचायत के चर्चित पासी टोला में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या का समाधान हो गया है। पंचायत के मुखिया ब्रह्मदेव भुइया के प्रयास से टोला में नया चापाकल स्थापित कर ग्रामीणों को समाप्त कर दिया गया। पिछले लगभग एक माह से पेयजल संकट ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बना हुआ था और इसे लगातार प्रमुख मुद्दे के रूप में उठाया जा रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि चापाकल लगाने से अब पासी टोला के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। पहले लोगों को पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, जिससे काफी परेशानी होती थी। नया चापाकल चालू होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। मुखिया ने कहा कि पंचायत क्षेत्र के प्रत्येक गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। जहां भी पेयजल जैसी आवश्यक समस्याओं की जानकारी मिलती है, वहां त्वरित समाधान का प्रयास किया जाता है। उन्होंने ग्रामीणों से चापाकल के रखरखाव में सहयोग करने की भी अपील की।चापाकल के उद्घाटन के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया। ग्रामीणों ने मुखिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रयास की सराहना की। समाजसेवी नागेंद्र कुमार ने भी इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि समय पर पेयजल समस्या का समाधान होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्यों को इसी तरह प्राथमिकता देने की अपील की।

मतदाता सूची में केवल नाम होना प्रयास नहीं, मतदाता सूची के प्रत्येक बिंदु की जांच करें : निसार खान

हजारीबाग : जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष निसार खान ने हजारीबाग जिले के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत प्रत्येक नागरिक का मतदान का अधिकार है । इसलिए पांच अगस्त के बाद एसआईआर 2026 का झाप मतदाता सूचि प्रकाशित हो, तब केवल यह देखकर वापस न लौटें कि आपका नाम मतदाता सूची में मौजूद है, बल्कि अपने नाम से संबंधित प्रत्येक बिंदु की गंभीरता से जांच अवश्य करें । उन्होंने कहा कि अवसर यह देखा जाता है कि मतदाता सूची में तो दर्ज रहता है, लेकिन नाम की वर्तनी, फोटो, पता, मतदान केन्द्र, भाग संख्या, क्रमांक संख्या अथवा अन्य विवरणों में त्रुटियां रह जाती है। ऐसी छोटो-छोटी गतिविधियां भविष्य में मतदान के समय अनावश्यक परेशानियों का कारण बन सकती है । इसलिए प्रत्येक मतदाता का यह दायित्व है कि वह अपने विवरण की पूरी जांच कर समय रहते अनावश्यक सुधार कराए । खान ने कहा कि मतदाताओं को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सूची में उनके नाम की स्पष्टिग सही हो, फोटो उन्ही की हो, र्थायी पता सही दर्ज हो, भाग संख्या एवं क्रमांक संख्या सही अंकित हो, तथा कोई विशेष टिप्पणी गलत तरिके से दर्ज न हो । यदि इनमें से किसी बिंदु पर त्रुटि दिखाई देती है तो संबंधित निर्वाचन पदाधिकारी यह बुध स्तर पर के अधिकारी (बीएलओ) से सम्पर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तत्काल सुधार करा दें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए ।



7वीं राज्य स्तरीय योगासन चैंपियनशिप में रोहतास का शानदार प्रदर्शन

12 पदकों के साथ बना प्रथम रनर-अप

नवप्रदेश/पटना। बिहार योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में पाटलिपुत्र इंडोर कॉम्प्लेक्स, पटना में आयोजित 7वीं राज्य स्तरीय योगासन चैंपियनशिप में रोहतास जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम रनर-अप का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में बिहार के लगभग 28 जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पटना विजेता, रोहतास प्रथम रनर-अप तथा बेतिया द्वितीय रनर-अप रहा। रोहतास की लगभग 30 सदस्यीय टीम ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण, 2 रजत



एवं 4 कांस्य सहित कुल 12 पदक जीते। इस उपलब्धि पर रोहतास टीम को प्रथम रनर-अप की ट्रॉफी बिहार के खेल महानिदेशक एवं खेल प्राधिकरण के महानिदेशक

रविंद्रन शंकरन ने प्रदान की। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस सफलता के पीछे जिला

या हुसैन-या हुसैन के नारों से गूंजा हसन बाजार

नवप्रदेश/पीरो। पीरो प्रखंड के हसन बाजार स्थित कातर गांव में कर्वला के शहीदों की याद में चेहल्लूम का जुलूस श्रद्धा, अनुशासन और भाईचारे के माहौल में निकला गया। एखलाहुल मुस्लेमिन कमिटी के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। आकर्षक फूलों से सजे ताजिया को कातर पूर्वी चौक से निर्धारित मार्गों से होते हुए हसन बाजार तक ले जाया गया। पूरे रास्ते रया हुसैनर के गगनभेदी नारों से वातावरण गुंजाता रहा । चेहल्लूम पर्व को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन से पूर्व कमिटी और ग्रामीणों ने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखा तथा सुविधा के लिए पेयजल व जलपान की समुचित व्यवस्था की। जुलूस विभिन्न मार्गों से होते हुए शांतिपूर्ण वातावरण में अपने गंतव्य तक पहुंचा। पर्व को लेकर स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। एक्सआई राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल पूरे जुलूस के दौरान तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी गई। प्रशासन की मौजूदगी में आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजन की अगुवाई मोबिन अंसारी (खलीफ़ा) व फिरोज आलम ने की। आयोजन को सफल बनाने में रसीद अंसारी, हारून रशीद, सेजान अंसारी, मेराज, असगर, अब्दुल, इश्राद, शाकिर तथा अब्दुल खालिक सहित कमिटी के सभी सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों की सराहनीय भूमिका रही।

एटक के उप महासचिव बने ओम प्रकाश क्रांति, चम्पारण के श्रमिक आंदोलन को मिली नई पहचान

नवप्रदेश/बेतिया। पश्चिम चम्पारण के श्रमिक आंदोलन के लिए गौरवपूर्ण खबर सामने आई है। खगड़िया में आयोजित आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) के 24वें राज्य सम्मेलन में गठित नई राज्य कार्यसमिति में जिले के वरिष्ठ श्रमिक नेता ओम प्रकाश क्रांति को उप महासचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके मनोनयन से पश्चिम चम्पारण सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों में खुशी का माहौल है। ओम प्रकाश क्रांति के उप महासचिव बनने पर किसान, मजदूर, आंगनबाड़ी, आशा, रसोईया एवं सफाई कर्मचारी संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए इसे चम्पारण के श्रमिक आंदोलन के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।बधाई देने वालों में किसान सभा के सयामोहन यादव, अशोक मिश्र और बल्लू दूबे, रसोईया यूनियन के लालबाबू राम, रामाश्रम हजरा, शंभुनाथ मिश्र और वीणा देवी, आशा संघ की आरती, साधना, वेणु, सुनीता, परशुराम ठाकुर और सुब्बा, आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन की सुमन वर्मा, अजय वर्मा, सीमा, सरिता शुक्ला, शिल्पी, गोदावरी, सीता, स्नेहलता, पम्मी, अर्पण, प्रभा और हसीना, सफाई कर्मचारी यूनियन के विनय बागी, समाजसेवी नेहाल अहमद, नौजवान संघ के तारीक और इद्रू सहित विनय श्रीवास्तव एवं अन्य नेताओं ने शुभकामनाएं दीं।

विधायक के प्रयास से बाघ हमले के मृतक के परिजनों को 10 लाख का मुआवजा

नवप्रदेश/वाल्मीकिनगर। वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्र में बाघ के हमले में जान गंवाने वाले स्वर्गीय अकलू यादव के परिजनों को वन विभाग द्वारा 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। यह सहायता वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वन प्रमंडल-2) के अधिकारियों ने उपलब्ध कराई। बताया गया कि वाल्मीकिनगर विधायक के प्रयास और पहल के बाद मुआवजा राशि शीघ्र स्वीकृत कर परिजनों को उपलब्ध कराई गई। विधायक ने बताया कि नौरंगिया एवं सिरौंसिया क्षेत्र में बाघ और मगरमच्छ के हमले में मृत अथवा घायल हुए लोगों को भी निश्चानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पात्र सभी पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द सहायता राशि उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान विधायक ने जंगल से सटे क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिना पर्याप्त सुरक्षा के वन क्षेत्र या उसके आसपास स्थित खेतों में जाने से बचें तथा अकेले जंगल की ओर न जाएं। विधायक ने वन विभाग से भी आग्रह किया कि जंगल के आसपास बसे गांवों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि लोगों को जंगली जानवरों से बचाव के उपायों की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि वन विभाग और स्थानीय प्रशासन के समन्वित प्रयास से मानव-वन्धजीव संघर्ष की घटनाओं में कमी लाई जा सकती है तथा ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

चाय के पैसे मांगना पड़ा भारी! बख्तियारपुर में पुलिसकर्मियों पर चाय विक्रेता की पिटाई का आरोप, जांच शुरू

नवप्रदेश/पटना। राजधानी पटना के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों पर एक चाय विक्रेता के साथ मारपीट और बदसलूकी का गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि चाय पीने के बाद जब दुकानदार ने पैसे मांगे तो पुलिसकर्मी भड़क गए और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए सरेंआम मारपीट कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पीड़ित अपनी आपबीती सुनाते हुए न्याय की गुहार लगा रहा है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, घटना फोरलेन के पास स्थित एक चाय दुकान की है। आरोप है कि पुलिस वाहन से पहुंचे कुछ पुलिसकर्मियों ने दुकान पर चाय पी। जब



दुकानदार ने चाय के पैसे मांगे तो पुलिसकर्मियों ने पहले उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और फिर थप्पड़ मारने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इसके बाद वाहन में मौजूद अन्य पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए और सभी ने मिलकर चाय विक्रेता

की पिटाई की।पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसका सिर फोड़ दिया गया और उसे घसीटते हुए अपने साथ ले जाने की भी कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि मौके पर बख्तियारपुर थाना में तैनात एक जमादार और दो होमगार्ड भी

योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, रोहतास की महासचिव तिलोत्थू निवासी सावली सिन्हा के निरंतर प्रयास और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने प्रतियोगिता में टेक्निकल ऑफिसर के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उनके नेतृत्व में जिले में योगासन खेल लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

प्रतियोगिता के दौरान जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, रोहतास के उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी ओमप्रकाश पूरे समय टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने

बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बढ़हाल गुरली रमगढ़वा हाल्ट, यात्रियों ने रेलवे से की सुधार की मांग

नवप्रदेश/नरकटियागंज।

गोरखपुर-नरकटियागंज रेल प्रखंड पर स्थित गुरली रमगढ़वा हाल्ट रेलवे स्टेशन इन दिनों मूलभूत सुविधाओं के अभाव और बढ़हाल व्यवस्था से जूझ रहा है। जर्जर स्टेशन भवन, उखड़ता प्लास्टर, प्लेटफॉर्म पर फैली झाड़ियां और परिसर में उगी घास-फूस यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं।सिसवा रेलवे स्टेशन से करीब पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस हाल्ट पर गोरखपुर खास से नरकटियागंज के बीच चलने वाली चार जोड़ी सवारी गाड़ियां रुकती हैं।

इसके बावजूद स्टेशन पर बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और पर्याप्त प्रकाश जैसी आवश्यक सुविधाओं का अभाव है। स्थानीय लोगों का कहना है कि झाड़ू-झंखाड़ के कारण परिसर में बिपैले साँपों का खतरा भी बना रहता है, जबकि बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है।स्थानीय निवासी मकबूल, रामनगीना,

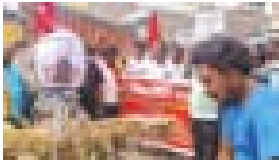
खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए हर स्तर पर सहयोग और मार्गदर्शन दिया, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल और मजबूत हुआ। टीम प्रभारी अदिति कुमारी ने खिलाड़ियों के समन्वय एवं व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया। वहीं राजीव रंजन मेहता उर्फ सोनू कुमार (काजी भैया) ने स्वयं प्रतियोगिता में भाग लेने के साथ-साथ अपने मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूरे आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। उनके वीडियो और मीडिया कवरेज की व्यापक सराहना हुई, जिससे योगासन खेल और



राधेमोहन, श्रीनिवास और विश्वकर्मा ने बताया कि हाल्ट की टिकट खिड़की भी अधिकांश समय बंद रहती है। ऐसे में यात्रियों को या तो बिना टिकट यात्रा करने पड़ती है या फिर सिसवा अथवा खड्डा स्टेशन से टिकट लेना पड़ता है, जिससे उन्हें अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ता है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, हाल्ट स्टेशन के संचालन का ठेका छह माह पहले ही समाप्त हो चुका है और अब तक नया ठेका जारी

दो सूत्री मांगों को लेकर सफाई कर्मियों की हड़ताल छठे दिन भी जारी

नवप्रदेश/महुआ/वैशाली। ऑल इंडिया म्यूनिसिपल वर्कर्स एसोसिएशन के बैनर तले बिहार के विभिन्न नगर निकायों में सफाई कर्मियों की दो सूत्री मांगों को लेकर चल रही राज्यव्याअनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को छठे दिन भी जारी रही। एसोसिएशन का दावा है कि वैशाली, महुआ, पटना, गया, भागलपुरनरकटियागंज, बेतिया, लौरिया, जंदाहा, नौबतपुर, बेगूसराय समेत कई नगर निकायों के करीब 70 प्रतिशत सफाई कर्मी हड़ताल में शामिल हैं।एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सरकार से सम्मानजनक वार्ता और समझौते की दिशा में पहल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मी प्रतिदिन सुबह तीन-चार बजे से शहरों की सफाई में जुट जाते हैं, लेकिन उन्हें आउटसोर्सिंग व्यवस्था के तहत मात्र 26 दिनों के दैनिक मजदूरी और लगभग आठ हजार रुपये मासिक वेतन पर काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है। रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने आरोप लगाया कि आउटसोर्सिंग व्यवस्था और श्रम कानूनों में बदलाव के



कारण सफाई कर्मियों की स्थिति लगातार खराब हुई है। उन्होंने कहा कि अनुकंपा निशुक्ति में शैक्षणिक योग्यता की शर्त लागू होने से कर्मचारियों के आश्रितों के भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक तंगी के कारण सफाई कर्मियों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है।एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार उनकी दो प्रमुख मांगें-दैनिक वेतनभोगी, सविदा एवं आउटसोर्स कर्मियों की सेवाओं को नियमित करना तथा आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त करना-स्वीकार नहीं करती, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी।इस दौरान विक्की मलिक, सुनील सुपरवाइजर, मुकेश राउत, अशोक कुमार मलिक, किरण देवी, विकास राउत, संजीत मलिक, मनोज राउत, संगीता देवी, अजय कुमार, अरुण मलिक और लक्ष्मण मलिक सहित कई कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

पटना में छात्रों का उग्र प्रदर्शन, सीएम आवास घेराव से पहले पुलिस ने वाटर कैनन से रोका

नवप्रदेश/पटना। बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार को छात्र-युवा संघर्ष मोर्चा के बैनर तले विभिन्न वामपंथी छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पांच सूत्री मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकर्मी छात्रों ने रामगुलाम चौक से मुख्यमंत्री आवास के घेराव के लिए जुलूस निकाला। शुरुआत में पुलिस ने गांधी मैदान के गेट संख्या-12 के पास छात्रों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकर्मी वहां से आगे बढ़ते हुए डाकबंगला चौराहे की ओर निकल पड़े। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और छात्रों को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन पहले से ही पूरी तरह सतर्क था। जेपी गोलंबर, इनकम टैक्स चौराहा और डाकबंगला क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस दौरान कुछ स्थानी पर छात्रों और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई, हालांकि पुलिस ने हालात पर नियंत्रण बनाए रखा। छात्र-युवा संघर्ष मोर्चा के प्रदर्शनकर्मी अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। फिलहाल पुलिस ने डाकबंगला चौराहे के पास बैरिकेडिंग कर छात्रों को आगे बढ़ने से रोक दिया है। स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है।

एक नजर

बेतिया रेलवे स्टेशन पर, मानव तस्करी,बालश्रम, महिला सुरक्षा को लेकर रेल प्रशासन जागरूक

नवप्रदेश/बेतिया। स्थानीय बेतिया रेलवे स्टेशन पर,रेलवे पुलिस के द्वारा एक जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसकेअंतर्गत इस बात की जानकारी दी गई कि अनजान व्यक्तियों पर विश्वास कभी नहीं करें, अनजान व्यक्तिअपने जाल में फंसा कर,कई तरह का प्रलोभन देकरआपको ठगने का काम करेगा, विशेष कर रेलवे स्टेशन, बसरस्टैंड,बाजार,मॉल, होटल के चारोंओर इस तरह के जालसाज खड़े रहते हैं,जोआपकी क्रिया प्रतिक्रिया को देखकर अलग से नजर बनाए रखते हैं,ऐसे लोगों से हमेशा सतर्क रहने की जरूरत है। इसी क्रम में,रेलवे पुलिस के द्वारा बेतिया स्टेशन पर मानव तस्करी,बालश्रम व महिला सुरक्षा को लेकर रेल प्रशासन कीओर से जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया,ताकि रेलवे स्टेशन पर दूर दराज के सफ़र करने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े,रेल यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को किसी प्रकार काअसुविधा, असहजता नहीं महसूस करें,उनकी यात्रा पर पहलू से सफल हो सके।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ चेहलूम

नवप्रदेश/दादवा (रोहतास)। मुहर्रम के 40वें दिन मंगलवार को बम्बनौल में चेहलूम शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। इमाम हुसैन की शहादत की याद में सुबह से मजलिसें हुई। इसके बाद मुख्य मार्गों से ताजिया जुलूस निकाला गया। अकीदतमंदों ने नौहा और मातक के साथ जुलूस में हिस्सा लिया। शांति व्यवस्था हेतु पुलिस बल तैनात रह. प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से कार्यक्रम बिना किसी बाधा के संपन्न हुआ। दोनों समुदायों के लोगों ने भाईचारे की मिसाल पेश की।

'नीतीश कुमार मुख्यमंत्री रहते तो बांकीपुर का नतीजा अलग होता' : अनंत सिंह

नवप्रदेश/बांकीपुर। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद बिहार की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा की हार को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने बड़ा राजनीतिक बयान देते हुए दावा किया कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद पर बने रहते तो बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम अलग होता।मंगलवार को मीडिया से बातचीत में अनंत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के हटने के बाद जनता के बीच यह संदेश गया कि भाजपा ने उन्हें पद से हटाया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि वास्तविकता यह नहीं है और नीतीश कुमार ने अपनी इच्छा से मुख्यमंत्री पद छोड़ा था, लेकिन जनता इस बात को स्वीकार नहीं कर पाई।उन्होंने कहा, रणनता मालिक हैं। जिसे चाहे जितना दे और जिसे चाहे हरा दे। वोट किसी दुकान से खरीदकर नहीं लाया जाता। लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता ही करती है। अनंत सिंह ने कहा कि जनता ने नीतीश कुमार के नेतृत्व और उनके कर््यों पर भरोसा कर वोट दिया था। ऐसे में उनके मुख्यमंत्री पद छोड़ने से मतदाताओं के बीच असंतोष पैदा हुआ, जिसका असर बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों में देखने को मिला। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को लगा कि इतने वर्षों तक बिहार का नेतृत्व करने वाले नेता को आचानक मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया, इसलिए मतदाताओं ने चुनाव में अपनी नाराजगी जाहिर की।वहीं, बांकीपुर उपचुनाव में राउत प्रत्याशी की जमानत जम्द होने के सवाल पर भी अनंत सिंह ने विषय पर तीखा हमला बोला और चुनाव परिणाम को जनता का स्पष्ट जनादेश बताया।

बीएसटीए के शिष्टमंडल ने शिक्षकों की समस्याओं को लेकर डीईओ और डीपीओ से मिलकर सौंपा मांग-पत्र

नवप्रदेश/आरा। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षक नेताओं ने शिक्षकों की समस्याओं के संदर्भ में डीईओ मानदेव् राय और डीपीओ द्वय शारिक असरफ व नाजिश अली से मिलकर मांग पत्र सौंपा। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष प्रमोद राय, जिला सचिव संतोष सिंह और राज्य कार्यसमिति सदस्य आनंद पाण्डेय के नेतृत्व में डीईओ ऑफिस पहुंचे शिष्टमंडल में शामिल शिक्षक नेताओं में आनंद सिंह, राकेश सिंह, राकेश लाल, प्रमोद राम, बाल गंगाधर तिलक, क्षीतीश भूषण पाण्डेय, अभय सिंह और रितेश अझा थे। जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपे गये मांग पत्र में संघ को प्रचालाध्यापक बैठक की सूचना से असगत कराना, ईपीएफ की बकया राशि का अविलंब भुगतान कराना, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से आवेदन की प्राप्ति रसीद दिया जाना, शिक्षकों को बीएलओ कार्य से मुक्त किया जाना, शैक्षिक परिक्षमण की राशि का भुगतान किया जाना और प्रभारी प्रधानाध्यापक बनाये जाने में पारदर्शिता बरतना शामिल हैं। संघ द्वारा उपलब्ध कराये मांग पत्र को डीईओ ने एक-एक मांग का अवलोकन किया और संघ के प्रतिनिधियों को इन मांगों को लेकर सहानुभूतिपूर्वक सार्थक कार्रवाई किये जाने को लेकर आश्वस्त किया।

कृषि भूमि विवाद में दो पक्षों के बीच गांव में हुई हिंसक झड़प, पुलिस द्वारा कैप जारी

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मानपुर पंचायत अंतर्गत बलुआही गांव में 3 अगस्त सोमवार की शाम को दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर जोरदार हिंसक झड़प हुई। दोनों पक्षों से मिली जानकरी अनुसार,पूर्व के रंजिश और कृषि भूमि संबंधी विवादों को लेकर दोनों गुटों के बीच तीखी बहस होने लगी। जिसने देखते ही देखते डुमरिया गांव और बलुआही गांव के लोगों के बीच झगड़ा ने हिंसक रूप ले लिया। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व की रंजिश के कारण दोनों पक्षों के लोग कृषि भूमि पर अपनी अपनी दावेदारी करते हुए आमने-सामने आ गए। इसके बाद कहासुनी इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के तरफ से जमकर लाठी-डंडे, ईंट,पत्थर और थारदार हथियार चलने लगा। जिस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों से दर्जनों से अधिक लोग जखमी हो गए। जिन्हें स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र व बिक्रमगंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी तरफ इस समर्थ में बिक्रमगंज एसडीपीओ सिंधु शेखर ने कहा कि हिंसक घटना की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाना पुलिस की टीम दलबल के साथ बलुआही गांव पहुंच मोर्चा संभालते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया।

बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत पर मझौलिया में जश्न

नवप्रदेश/मझौलिया। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनसुराज के संस्थापक टयॅरॅल३ ब्रॅड्ज़ की जीत के बाद मझौलिया में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। सोमवार को जनसुराज के प्रखंड अध्यक्ष विकास पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की, एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और जीत की खुशी साझा की।कार्यकर्ताओं ने इस जीत को बिहार की राजनीति में सकारात्मक बदलाव और जनता के विश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह जनसुराज की नीतियों, संगठन की मेहनत और जनता के समर्थन की जीत है। साथ ही विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में पार्टी पूरे राज्य में और अधिक मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति ज्ज्व करायीगी।जश्न के दौरान पार्टी समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी की। नेताओं ने कहा कि जनता ने विकास, पारदर्शिता और नई राजनीति के पक्ष में अपना विश्वास-सामने आ गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस जीत को जनसेवा के संकल्प के रूप में आगे बढ़ाने और संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर जनसुराज के सोशल मीडिया प्रशासी नेहाल आलम, युवा प्रखंड अध्यक्ष आशिफ जमाल, व्यवसायिक प्रखंड अध्यक्ष राजेश्वर महतो सहित बड़ी संख्या मेंकार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे का मुंह मीठा करारकर पार्टी नेतृत्व को बधाई दी तथा भविष्य में भी संगठन को मजबूत बनाने और आम लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प दोहराया।



संक्षिप्त खबरें

डॉ. डी.वाई. पाटिल के निधन पर प्रधानमंत्री ने जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पद्मश्री से सम्मानित शिक्षाविद, समाजसेवी तथा त्रिपुरा, बिहार और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल डॉ. डी.वाई. पाटिल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, डी.वाई. पाटिल परोपकार और विशेष रूप से शिक्षा के माध्यम से समाज की सेवा में अग्रणी रहे। उन्होंने हमेशा दूसरों, विशेषकर गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्य किया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ डॉ. पाटिल के साथ मुलाकात की एक पुरानी तस्वीर भी साझा की। डॉ. डी.वाई. पाटिल का मंगलवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। वह वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहे और त्रिपुरा, बिहार तथा पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके थे। उन्होंने देशभर में 180 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की, जिनमें एक लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

ट्राई ने स्पैम कॉल, एसएमएस पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में अवांछित वाणिज्यिक संप्रेषण (यूसीसी) यानी स्पैम कॉल और एसएमएस को लेकर 1.83 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों (नंबर, एसएमएस एवं टेलीफोन कनेक्शन) पर प्रतिबंध एवं डिस्कनेक्शन की कार्रवाई की है। इस अवधि में 263 प्रेषकों को ब्लैकलिस्ट किया गया, जबकि 2,873 एसएमएस हेडर भी ब्लॉक किए गए। ट्राई की ओर से जारी तिमाही रिपोर्ट के अनुसार, 30 जून 2026 तक देश में कुल मोबाइल ग्राहक आधार 1.348 अरब था। अप्रैल से जून के बीच दूरसंचार नेटवर्क पर 730.82 अरब कॉल और 691.09 अरब एसएमएस भेजे गए। इसी अवधि में यूसीसी से संबंधित 10.85 लाख शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 5.53 लाख शिकायतें कार्रवाई योग्य पाई गईं।

बांग्लादेश सरकार की मीडिया को चेतावनी, हसीना का भाषण छपा या प्रसारित हुआ तो कार्रवाई होगी

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार डॉ. जाहिद उर रहमान ने कहा कि सरकार किसी भी ऐसे मीडिया संस्थान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, जो अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भाषणों की प्रकाशित या प्रसारित करेगी। उन्होंने सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन में आज कहा, रसरकार इस संबंध में पहले ही मीडिया के लिए सलाह जारी कर चुकी है। अगर कोई मीडिया संस्थान पहले से यह घोषणा करता है कि शेख हसीना भाषण देंगी और फिर उसे प्रकाशित या प्रसारित करता है, तो यह अदालत के आदेश की अवहेलना मानी जाएगी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि सरकार सभी मीडिया संस्थानों को ऐसी गतिविधियों से दूर रहने के लिए फिर से याद दिला रही है। सलाहकार ने इस बात पर जो दिया कि अदालत के निर्देशों का पालन करना हर व्यक्ति और संस्था की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, रसरकार की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि अदालत के फैसलों को लागू किया जाए।ह अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त करते हुए सलाहकार ने कहा कि अगर अदालत का आदेश नहीं होता तो वह हसीना के भाषणों के प्रसारण पर रोक लगाने का समर्थन नहीं करते। डॉ. जाहिद उर रहमान ने कहा, अगर कोई अदालत के आदेश से असहमत है, तो उसे सक्षम अदालत में चुनौती देने का अधिकार है, लेकिन जब तक आदेश लागू है, सभी को इसका पालन करना होगा। इस सवाल के जवाब में कि सरकार को पूर्व पुलिस महानिरीक्षक बेनजीर अहमद की जमानत के बारे में दो-तीन दिन बाद क्यों पता चला, जाहिद ने कहा कि वह तुरंत कोई स्पष्टीकरण नहीं दे सकते। एक अन्य सवाल के जवाब में कि क्या प्रशासन और अन्य संस्थाओं में पिछली सरकार का प्रभाव अभी भी बना हुआ है? सलाहकार ने कहा कि शेख हसीना की सरकार का पतन और 5 अगस्त को उनका देश छोड़कर जाना बांग्लादेश के इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्ष के दौरान प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले सभी अधिकारियों को यतों-रात बदलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, पिछली सरकार से जुड़े कई लोग अभी भी प्रशासन सहित विभिन्न संस्थाओं में काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में लोगों को एक साथ हटाना संभव नहीं है। इस प्रक्रिया में समय लगता है। महत्वपूर्ण है कि शेख हसीना के नई दिल्ली में होने वाले संभावित वचुअल संबोधन को लेकर ढाका ने भारत से स्पष्टीकरण मांगा है। नई दिल्ली में पांच अगस्त को फॉरेन कॉरस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया के आयोजित एक कार्यक्रम में हसीना के शामिल होने की चर्चा है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त के समक्ष कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है और कहा है कि भारतीय जमीन से राजनीतिक गतिविधियों या संबोधन से दोनों देशों के संबंधों की सकारात्मक गति प्रभावित हो सकती है। भारतीय पक्ष ने स्थिति पर सतर्क रहने और मामले की जांच करने का भरपूर सा दिया है।

अमेरिका में 17 देशों के 25 नागरिकों के

खिलाफ नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू
वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के एक व्यक्ति और पाकिस्तान मूल के दो व्यक्तियों समेत 25 लोगों की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन पर गलत पहचान, हत्या के प्रयास और बाल बौन शोषण जैसे आरोप हैं। यह कार्रवाई 17 देशों के नागरिकों के खिलाफ शुरू की गई है। इनमें पाकिस्तान, मोल्दोवा, भारत, मेक्सिको, कोलॉंबिया, नाइजीरिया, लाइबेरिया, घाना, जमैका, ताइवान, होंडुरास, कैमरून, जॉर्डन, क्यूबा, अल साल्वाडोर, हैती और स्वीडन के लोग शामिल हैं। अमेरिकी न्याय मंत्रालय की वेबसाइट में स्थानीय समयानुसार तीन अगस्त को यह जानकारी साझा की गई है। इस प्रक्रिया के दायरे में भारतीय मूल के 65 वर्षीय नरेन्द्र सिंह, पाकिस्तान मूल के जिया मुराद भट्टी और मोहम्मद वासिफ को लाया गया है। भारतीय मूल के नरेन्द्र सिंह के खिलाफ डेलावेयर जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया है। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा, अमेरिकी नागरिकता देश के सबसे बड़े विशेषाधिकारों में से एक है। इसे कानूनी और ईमानदारी से हासिल किया जाना चाहिए। इन लोगों ने धोखाधड़ी, तथ्यों को छिपाते और अन्य गैरकानूनी तरीकों के जरिए नागरिकता हासिल की। इन पर बच्चों के खिलाफ बौन अपराध, फर्जी पहचान आदि जैसे गंभीर आरोप हैं। अमेरिकी न्याय मंत्रालय के इतिहास में नागरिकता रद्द करने की यह सबसे बड़ी समन्वित कार्रवाई है, लेकिन यह तो बस शुरूआत है। न्याय विभाग के सिविल डिब्रीजन के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल ब्रेट ए. शुमेट ने कहा, आज का दिन इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी कार्रवाई का गवाह बना है। इनमें से हर व्यक्ति ने ऐसे अपराध किए हैं, जो अमेरिकी नागरिकता के अनुकूल नहीं हैं।

उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी पर मद्रास हाई कोर्ट का हस्तक्षेप, पूछताछ के बाद रिहा करने का दिया आदेश

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई। मामले में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मद्रास उच्च न्यायालय ने पुलिस को निर्देश दिया कि पूछताछ पूरी करने के बाद उदयनिधि स्टालिन को मंगलवार को ही रिहा किया जाए।

उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी के खिलाफ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) ने मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश सकील ने अदालत को बताया कि उदयनिधि को जेल भेजने या अदालत में पेश करने का कोई इरादा नहीं है। उन्हें तंजावुर ले जाकर थाने में पूछताछ की जाएगी और इसके बाद थाने से ही जमानत



पर रिहा कर दिया जाएगा। सरकारी पक्ष को दलील सुनने के बाद उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि पूछताछ पूरी होने के बाद उदयनिधि स्टालिन को मंगलवार को ही रिहा किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि उन्हें पुलिस जांच में पूरा सहयोग करना चाहिए।



इस बीच, चेन्नई से तंजावुर ले जाते समय पुलिस ने उदयनिधि स्टालिन को विलुपु्रम जिले के ओलककूर पुलिस थाने में कुछ देर के लिए रोक़ा। बताया गया कि दोपहर के भोजन और अन्य आवश्यकताओं के लिए उन्हें वहां अस्थायी रूप से विश्राम कराया गया।

उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी पर भड़के एम.के. स्टालिन विजय सरकार पर लगाया लोकतंत्र कुचलने का आरोप

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी को लेकर राज्य की राजनीति में घमासान तेज हो गया है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने के लिए पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि अहंकार सत्ता के विनाश का कारण बनता है और लगातार बना रहने वाला अहंकार उसके पतन को और तेज कर देता है। स्टालिन ने जारी बयान में आरोप लगाया कि कावेरी जल विवाद और मेकेदातु बांध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि इन जनहित के मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को निशाना बनाया गया। उनके अनुसार, तंजावुर में द्रमुक की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन में किसानों, पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों की बड़ी भागीदारी ने सरकार के प्रति जनता के आक्रोश को उजागर किया।

दरअसल, तंजावुर में कावेरी मुद्दे को लेकर द्रमुक की ओर से आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में पुलिस थाने में उनके खिलाफ नौ धाराओं में मामला दर्ज किया गया। इसी मामले में मंगलवार सुबह तंजावुर पुलिस उदयनिधि स्टालिन के आवास पहुंची और उन्हें अपने

साथ ले गईं। इस दौरान उनके आवास के बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। गिरफ्तारी के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में द्रमुक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया, जबकि तमिलनाा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के कार्यकर्ताओं ने भी उनके खिलाफ प्रदर्शन किया।

साथ ले गईं। इस दौरान उनके आवास के बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। गिरफ्तारी के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में द्रमुक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया, जबकि तमिलनाा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के कार्यकर्ताओं ने भी उनके खिलाफ प्रदर्शन किया।

एयर इंडिया की फुकेट से दिल्ली आ रही उड़ान में भयानक टबुर्लेस

12 यात्री और कू सदस्य घायल, 7 अस्पताल में भर्ती



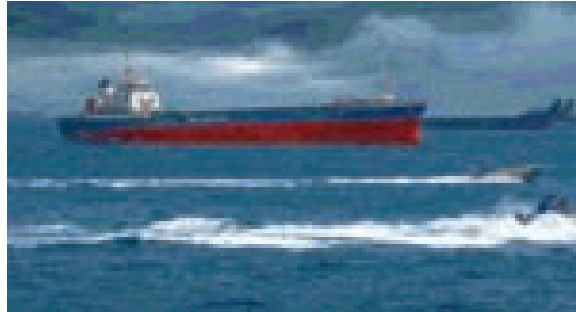
पड़ा, जिससे कुछ समय के लिए विमान की ऊंचाई में बदलाव दर्ज किया गया। हालांकि विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली पहुंच गया और सभी यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों को सुरक्षा उसकी सर्वोच्च घटना के बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आई हैं।

हवाई अड्डे पर मेडिकल टीम ने सभी की जांच की और जरूरतमंदों को उपचार के लिए मेडिकल सुविधा में भेजा गया। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध

कराई जा रही है। विमान कंपनी की एक समर्पित समन्वय टीम अस्पताल में भी मौजूद है, जो मरीजों के उपचार, दस्तावेजी प्रक्रिया, अन्य व्यवस्थाओं और उनके परिजनों से संपर्क बनाए रखने में अस्पताल प्रशासन के साथ समन्वय कर रही है।

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढाल अस्पताल की तरफ से बताया गया है कि 7 घायल यात्रियों को आपातकालीन विभाग में भर्ती किया गया है। अस्पताल पहुंचते ही सभी मरीजों का तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण कर उपचार शुरू किया गया। मरीजों की प्रारंभिक हालत स्थिर करने के बाद अस्पताल ने समन्वित चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 'क्रोड थैलो' लागू किया। इसके बाद मरीजों का चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार सीटी स्कैन, एमआरआई और एक्स-रे कराया गया तथा उन्हें आगे की निगरानी और उपचार के लिए वादों में स्थानांतरित किया जा रहा है। डॉक्टरों की टीम सभी मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति का लगातार आकलन कर रही है। तकनीकी टीम और संबंधित अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। एयर इंडिया ने कहा कि वह जांच में सभी संबंधित एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। घटना के बाद यात्रियों ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उड़ान के दौरान अचानक विमान तेज झटकों से हिलने लगा। एक यात्री ने दावा किया कि करीब डेढ़ घंटे की उड़ान के बाद विमान दो से तीन मिनट तक लगातार ऊपर-नीचे होता रहा, जिससे कई यात्रियों के सिर ऊपर लगे सामान रखने वाले हिस्से से टकरा गए। एक अन्य यात्री ने कहा कि अचानक विमान काफी नीचे चला गया, जिससे सीट पर बैठे कई यात्रियों के सिर ऊपर की छत से टकरा गए। कुछ यात्रियों ने बताया कि उस समय ऐसा महसूस हुआ जैसे विमान पलटने वाला हो, जिससे विमान के भीतर अफरातफरी का माहौल बन गया।

नाविक प्रथम अभियान के तहत अबतक 3,972 नाविकों की स्वदेश वापसी

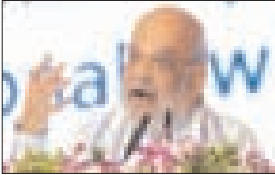


नई दिल्ली। केंद्र सरकार ईरान, होर्मुज जलडमरूमध्य, फारस की खाड़ी और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के बीच 'नाविक प्रथम' पहल के तहत अब तक खाड़ी क्षेत्र से 3,972 भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी करा चुकी है, जबकि 60 जहाज सुरक्षित रूप से लिए माल लेकर गुजर चुके हैं। साथ ही जहाजों और नाविकों की रियल टाइम ट्रैकिंग और निगरानी की व्यवस्था भी लागू की गई है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने मंगलवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) ने सुरक्षा स्थिति को देखते हुए चरणबद्ध तरीके से 'नाविक प्रथम' अभियान लागू किया है। इसके तहत 24 घंटे निर्यंत्रण कक्ष, डीजी कम्युनिकेशन सेंटर के माध्यम से लगातार निगरानी, प्रत्येक 24 घंटे में स्थिति रिपोर्ट जारी करने और जहाजों तथा भारतीय नाविकों की वास्तविक

समय में ट्रैकिंग की व्यवस्था की गई है। सोनोवाल ने बताया कि 24 घंटे संचालित निर्यंत्रण कक्ष अब तक नाविकों, उनके परिजनों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े हितधारकों की 15,771 टेलीफोन कॉल और 36,499 ई-मेल का निस्तारण कर चुका है। जरूरत पड़ने पर नाविकों के परिवारों से लगातार संपर्क बनाए रखा जाता है तथा परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। किसी नाविक की मृत्यु की स्थिति में सीफेयरर्स वेलफेयर फंड सोसाइटी के जरिए तत्काल 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के तहत 10 लाख रुपये की व्यवस्था भी है। उन्होंने बताया कि जनवरी से जुलाई के बीच कई परामर्श जारी किए गए। इनमें भारतीय नाविकों को ईरान भेजने पर रोक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय, जहाज-तट सुरक्षा अभ्यास, जोखिम आकलन, संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना देने और सुरक्षा हालात बिगड़ने पर संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में भारतीय नाविकों की तैनाती से बचने जैसे निर्देश शामिल हैं।

साल 2019 से अब तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत लाया गया : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। वर्ष 2019 से अब तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को जारी विस्तृत विवरण में कहा कि भगोड़े अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाते हुए सरकार ने प्रत्यर्पण, अंतरराष्ट्रीय समन्वय और आधुनिक तकनीक आधारित तंत्र को मजबूत किया है। मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2018 में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम लागू किए जाने के बाद भगोड़ों के खिलाफ कार्रवाई को नई गति मिली। वर्ष 2019 में एनआईए (संशोधन) अधिनियम और



गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपिएए) में संशोधन के बाद वर्ष 2020 से भगोड़ों की वापसी के लिए मिशन मोड में अभियान चलाया गया। वर्ष 2024 में लागू तीन नए आपराधिक कानूनों में भगोड़े आरोपियों के खिलाफ दृढ़तर इन एम्बेस्टिया (अनुपस्थिति में मुकदमा) का भी प्रावधान किया गया। गृह मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 2004 से 2013 के बीच भारत

औसतन केवल चार भगोड़े अपराधियों का ही प्रत्यर्पण करा सका था, जबकि 110 प्रत्यर्पण अनुरोध लंबित थे। उस समय सीमित प्रत्यर्पण संधियां, कमजोर कानूनी ढांचा और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी बड़ी बाधाएं थीं। मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत में आयोजित इंटरपोल महासभा के बाद अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत किया गया। जनवरी 2025 में शुरू किए गए भारतपोल प्लेटफॉर्म के जरिए सीबीआई, राज्यों की पुलिस तथा केंद्रीय जांच एजेंसियों की 1,400 से अधिक इकाइयों को एकीकृत किया गया,

हार के बाद एक्शन मोड़ में भाजपा, मुख्यमंत्री आवास पर हुआ मंथन

भोपाल। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार से 6,016 मतों से मिली हार के बाद भारतीय जनता पार्टी संगठन में हलचल तेज हो गई है। राजधानी भोपाल स्थित मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक में हार के कारणों और भीतरघात की शिकायतों पर मंथन हुआ। वहीं, चुनाव परिणामों की समीक्षा के लिए दो सदस्यीय जांच समिति गठित की है। दरअसल, सोमवार को दतिया उपचुनाव के परिणामों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भोपाल स्थित निवास पर एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, चुनाव प्रभारी भारत सिंह कुशवाह और मंत्री राव उदय प्रताप सिंह समेत करीब दो दर्जन वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी के पराजित उम्मीदवार आशुतोष तिवारी ने भी बैठक में पहुंचकर संगठन के भीतर हुए कथित भीतरघात और भितरघातियों से जुड़े अड़िचो साक्ष्य प्रस्तुत किए। सूत्रों के अनुसार, शहरी क्षेत्र में पिछड़ने के कारण दतिया के कुछ स्थानीय पार्षदों और संगठन पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पार्टी सूत्रों ने यह भी बताया कि चुनाव के दौरान वायरल हुए कथित भ्रामक पोस्टर और फर्जी पत्रों की भी समीक्षा की जाएगी।